



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24] नई दिल्ली, शनिवार, जून 13, 1981 (ज्येष्ठ 23, 1903)
No. 24] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 13, 1981 (JYAISTHA 23, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 अप्रैल 1981

सं० प०/1415-प्रशासन-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी चयन ग्रेड अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थापित रूप से संयुक्त सचिव के पद (सं० 2000-125/2-2250) पर कार्यरत श्री एम० एस० प्रूथी को निवर्तन आयु प्राप्त करने पर राष्ट्रपति द्वारा 30 अप्रैल, 1981 अपराह्न से सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

एच० सी० जाटव

संयुक्त सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 मई 1981

सं० ए० 32014/1/81-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा नीचे उल्लिखित तारीख से पूर्णतः अनतिम, अस्थायी और तदर्थ आधार पर उक्त संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के०स०स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थापित रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

क्र०सं०	नाम	अवधि	अभ्युक्ति
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	पी०पी० सिक्का	2-5-81 से 1-8-81 तक	निजी सचिवों के पदों को अस्थायी

1	2	3	4
2.	ओ०पी० देवरा	अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो।	रूप से पदा करने से स्थान पर किए गए पर।
3.	एच०सी० कटोच	—वही—	परिणामी बढ़ रिक्ति
4.	टी०आर० शर्मा	4-5-81 से 3-7-81 तक अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो।	—व
5.	श्याम प्रकाश	25-4-81 से 24-6-81 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो पहले हो।	

2. उपर्युक्त व्यक्ति अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के०स०स्टे०से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और इससे उन्हें के०स०स्टे०से० के ग्रेड ख में विलियन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा और पूर्वोक्त नियुक्तियाँ इस शर्त पर हैं कि कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग उनका अनुमोदन कर दे।

एस० बालचन्द्रन,
उप सचिव (प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 मई 1981

सं० ए० 35014/1/79-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग के क०स०से० संवर्ग के स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री डी० आर० मदान को सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 12-5-81 से 11-8-1981 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी (विशेष सेवाएं) के पद पर तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. अनुभाग अधिकारी (विशेष सेवाएं) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने पर श्री डी० आर० मदान का वेतन समय-समय पर यथासंशोधित वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के का०ज्ञा०से०एफ० 10(24)-ई०-III/60 दिनांक 4-5-1961 की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

पी० एस० राणा,
अनुभाग अधिकारी
कृते सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं० 10 आर०सी०टी०-3—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री एस० एन० धर, कार्यपालक अभियन्ता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में दिनांक 30 मार्च, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्रा,
अवर सचिव
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1981

सं० ए-19036/3/79-प्रशासन-5—आंध्र प्रदेश पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त श्री के० फरीदुद्दीन, पुलिस उप-अधीक्षक की सेवाएं दिनांक 30 अप्रैल, 1981

के अपराह्न से आंध्र प्रदेश सरकार को वापस सौंप दी गई।

दिनांक 25 मई 1981

सं० ए-19021/4/81-प्रशासन-5—राष्ट्रपति, अपने प्रसाद से श्री एस० पी० डंगवाल, भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश-1966) को दिनांक 16 मई, 1981 के अपराह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्त पर पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रीवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 मई 1981

शुद्धि-पत्र

सं० 11/99/79-प्रशा०-I—इस कार्यालय की तारीख 28-4-1981 की समसंख्यक अधिसूचना की पांचवी लाईन में "10 अप्रैल, 1980" अंकों और शब्दों के स्थान पर "10 अप्रैल, 1981" अंक और शब्द पढ़े जाएं।

के० सी० सेठ
उप-निदेशक

श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 6 जून 1981

सं० 23/17/81-सी० पी० आई०—अप्रैल 1981 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) मार्च, 1981 के स्तर से सात अंक बढ़ कर 427 (चार सौ भत्ताईस) रहा। अप्रैल, 1981 माह का सूचकांक 1949=100 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 519 (पांच सौ उन्नीस) आता है।

ए० एस० भारद्वाज
निदेशक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक मई, 1981

सं० स्थापना/हकदारी/6/10-3—महालेखाकार, केरल के कार्यालय की लेखा अधिकारी श्रीमती काथलीन ऐसक अधिवर्षिता के कारण 20 अप्रैल, 1981 अपराह्न को सेवानिवृत्त हो गयी।

एस० सेतुरामन
महालेखाकार

सूची—(जारी)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
32.	मेसर्स रेली ब्रदर्स लि०	.	.	.	1000
33.	मे० वर्माविल आयल स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रिब्यूटिंग कम्पनी प्राफ इण्डिया लि०, लाहौर	.	.	.	200
34.	रावलपिन्डी	.	.	.	200
35.	दि डेली गजट एण्ड प्रेस, करांची	400
36.	हर्बर्ट सन्स लिमिटेड
37.	आर० आर० नाबर एण्ड कम्पनी
38.	हर्बर्ट सन्स लिमिटेड
39.	मेसर्स कूपर इन्जीनियरिंग लिमिटेड
40.	दि इण्डियन ओवरसीज बैंक लि०	5000
41.	मेसर्स गेनल इंकलॉ एण्ड कं० लि०	500
42.	"	1000
43.	दि सिन्दिया स्टीम नेवीगेशन कं० लि०	35000
44.	"	15000
45.	रिजर्व बैंक आफ इण्डिया	40000
46.	बेटीदाय एण्ड कम्पनी लि०
47.	मेहता वकील एण्ड कम्पनी
48.	डबलपॉन्ट सेक्रेटरी (एफ०) भारतीय जीवन बीमा
49.	इण्डियन ओवरसीज बैंक
50.	"	5000
51.	"	10000
52.	"	5000
53.	यूनाइटेड बैंक आफ इण्डिया, कलकत्ता	500
54.	मेसर्स लायोनल एडवार्ड्स लिमिटेड
55.	मेकिनोन मेकेन्जी कं० (प्रा०) लि०	6000	.	.	.
56.	मेसर्स बटली वाला एण्ड करानी
57.	यूनाइटेड बैंक आफ इण्डिया, मुख्यालय, कलकत्ता
58.	इन्डस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक आफ इण्डिया
59.	मेसर्स इलाहाबाद बैंक लि० (कलकत्ता शाखा)
60.	यूनाइटेड बैंक आफ इण्डिया, प्रधान कार्यालय, कलकत्ता
61.	इण्डियन ओवरसीज बैंक
62.	"
63.	किलिक निक्सन लिमिटेड
64.	मेसर्स लियोनेल एडवार्ड्स लिमिटेड
65.	महाराष्ट्र स्टेट कोपरेटिव बैंक (लि०)	4000	.	4000
		150200	1300	400	3300	1000	400	5500	20500	90000	3300	700	1500	177800	10000	300	400

सूची—(समाप्त)

1	2	19	20	21	22	23	24	25	26
32.	मेसर्स रेली ब्रदर्स लि०								बन्धकी के नाम
33.	मे० बमसिल ग्रायल स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रीब्यूटिंग कम्पनी आफ इण्डिया लि०, लाहौर								प्रभारी अधीक्षक, तार-कार्यालय, करांची।
34.	" " रावलपिन्डी								मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तारघर, लाहौर।
35.	वि डेली गजट एण्ड प्रेस, करांची								" " रावलपिन्डी।
36.	हरबर्ट सन्स लि०								प्रभारी अधीक्षक, तार कार्यालय, करांची।
37.	आर० आर० नावर एण्ड कम्पनी								मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तारघर, बम्बई।
38.	हरबर्ट सन्स लिमिटेड								" "
39.	मेसर्स कूपर इंजीनियरिंग लिमिटेड								" "
40.	वि इन्डियन ओवरसीज बैंक लि०								अधीक्षक, केन्द्रीय तारघर, पूना
41.	मेसर्स गेनर डेक्ली एण्ड क० लि०								मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तारघर, कलकत्ता
42.	" "								" " बम्बई
43.	वि सिन्दिया स्टीम नेवीगेशन क० लि०								" " "
44.	" "								" " "
45.	रिजर्व बैंक आफ इण्डिया								" " "
46.	वैटीबाय एण्ड कम्पनी लि०								" " "
47.	मेहता वकील एण्ड कम्पनी								" " "
48.	डबलपैमेंट सेन्ट्रेरी (एफ०) भारतीय जीवन बीमा								" " "
49.	इण्डियन ओवरसीज बैंक					9000			प्रभारी डेलीग्रेटिड, विभागीय तारघर, शान्ताकुल, बम्बई।
50.	" "								मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तारघर, मद्रास।
51.	" "								" " "
52.	" "								" " "
53.	यूनाइटेड बैंक आफ इण्डिया, कलकत्ता								" " "
54.	मेसर्स लायोनल एडवार्ड्स लिमिटेड								" " कलकत्ता
55.	मेकिनोन मेकेन्जी क० (प्रा०) लि०								" " बम्बई
56.	मेसर्स बटली वाला एण्ड करांची								" " "
57.	यूनाइटेड बैंक आफ इण्डिया, मुख्यालय, कलकत्ता								" " "
58.	इन्डस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक आफ इण्डिया								" " "
59.	मेसर्स इलाहाबाद बैंक लि० (कलकत्ता शाखा)								" " कलकत्ता
60.	यूनाइटेड बैंक आफ इण्डिया, प्रधान कार्यालय, कलकत्ता								" " बम्बई
61.	इण्डियन ओवरसीज बैंक					25000			" " कलकत्ता
62.	" "								" " "
63.	किल्लिक निक्सन लिमिटेड								" " मद्रास
64.	मेसर्स सिमोनल एडवार्ड्स लिमिटेड								प्रभारी अधीक्षक, विभागीय तारघर, अन्ना रोड, मद्रास
65.	महाराष्ट्र स्टेट कोपरेटिव बैंक (लि०)								मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तारघर, बम्बई
						25000			" "
						48000	13500	50000	25000
						9000			

पंजीकृत—पत्रांक : प्रकाशन (पब्लिकेशन)/बी० एस० 327 दिनांक 21-5-81

नारायण चन्द्र गुप्ता
लेखा अधिकारी

निदेशक लेखा परीक्षा का कार्यालय

पू० सी० रेलवे मास्तीगांथ

गुवाहाटी-781011, दिनांक 22 जनवरी 1981

सं० एस०ओ०ओ० 81—इस कार्यालय के श्री एस० के० भट्टाचार्य, एस०आर०ए०एस० अनुभाग अधिकारी को, जो इस समय इतर सेवा में केन्द्रीय अन्तर्देशीय जल परिवहन निगम लि० गुवाहाटी में लेखा अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं, दिनांक 29-8-80 (अपराह्न) से अगले आदेश तक तन्निम्न नियम (नेक्स्ट बिलो ब्ल) लेखा परीक्षा अधिकारी के ग्रेड में वेतनमान 840-40-1000-द०रो०-40-1200 रु० में प्रोफार्मा प्रोन्नति की स्वीकृति दी गयी है।

दिनांक 27 जनवरी 1981

सं० एस० ओ० ओ० 83—एस०आर०ए०एस० संवर्ग के स्थायी सदस्य तथा स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी श्री जी० रामबिन का, फूड कारपोरेशन आफ इंडिया (कलकत्ता) में स्थायी विलियन के परिणामस्वरूप, एफ आर-14(ए) (डी) के अन्तर्गत दिनांक 25-4-1979 से उनका पूर्वाधिकार समाप्त किया जाता है।

एस० चन्द्रशेखर,
निदेशक, लेखा परीक्षा

गुवाहाटी-781011, दिनांक 17 फरवरी 1981

सं० एस० ओ० ओ० 89—लेखा परीक्षा कार्यालय के लेखा परीक्षा अधिकारी स्व० एस० के० मुखर्जी का, जो अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में बाह्य सेवा पर थे, दिनांक 11 सितम्बर, 1980 को निधन हो गया।

2. लेखा परीक्षा अधिकारी स्व० एन० सी० दत्ता का, जो भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लि०, मान्नालडीह में बाह्य सेवा पर थे, दिनांक 18 नवम्बर, 1980 को निधन हो गया।

न० सी० गोपाल सिकदार
लेखा परीक्षा अधिकारी (प्रशा०)

कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा

दक्षिण रेलवे

मद्रास, दिनांक 1981

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा/दक्षिण रेलवे/मद्रास के सर्वश्री पी० ए० मुनिस्वामी और एम० सी० बरदराजन जो एस० आर० ए० एस० संवर्ग के स्थायी/स्थानापन्न सदस्य हैं, उनको अगले आदेश तक 9-4-81 (पू) और 6-4-81 (पू) से निदेशक लेखा परीक्षा से वेतनमान रु० 840—1200 में लेखा परीक्षा अधिकारी पद में स्थानापन्न रूप में पदोन्नति दी जाती है।

इन व्यक्तियों की पदोन्नति बिस्कुल तदर्थ रूप में दी जाती है और यह तो उच्चम न्यायालय के अंतिम आदेश के अध्व-धीन है।

सी० एम० मेनन,
निदेशक, लेखा परीक्षा

कार्यालय: निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व,

नई दिल्ली-2, दिनांक 8 मई 1981

सं० प्रशा०-I/का०आ०/67—निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व एतद्द्वारा इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारियों को स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारियों के पदों पर 840-1200 रु० के समय वेतनमान में उनके नामों के आगे दर्शायी गई तिथियों से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम	लेखा परीक्षा अधिकारियों के रूप में स्थायी नियुक्ति की तिथि
	सर्व श्री	
1.	एस०आर० कपूर	1-7-1979
2.	जी०सी० तुली	1-7-1979
3.	के०सी० शर्मा	1-7-1979
4.	सी०बी० मलिक	1-7-1979
5.	जे०एस० साहनी	1-7-1979
6.	पी०सी० मलिक	1-7-1979
7.	बी०डी० सहगल	1-7-1979
8.	एम०वी० रामाकृष्णन	1-7-1979
9.	के०एस० वर्मा	1-7-1979
10.	एम० एम० एल० बक्शी	1-7-1979
11.	पी० एम० जैन	1-7-1979
12.	यू०एस० माथुर	1-7-1979
13.	रवीन्द्र कुमार	1-7-1979
14.	डी०पी० शर्मा	1-7-1979
15.	आर०के० उप्पल	20-7-1979
16.	डी०पी० देवगुन	29-7-1979
17.	डी०आर० मलहोत्रा	21-9-1979
18.	पी०एल० बली	1-10-1979
19.	पी०सी० गुप्ता	1-11-1979
20.	जे०एस० गांधी	1-3-1980
21.	अमर नाथ-II	1-4-1980
22.	पी०एस० तलवार	4-5-1980
23.	आर०सी० मलिक	1-6-1980
24.	टी० आर० कपूर	1-7-1980
25.	एस० एल० बंसल	1-8-1980
26.	देव राज-II	9-9-1980

बलदेव राय,
संयुक्त निदेशक ले०प० (प्र०)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 29 मई 1981

सं० 496/ए-प्रशासन/130/79-81—निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं अधीनस्थ लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री पी० एस० दीवान को, लेखा परीक्षा अधिकारी रक्षा सेवाएं, इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 31-3-1981 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश पर्यंत सहर्ष नियुक्त करते हैं।

इन्द्र पाल सिंह,
संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा,
रक्षा सेवाएं

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवाएं

(आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड)

कनकता, दिनांक 20 मई 1981

सं० 37/81/जी०—वार्धक्य सेवा निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, निम्नलिखित अधिकारीगण प्रत्येक के सामने दशमयी गयी तारीख से सेवानिवृत्त हुए :—

1. श्री के० विमनोई, अपर महानिदेशक/ओ०ई०एफ० 28-2-1981
(मौलिक एवं स्थायी उप-महानिदेशक, आ० फै०) (अपराह्न)
2. श्री एच० पी० अस्थाना, प्रबन्धक 30-9-1980
(मौलिक एवं स्थायी उप-प्रबन्धक) (अपराह्न)

वी०के० मेहता,
सहायक महानिदेशक
आर्डनेन्स फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय

बम्बई, दिनांक 21 मई 1981

सं० 15/4/80-स्थापना—महानिदेशक, श्री आर० जी० वाकडे, स्थाई प्रधान लिपिक को, कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय में स्थानापन्न रूप में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर दिनांक 15 मई 1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त करता है।

ए० के० चक्रवर्ती,
महानिदेशक

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 मई 1981

सं० 12/64/61-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के निदेशक ग्रेड-2 (वैद्युत)

श्री जी० पी० अग्रवाल को दिनांक 4 मई 1981 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान जयपुर में ही तदर्थ आघार पर निदेशक ग्रेड-1 (वैद्युत) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 12/219/61-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग विकास संगठन के श्री बी० एन० भट्टाशाली, निदेशक ग्रेड-1 (औद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) को निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, दिनांक 31 जनवरी, 1981 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

सं० ए-19018/(543)/81-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली में अवर सचिव श्री एच० बी० लालरिमा, भारतीय प्रशासनिक सेवा (एम०टी० 72) को दिनांक 15 अप्रैल, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-1 (इंजीनियरी उद्यमियों को सहायता) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय,
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1981

सं० प्र-I/I (1011)—पूर्ति निदेशक (वस्त्र) के कार्यालय में स्थायी अधीक्षक और स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री बी० के० बहल निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 30 अप्रैल, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

पी० डी० सेठ

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1981

सं० प्र० 6/247(368)—राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक (धातुकर्म), जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातुकर्म) श्री ए० के० चटर्जी को दिनांक 28 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III, धातुकर्म शाखा ग्रुप "ए") के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री चटर्जी ने दिनांक 28 अप्रैल, 1981 को सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातुकर्म) का पदभार छोड़ दिया और

सहायक निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) का पदभार सम्भाल लिया।

पी०डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 16 मई 1981

सं० 2408/B/ए/19012 (एल एम एम)/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रशासनिक अधिकारी श्री एल०एम० मैकेंजी स्वेच्छापूर्वक सरकारी सेवा से 1-9-1980 (पूर्वाह्न) से निवृत्त हो गए।

दिनांक 26 मई 1981

सं० 2398/B/ए-19012 (ए जी/एके)/19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूशैतिकीविद् श्री अश्वनी कुमार का त्यागपत्र 3-6-80 (पूर्वाह्न) से स्वीकार किया जाता है।

वी० एस० कृष्णस्वामी,
महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1981

सं० 5(12)/68-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री टी०आर० गोपालकृष्णमाचारी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, हैदराबाद को आकाशवाणी, हैदराबाद में 2 मई, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 5(26)/68-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एस० के० शर्मा, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी दिल्ली को आकाशवाणी रीवा में 27 अप्रैल, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(50) 68-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एन०राय चौधरी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, कलकत्ता को आकाशवाणी, बिज्ञापन प्रसारण सेवा, कलकत्ता में 4 मई, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म समारोह निदेशालय

नई दिल्ली-3, दिनांक 16 अप्रैल 1981

सं० 1/4/81-एफ एफ डी—यह एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि फिल्म समारोह निदेशालय अधिसूचना संख्या 1/1/81—एफ एफ डी दिनांक 21-2-1981 में प्रकाशित राष्ट्रीय फिल्म समारोह, 1981 की नियमावली नियम 9 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने दो राष्ट्रीय ज्यूरियों द्वारा की गयी सिफारिशों के आधार पर निम्नलिखित फिल्मों/निर्माताओं/निदेशकों/कलाकारों/तकनीशियनों को पुरस्कार देने का निर्णय किया है जिनके नाम इस प्रकार हैं :—

क्रम सं०	फिल्म का शीर्षक और भाषा	पुरस्कार विजेता का नाम	पुरस्कार
1	2	3	4
1.	सर्वोत्तम फीचर फिल्म के लिए पुरस्कार		
	आकालेर सन्धाने (बंगला)	निर्माता	"स्वर्ण कमल"
		(1) श्री धिरेश कुमार चक्रवर्ती द्वारा डे०के० फिल्म इन्टरप्राइज पी०-36 इंडियन एक्सेचन प्लेस कलकत्ता-1 निर्देशक श्री मृणालसेन 14 बेलटोला रोड, कलकत्ता।	और 50,000/- रुपये का नगद पुरस्कार (केवल पचास हजार रु०)
			"स्वर्ण कमल" और 25000/- रुपये का नगद पुरस्कार (केवल पचीस हजार रु०)
2.	द्वितीय सर्वोत्तम फीचर फिल्म के लिए पुरस्कार		
	ओपोल (मलयालम)	निर्माता	"रजत कमल"
		श्रीमती रोजम्मा जार्ज, चित्ता गोमवती बिल्डिंग अरनघाट फ्रास रोड, कोचीन-18 निर्देशक श्री के०एस० सेथुमाधवन 3, काभानाड्यू स्ट्रीट, मद्रास-17	और 30,000/- रुपये का नगद पुरस्कार (केवल तीस हजार रुपये)
			"रजत कमल" - और 15,000/- रुपये का नगद पुरस्कार (केवल पन्द्रह हजार रु०)

1	2	3	4
3. राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम फीचर फिल्म के लिए पुरस्कार	भवनी भुवाई (गुजराती)	निर्माता मैसर्स संचार फिल्म कोश्रापरेटिव सो- साइटी लि० नेहरू फाउंडेशन फार डब्लेपमेंट, वस्त्रा- पुर रोड तहलताज टेकरा, ग्रहमवाबाव	और 30,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल तीस हजार रु०) निर्देशक "रजत कमल" श्री केतन मेहता और 15,000/- 6-ए कुमकुम रुपये का नकद सोसाइटी नजदीक पुरस्कार सरदार पटेल (केवल पन्द्रह कालोनी, उस्मान हजार रुपये) पुरा, ग्रहमदाबाद
4. निर्देशक की पहली सर्वोत्तम फिल्म के लिए पुरस्कार	मधुतातदन्त (बंगला)	निर्देशक श्री उत्तपेलन्दु धनशर्मा 32, रानी हर्ष- मुखी रोड, कलकत्ता-700002	और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये)
5. सर्वोत्तम निर्देशन के लिए पुरस्कार	आकालेर संधाने (बंगला)	श्री मृणाल सेन, 14, बैलटोला रोड, कलकत्ता-26	"रजत कमल" और 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल बीस हजार रुपये)
6. सर्वोत्तम पटकथा के लिए पुरस्कार	आकालेर संधाने (बंगला)	श्री मृणाल सेन, 14, बैलटोला रोड, कलकत्ता	"रजत कमल" और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये)
7. सर्वोत्तम अभिनय के लिए पुरस्कार	सर्वोत्तम अभिनेता ओपोल (मलयालम)	श्री बालन के० नायर, द्वारा श्रीमती रोजप्पाजार्ज,	"रजत कमल" और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल

1	2	3	4
		चित्रा गोमती दस हजार रुपये) बिल्डिंग, अरनघाट क्रास रोड, कोचीन-18	
सर्वोत्तम अभिनेत्री चक्र (हिंदी)	कुमारी स्मिता पाटील, सुमित हाउस फारमेट रोड, तारदेव, बंबई-35	"रजत कमल" और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये)	
सर्वोत्तम बाल अभिनेता ओपोल (मलयालम)	मास्टर अरविन्द द्वारा श्री एस० अर० परमेश्वरन नथमज हाउस, चित्तौड़ रोड, कोचीन।	"रजत कमल" और 5,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल पांच हजार रुपये)	
8. सर्वोत्तम छायांकन (रंगीन) के लिए पुरस्कार	नेनजाथार्थ किलाये (तमिल)	श्री अशोक कुमार 19, तिरुमुस्ती स्ट्रीट, मद्रास-17	"रजत कमल" और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये)
9. सर्वोत्तम छायांकन (सादी) के लिए पुरस्कार	चगम (मलयालम)	श्री सिवन सिवनस स्टूडियो (केरल) त्रिवेन्द्रम	"रजत कमल" और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये)
10. सर्वोत्तम ध्वनि आलेखन के लिए पुरस्कार	नेनजाथार्थ किलाथ (तमिल)	श्री एस०पी० रामानाथन, 14-1, क्रास रोड, डा० सुब्बाय्य नगर, मद्रास-24	"रजत कमल" और 7,500/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल सात हजार पांच सौ रुपये)
11. सर्वोत्तम संपादन के लिए पुरस्कार	आकालेर संधाने (बंगला)	श्री गंगाधर नस्कर द्वारा मृणाल सेन, 14, बैलटोला रोड, कलकत्ता	"रजत कमल" और 7,500/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल सात हजार रु०)

1	2	3	4	1	2	3	4
12. सर्वोत्तम कला निर्देशन के लिए पुरस्कार							
भवानी भवाई, (गुजराती)	श्रीमती मीरा लखिया, द्वारा संभार फिल्म और कारपोरेशन रुपये का नकद सोसाइटी लि० पुरस्कार (केवल नेहरू फाऊंडेशन सात हजार पांच फ़ार डवलेपमेंट, सी रुपये) वस्त्रापुर रोड, तहलताज टेकरा, अहमदाबाद	"रजत कमल"	7,500/-	निर्देशक श्री बी०एन० साईं किया, कोठी नं० टी-29, और स्टेशन रोड, रुपये का नकद गुहाटी-1 पुरस्कार (केवल सात हजार पांच सी रुपये)			
13. सर्वोत्तम संगीत निर्देशन के लिए पुरस्कार				(ख) हीरक राजार देशे (बंगला)	निर्माता		
हीरक राजार देशे (बंगला)	श्री अनूप घोषाल द्वारा श्री सत्यजित और राय, रुपये का नकद 1/1, बिष्प ली- पुरस्कार (केवल फ़ाए रोड, दस हजार रु०) कलकत्ता-20	"रजत कमल"	10,000/-		डिपार्टमेंट आफ़ इनफोरमेशन एण्ड कलचरल अफ़ेयर, गवर्नमेंट आफ़ वेस्ट बंगाल, राइट्स बिल्डिंग, कलकत्ता-1	'रजत कमल' और 15,000/- रुपये का नकद पुरस्- कार (केवल पन्द्रह हजार रु०)	
14. सर्वोत्तम पार्श्वगायक के लिए पुरस्कार					निर्देशक		
हीरक राजार देशे (बंगला)	श्री अनूप घोषाल, "रजत कमल" द्वारा श्री सत्यजित और राय, रुपये का नकद 1/1, बिष्प ली- पुरस्कार (केवल फ़ाए रोड, दस हजार रुपये) कलकत्ता-20		10,000/-		श्री सत्यजित राय 1/1, बिष्प लीफ़ाए रोड, कलकत्ता-20	"रजत कमल" और 7,500/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल सात हजार पांच सी रुपये)	
15. सर्वोत्तम पार्श्वगायिका के लिए पुरस्कार				(ग) आक्रोश (हिन्दी)	निर्माता		
ओपोल (मलयालम)	श्रीमती एस० जानकी 49, 3 स्ट्रीट, सीथ- और मा कालोनी रुपये का नकद मद्रास पुरस्कार (केवल दस हजार रुपये)	"रजत कमल"	10,000/-		श्री देवी दत्त, कसना मुवीज इन्टरप्राइज 9, लिटल गिफ्ट 19 वीं रोड, खार, बंबई-52	"रजत कमल" और 15,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल पन्द्रह हजार रु०)	
16. प्रत्येक प्रादेशिक भाषा में सर्वोत्तम कथा चित्र के लिए पुरस्कार					निर्देशक		
((क) अनिरुबान निर्माता (असमिया)					श्री गोविन्द निहा- लाती और 139, 6वीं मंजिल, रुपये का नगद आराधना, पिछे, पुरस्कार (केवल भविष्य निखान सात हजार पांच निधि भवन, सी रुपये) बान्द्रा (पूर्व) बंबई-51		
	श्रीमती प्रीती साई- किया, कोठी नं० टी-29, और स्टेशन रोड, रुपये का नकद गुहाटी-1 पुरस्कार (केवल पन्द्रह हजार रु०)	"रजत कमल"	15,000/-				

1	2	3	4	1	2	3	4
(घ) यगम, निर्माता (मलयालम)				(छ) हरिश्चन्द्र निर्माता दुडु, (तेलुगू)			
	श्रीमती बी० चन्द्रामणि बाई, सिवतस बिल्डिंग पांगुमभूष त्रिवेन्द्रम (केरल)	“रजत कमल” और 15,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल पन्द्रह हजार रु०)			श्री यू० डी० मुरली कृष्णन 14, 3 वी गली हवीयुना रोड, टी नगर, मद्रास-17	“रजत कमल” और 15,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल पन्द्रह हजार रु०)	
	निर्देशक श्री सिवत, सिवतस स्टूडियो त्रिवेन्द्रम (केरल)	“रजत कमल” और 7,500/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल सात हजार पांच सौ रुपये)			निर्देशक श्री यू० विशेष्वर राय पता (जैसा उपर है)	“रजत कमल” और 7,500/रुपये का नकद पुरस्कार (केवल सात हजार पांच सौ रुपये)	
(ङ) चन्न परदेसी निर्माता (पंजाबी)				II लघु फिल्में			
	श्रीमती स्वर्ण सेखा, 2118, सेक्टर 15-सी, चण्डीगढ़, श्री जे०एस० चीना श्री बलदेव गिल (पता वहीं)	“रजत कमल” और 15,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल पन्द्रह हजार रु० बराबर बांटने के लिए)		1. सर्वोत्तम सूचना फिल्म (वृत्त चित्र) दलदल (किथियफ सैंड) (हिंदी)	निर्माता श्रीमती क्रेस्टना खोटे द्वारा दुर्गा खोटे प्रोडक्शन इंडिया हाऊस के सामने जी०पी० ओ० के पहली मंजिल, बंबई-1	“रजत कमल” और 5000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल पांच हजार रु०)	
	निर्देशक श्री चित्ताथी सिंह, ट्यूडर-19, 3वीं गली, सान्ताक्रुज (पूर्व) बंबई-55	“रजत कमल” और 7,500/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल सात हजार पांच सौ रुपये)			निर्देशक श्री प्रदीप दिक्षित, 5, “शंकर” शि-रोले रोड, शिवाजी नगर, पूणा-4	“रजत कमल” और 5,000/-रु० का नकद पुरस्कार (केवल पांच हजार रुपये)	
(च) नैनजाथाई निर्माता किलाये (तमिल)				2. सर्वोत्तम शिक्षाप्रद/ज्ञानवर्धक-फिल्म :			
	श्री के० राज-गोपाल चेट्टी, द्वारा देवी फ़िल्मस प्राईवेट लिमिटेड, 234, मिन्ट स्ट्रीट, मद्रास-3	“रजत कमल” और 15,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल पन्द्रह हजार रु०)		मेरी कलचर (अंग्रेजी)	निर्माता फिल्म प्रभाग, भारत सरकार “फिल्म भवन” 24, डा० जी० देश मुख मार्ग, बंबई-26	“रजत कमल” और 5000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल पांच हजार रु०)	
	निर्देशक श्री जे० मेहन्दन, 12 वीं मेन रोड, मद्रास-28	“रजत कमल” और 7,500/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल सात हजार पांच सौ रुपये)			निर्देशक श्री सी० जे० पोलोस द्वारा फिल्म प्रभाग “फिल्म प्रभाग” 24, डा० जी० देश मुख मार्ग, बंबई-26	“रजत कमल” और 5,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल पांच हजार रु०)	

1	2	3	4
3. सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (अव्यवसायिक/व्यावसायिक):	अंचल आफ़्शोर (अंग्रेजी)	निर्माता श्री प्रेम प्रकाश एशियन फिल्मस 72, जनपथ, नई दिल्ली। निर्देशक श्री सत्य प्रकाश एशियन फिल्मस 72, जनपथ, नई दिल्ली।	"रजत कमल"
4. सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म:	आराईवल (अंग्रेजी)	निर्माता फिल्म प्रभाग, भारत सरकार "फिल्म भवन" 24, डा०जी० देश मुख मार्ग, बंबई-26 निर्देशक श्री मणि कोल, 21 "चित्तकूट" अल्टामाऊंट रोड, बंबई-26	"रजत कमल" और 5,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल पांच हजार रु०)
5. सर्वोत्तम न्यूजरील कमरामन:	ट्रेजिडी आफ़् गेंडी (आई० एन० आर० नं० 1657)	कैमरा मैन (1) श्री राज गोपाल राव और (ii) श्री एम० पी० सिंहा फिल्म प्रभाग, भारत सरकार "फिल्म भवन" 24 जी० देशमुख मार्ग, बंबई-26	"रजत कमल" और 5,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल पांच हजार) बराबर बॉटने के लिए।
6. सर्वोत्तम भारतीय समाचार चित्र:	डे आफ़् दी डार्क सन (अंग्रेजी)	निर्माता फिल्म प्रभाग, भारत सरकार "फिल्म भवन" 24, जी० देशमुख मार्ग, बंबई-26	"रजत कमल" और 5,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल पांच हजार रु०)

1	2	3	4
7. ज्यूरी द्वारा विशेष रूप से सराहना किया जाना:	दी बोला हरीटेज (अंग्रेजी)	निर्माता और निर्देशक श्री अद्वैत गोपाल कृष्ण दरपनाम प्रोडक्शन, त्रिवेन्द्रम-17	
	पम्पा (अंग्रेजी)	निर्माता फिल्म प्रभाग भारत सरकार "फिल्म भवन" 24, जी० देश मुख मार्ग, बंबई-26 निर्देशक श्री पी०सी० शर्मा फिल्म प्रभाग, भारत सरकार "फिल्म भवन" 24, जी० देश मुख मार्ग, बंबई-26 दादा साहेब फाल्के पुरस्कार: श्री पी० जयराम "स्वर्ण कमल" 593, 19वीं रोड, और 40,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल चालीस हजार रुपये) और एक शाल।	

दिनांक 21 अप्रैल 1981

सं० 4/21/81-एफ एफ डी—यह एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्रीय सरकार के फैसले के अनुसार 1980 के सिनेमा पर सर्वोत्तम पुस्तक के लिए नये पुरस्कार को स्थापित करके यह निर्णय किया गया है कि निम्नलिखित व्यक्ति को पुरस्कार दिया जाए:—

क्रम सं०	पुस्तक शीर्षक और भाषा	पुरस्कार विजेता का नाम	पुरस्कार
1.	चलचित्र समाज ओ सत्यजित राय	श्री अमिताभा बट्टोपाध्याय फिल्म स्टडी सेंटर आसनसोल (पश्चिम बंगाल)	रजत कमल (सिलवर लोटस) और 5,000/- रुपये का नकद पुरस्कार (केवल पांच हजार रुपये का)

डी० कृष्णाराव,
उप निदेशक फिल्म समारोह निदेशालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1981

सं० ए०-12011/26/80-एज (ए०)—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री जे० एल० शर्मा को इस निदेशालय में 27-4-81 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक अस्थाई रूप में वरिष्ठ कलाकार नियुक्त करते हैं।

जनक राज लिखी,
उप-निदेशक प्रशासन
कृते विज्ञापन और ह० प्रचार निदेशक

रा अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-II) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए०-19027/2/80-प्र० त०—इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में हिन्दी अधिकारी के पद पर श्री धनेश्वर प्रसाद बन्सले, की तदर्थ नियुक्ति को 31 मई 1981 तक बढ़ाया गया है।

बी० एल० गनिहार,
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1981

सं० ए० 19018/5/81-के० सं० स्वा० यो०-1—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, इलाहाबाद से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली में अपनी बदली हो जाने के फलस्वरूप डा० एम० बी० सिंह, आयुर्वेदिक फिजिशियन ने 8 अप्रैल, 1981 अपराह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना इलाहाबाद से आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा 10 अप्रैल, 1981 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली के अधीन आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद का कार्यभार संभाल लिया है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एम० बी० सिंह को 10 अप्रैल, 1981 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

टी० एस० राव,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1981

सं० 6-35/79-डी० सी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता के अनुसंधान सहायक (फार्मास्यूटिकल कमिस्ट्री) श्री सी० एल० चौधरी को 25 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी प्रयोगशाला में तकनीकी अधिकारी (फार्मास्यूटिकल कमिस्ट्री) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

श्रीमती पवित्रा भट्टाचार्य ने केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला कलकत्ता से उसी दिन से तकनीकी अधिकारी (फार्मास्यूटिकल कमिस्ट्री) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शिव दयाल,
उप-निदेशक प्रशासन (स्टोर)

ग्रामीण पुर्ननिर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 16 मई, 1981

सं० ए०-19025/5/81-प्र० त०—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री वी० बालकृष्णन, को इस निदेशालय के अधीन मद्रास में दिनांक 10-4-81 (अपराह्न)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085 दिनांक 15 मई 1981

सं० पी० ए०/76(3)/80-आर-III(i)—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री नारायण दामोदर पै को भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी पद पर 7 मार्च 1981 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

ए० शान्ताकुमारा मेमोन,
उप-स्थापना अधिकारी

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 14 मई 1981

सं० क्र० भ० नि०/2/15/80-स्थापना/10080—निदेशक, क्रय और भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, स्थायी भंडारी श्री के० उन्नी कुमार को अस्थायी रूप से सहायक भंडार अधिकारी के पद पर र० 650-30-740-35-810 द० र०-35-850-40-1000-द० र०-40-1200 के वेतन क्रम में 6 अप्रैल, 1981 (पूर्वाह्न) से अग्रिम आदेशों तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ,
प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 20 मई 1981

सं० प० ख० प्र०-1/35/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री के० राजगीवाल को परमाणु खनिज प्रभाग में 13 मई, 1981 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थाई रूप से वरिष्ठ अधिकारी/अभियंता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एम० एम० राव,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पार्टन एवं नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली दिनांक, 20 मई 1981

सं० ए०-32014/4/81-स्था०-I—मौसम विज्ञान के महानिदेशक भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को दिनांक 15-4-1981 से आगामी आदेशों तक इसी विभाग में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं :—

1. श्री एस० बेंकट रमणी
2. श्री आर० पी० कपूर
3. श्री वाई० एन० कानितकर
4. श्री बी० एम० मैथ्यू
5. श्री आर० एन० जावपुरी
6. श्री जी० रक्षित
7. श्री बी० रामाराय
8. श्री ए० के० बास
9. श्री आर० डी० अग्निहोत्री
10. श्री के० बी० कृष्णमूर्ति
11. श्री पी० मानिकम
12. श्री एम० बेंकटरमणी
13. श्री एच० सी० मल्होत्रा
14. श्री एन० एन० टंडन
15. श्री सी० आर० चटर्जी
16. श्री सी० के० मणि
17. श्री एम० दास
18. श्री हरबंस सिंह-I
19. श्री एस० एम० रुद्रा
20. श्री गुरुबक्स सिंह
21. श्री जी० कृष्णमूर्ति
22. श्री एस० आर० साहूनी
23. श्री वाई० एच० जोशी
24. श्री बी० नागर
25. श्री बी० नटराजन
26. श्री हरबंस सिंह-II
27. श्री के० एस० कृष्णमूर्ति
28. श्री एम० गोविंद राजन
29. श्री आर० लक्ष्मीनारायणन
30. श्री एस० बेंकटरमन
31. श्री जे० आर० बनर्जी
32. श्री एन० सी० विश्वास
33. श्री के० सुन्दरम
34. श्री के० सी० पंत
35. श्री एम० कल्याण
36. श्री के० एम० कृष्णास्वामी
37. श्री एस० एन० सक्सेना
38. श्री एल० एच० पीटरसन
39. श्री जी० आर० स्वाामीनाथन
40. श्री बी० एस० नागर
41. श्री के० गोपालन

42. श्री वजीरगिह
43. श्री जे० सी० शर्मा
44. श्री मिर्जा नवाव
45. श्री लारेंस जोसेफ
46. श्री पी० ए० कामले
47. श्री आर० रामगुप्तागणेशन
48. श्री बी० बी० दारा शर्मा
49. श्री पी० जी० गवार्ड
50. श्री पी० एम० गोंडोले
51. श्री रतन लाल
52. श्री आर० अशोक राज
53. श्री एन० आर० वडनेप
54. श्री एच० धान
55. श्री एन० टिग्गा
56. श्री ई० राजू
57. श्री आई० एम० नाइक

के० मुखर्जी,

मौसम विज्ञानी (स्थापना)

कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1981

सं० ए०-32013/14/79-स्था०-I—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित उप-निदेशक/नियंत्रक, वैमानिक निरीक्षण को 18 मार्च 1981 से नियमित आधार पर निदेशक, विमान निरीक्षण वैमानिक निरीक्षण के पद पर नियुक्त किया है :—

क्र० सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
सर्वश्री		
1.	के० एन० एस० कृष्णन	निदेशक, विमान निरीक्षण, मुख्यालय
2.	एस० पी० मार्या	निदेशक, वैमानिक निरीक्षण, क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, नई दिल्ली।
3.	एस० एन० शर्मा	निदेशक, वैमानिक निरीक्षण, मुख्यालय

दिनांक 15 मई 1981

सं० ए० 19011/7/80-ई०-I—राष्ट्रपति ने उपनिदेशक, नागर विमानन सुरक्षा को उपमहानिदेशक नागर विमानन का पदेन सार प्रदान किया है।

2. तदनुसार, श्री एम० एल० भनोट, उपनिदेशक, नागर विमानन सुरक्षा, नागर विमानन विभाग में पदेन उपमहानिदेशक भी होंगे।

दिनांक 16 मई 1981

सं० ए० 12025/3/71-ई०-I (खण्ड-II) — महानिदेशक नागर विमानन ने श्री कृष्ण कुमार शर्मा की नागर विमानन विभाग में हिन्दी अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 31-12-1981 तक या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

दिनांक 22 मई 1981

सं० ए० 32013/7/80-ई० I — इस विभाग की दिनांक 5 सितम्बर, 1980 की अधिसूचना सं० ए-32013/7/80 ई-I के क्रम में, राष्ट्रपति ने श्री जगदीश चन्द्र की नागर विमानन विभाग में क्षेत्रीय निदेशक के पद पर की गई तदर्थ-नियुक्ति को दिनांक 16-2-81 से 17-3-81 तक जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

सुधाकर गुप्ता,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1981

सं० ए 32013/10/80-ई० सी० — राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित दो संचार अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिए और अथवा ग्रेड में रिक्तियां उपलब्ध होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशन पर तनात किया है।

क्र० सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
सर्वश्री				
1.	डी० बी० एम० डाहिया	वै० सं० स्टे-शन, अगरे-तला	वै० सं० स्टे-शन, कलकत्ता	30-3-81 पूर्वाह्न
2.	बी० एम० बरारी	क्षेत्रीय कार्यालय, कलकत्ता	वै० सं० स्टे-शन, कलकत्ता	16-3-81 (पूर्वाह्न)

दिनांक, 23 मई 1981

सं० ए० 32013/2/80-ई० सी० — राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित महायुक्त तकनीकी अधिकारियों को, प्रत्येक के नाम सामने दी गई तारीख से 30-6-81 तक और दिए गए स्टेशन

पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है :—

क्र० सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	सी० एन० महादेव	वै० सं० स्टे-शन पालम	वै० सं० स्टे-शन, पालम	8-4-81 (पूर्वाह्न)
2.	आर० रामामूर्ति	—वही—	—वही—	8-4-81 (पूर्वाह्न)
3.	के० जी० लुई	वै० सं० स्टे-शन, हैदराबाद	वै० सं० स्टे-शन, हैदराबाद	14-4-81 (पूर्वाह्न)
4.	एम० जी० सुदर्शन	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद	10-4-81 (पूर्वाह्न)
5.	एम० वी० रमणन्	वै० सं० स्टे-शन, मद्रास	वै० सं० स्टे-शन, मद्रास	16-4-81 (पूर्वाह्न)
6.	ए० राजगोपालन्	वै० सं० स्टे-शन, बम्बई	वै० सं० स्टे-शन, बम्बई	16-4-81 (पूर्वाह्न)
7.	मुख्त्यार सिंह	वै० सं० स्टे-शन, सीलाबाड़ी	वै० सं० स्टे-शन, गोहाटी	23-4-81 (पूर्वाह्न)

दिनांक मई 1981

सं० ए०-31014/1/79-ई० सी० — महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित अधिकारियों को दिनांक 1-4-1981 से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्त किया है :—

क्र० सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1	2	3
सर्व श्री		
1.	के० जी० लुईस	वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद
2.	एम० वी० रमणन्	वै० सं० स्टेशन, मद्रास
3.	ए० राजगोपालन	वै० सं० स्टेशन, बम्बई
4.	मुख्त्यार सिंह	वै० सं० स्टेशन, गोहाटी
5.	आर० राममूर्ती	वै० सं० स्टेशन, पालम
6.	सी० एन० महादेव	वै० सं० स्टेशन, पालम
7.	एम० राघवन	वै० सं० स्टेशन, बम्बई
8.	एम० ए० राव	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता

1	2	3
सर्वश्री		
9. सरजीत सिंह	वै० सं० स्टेशन, नागपुर	
10. सिरिल हर्मन	वै० सं० स्टेशन, हैदराबाद	
11. एम० पी० सामा	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद	
12. एस० के० भट्टाचार्य	वै० सं० स्टेशन, अमृतसर	
13. एच० एस० सरन	रे० नि० एवं विकास एकक, नई दिल्ली	
14. एन० एस० आष्टे	वै० सं० स्टेशन, भावनगर	
15. आई० एम० कृष्णन्	वै० सं० स्टेशन, मदुरै	
16. के० सी० वेवगुण	रे० नि० एवं विकास एकक, नई दिल्ली	
17. वी० पी० नारंग	नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली।	
18. एस० एस० नेपल्ली	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	
19. ए० के० डे	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	
20. आर० विठ्ठल सिंह	वै० सं० स्टेशन, बंगलौर	
21. टी० एन० विश्वनाथन्	वैमानिक संचार स्टेशन, कोयम्बटूर	
22. पी० सी० जैन	स्टाफ टेकिंग पार्टी, नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली	
23. बी० के० शर्मा	वै० सं० स्टेशन, नई दिल्ली	
24. हरभगवान	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	
25. टी० डी० शर्मा	वै० सं० स्टेशन, पालम	
26. एम० के० चटर्जी	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	
27. पी० के० सेनगुप्ता	वै० सं० स्टेशन, रांची	
28. जी० डी० कुलकर्णी	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	
29. राम चन्द	रे० नि० एवं विकास एकक, नई दिल्ली	
30. प्यारा सिंह	वै० सं० स्टेशन, अमृतसर	
31. इन्द्रजीत शर्मा	वै० सं० स्टेशन, गया	
32. टी० आर० मेनन	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	
33. जी० एस० कोषीकर	वै० सं० स्टेशन, इम्फाल	
34. के० एस० बलासुब्रह्म-मण्यम	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	
35. मनोहर सिंह	वै० सं० स्टेशन, अहमदाबाद	
36. पी० एन० नायर	नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली	
37. एम० बी० रंगनाथन	वै० सं० स्टेशन, तिरुपति	
38. एच० एल० शर्मा	वै० सं० स्टेशन, पालम	
39. वाई० पी० भाटिया	वै० सं० स्टेशन, लखनऊ	
40. बी० आर० राव	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	
41. वी० कृष्णमूर्ति	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	
42. एस० एन० सिंह	वै० सं० स्टेशन, वाराणसी	
43. एम० के० गौरे	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	
44. डी० एन० विश्वास	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	

1	2	3
सर्वश्री		
45. ए० के० मिश्रा	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद	
46. आर० श्रीनिवासन्	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	
47. के० जी० ओजफ	वै० सं० स्टेशन, कोचीन	
48. एच० सी० तिवारी	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद	
49. के० बी० कृपलानी	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	
50. बी० के० मुखर्जी	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	
51. ए० सी० वस्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	
52. कालीदास मुखर्जी	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	
53. एस० सी० घोष	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।	
54. एस० एस० पाराशर	वै० सं० स्टेशन, नागपुर	
55. टी० वी० गोपालकृष्णन्	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	
56. सी० आर० घासगुप्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	
57. एम० के० चक्रवर्ती	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	
58. एस० पी० चक्रवर्ती	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	
59. एम० बी० गजभिष्ट	वै० सं० स्टेशन, गोहाटी	
60. एन० एस० सपरे	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	
61. बी० एस० बक्शी	नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो स्टोर डिपो, नई दिल्ली	
62. सी० पी० राव	वै० सं० स्टेशन, केशोड	

प्रेमचन्द,

सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1981

सं० ए० 32014/2/80-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री आर० जी० शिन्दे, अधीक्षक को दिनांक 1 अप्रैल, 1981 पूर्वाह्न से छः मास की अवधि के लिए क्षेत्रीय निवेशक, बम्बई क्षेत्र, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारी (समूह "ख" पद) के पद पर नियुक्त किया है।

जे० सी० गर्ग,

सहायक निदेशक प्रशासन

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1981

सं० 7/81—श्री एल० सी० भाटिया ने, जो पहले सहायक नारकोटिक्स आयुक्त, ग्वालियर, के पद पर तैनात थे, राजस्व विभाग के दिनांक 24-3-81, आदेश सं० 41/81 (फा० सं० क० 22012/33/81-प्रशा०-II) द्वारा स्थानांतरण होने पर, दिनांक 1-5-81 (पूर्वाह्न) से, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा

निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "क" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एस० बी० सरकार,
निरीक्षण निदेशक।

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 21 मई 1981

सं० ए०-19012/904/81-स्था० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दिखाई गई तारीखों से अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में स्थानापन्न रूप में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-य० रो०-40-1200 के वेतनमान में छः महीने की अवधि के लिए अथवा इन पदों के नियमित आधार पर अरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर नियुक्त करने हैं :—

क्र०	अधिकारी का नाम तथा पदनाम	अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
सं०	नाम तथा पदनाम	निदेशक/सहायक इंजीनियर के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख

सर्वश्री

- | | | |
|--------------------|-------------|---------------|
| 1. वी० वी० कौण्ड्य | 10-3-81 | सी० एस० एम० |
| अभिकल्प सहायक | (पूर्वाह्न) | आर० एस० |
| 2. कमल मदनानी | 11-3-81 | एच० सी० डी०-2 |
| अभिकल्प सहायक | (पूर्वाह्न) | निदेशालय |

दिनांक 22 मई 1981

मुख्यपत्र

सं० ए०-19012/291/80-प्रशा० पांच—अधिसूचना सं० ए०-32014/1/80-प्रशा०-पांच दिनांक 29 दिसम्बर, 1980 के क्रम सं० 4 पर उल्लिखित श्री राजेन्द्र प्रसाद, पर्यवेक्षक से संबंधित अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख अर्थात् 10-11-80 को 3-11-80 पढ़ा जाय।

ए० भट्टाचार्य,
अवर सचिव

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1981

सं० 79/ई० बी०-1/1500/8—सर्वसम्भारण की सूचना हेतु एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि 1-2-1981 से गुप्त-

कल्लु (रहित)-नंडयाल (सहित) खंड को दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा मंडल के अधिकार-क्षेत्र से उसी रेलवे के गुप्तकल्लु मंडल में अन्तर्गत कर दिया गया है। अब गुप्तकल्लु मंडल का अधिकार क्षेत्र नंडयाल (सहित) तक बढ़ जाएगा और विजयवाड़ा मंडल का अधिकार क्षेत्र उतना ही कम हो जाएगा।

यह समझौता इस क्षेत्र में परिष्कारित कुशलता से सुधार के लिए रेलवे के विश्व प्रतिदिन के प्रदर्शन के लिए किया गया है।

हिस्मत सिंह,

सचिव, रेलवे बोर्ड एवं
भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव।

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के अधिकार का कवरेज

कम्पनी अधिनियम 1956 और लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1981

अधिसूचना सं० 603/9803—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैं दिल्ली में रजिस्टर सिटीफाई प्रा० लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और लिमिटेड के विषय में

मैं राष्ट्रीय साहित्य निकेतन लि०

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1981

अधिसूचना सं० 1060/9899—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैं राष्ट्रीय साहित्य निकेतन लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली दिनांक 20 मई 1981

अधिसूचना सं० 1377/9894—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैं पी० सी० खुराम एंड कंसा प्रा० लि० का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

डी० एन० पेगू,

सहायक रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज, दिल्ली।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सी० गलेक्सी फार्मास्यूटिक्स एंड लिमिटेड प्रा० लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1981

अधिसूचना सं० 3827/9662—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स गलेक्सी फार्मास्यूटिक्स एंड लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सिमका आटो प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1981

अधिसूचना सं० एच/6320—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सिमका आटो प्राइवेट लि० का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स गुड़नामा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1981

अधिसूचना सं० 7276—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गुड़नामा प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बंसत टी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1981

अधिसूचना सं० 7455—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बंसत टी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और यमुना टी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1981

अधिसूचना सं० 7456—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर यमुना टी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स रेड्डी प्रेस आफ इंडिया प्रा० लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1981

अधिसूचना सं० एच-2506—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स रेड्डी प्रेस आफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जी० बी० सक्सेना,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राज एंड राज लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 19 मई 1981

सं० 608/एल० सी०/4184—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि राज एंड राज लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

बी० पी० कपूर,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उ० प्र०,
कानपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 और ओरियन्ट मिनरल्स एंड ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 14 मई 1981

सं० एस० ओ०-563/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ओरियन्ट मिनरल्स एंड ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया जाए तो रजि-

स्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० शील,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, ओड़िसा,
कटक

प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एच० बनर्जी,
कम्पनियों के सहायक रजिस्ट्रार,
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नेशनल चिट फंड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 7 मई 1981

अधिसूचना सं० 1774/560(5)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नेशनल चिट फंड्स

कार्यालय आयकर आयुक्त

रांची, दिनांक 1 अप्रैल 1981

सं० सं० प्रशा०/सा०-30/78-79—इस कार्यालय की संम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 21-4-1979 का आंशिक संशोधन करते हुए, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, विशेष परिक्षेत्र, रांची को अब से “निरीक्षी सहायक, आयकर आयुक्त, निर्धारण परिक्षेत्र, रांची” से अभिहित किया जाएगा।

च० भा० राठी,
आयकर आयुक्त, रांची

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 15 मई 1981

सं० ए० एस० आर०/81-82/52 —यतः मुझे, आनन्द सिंह,
आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान है तथा जो विजय नगर
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
19) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री गुरजीत सिंह पुत्र श्री सरमुख सिंह, वासी बाजार
अवांक मण्डी अमृतसर गली जमुआ, मकान नं०
1249/VI

(अन्तरक)

2. श्री जसवन्त सिंह पुत्र गुरबखन सिंह, वासी चौक
चबूतरा, मकान नं० 2168, गुजरां स्ट्रीट, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० नं० 2 और किरायेदार यदि
कोई हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक पुराना मकान प्लॉट नं० 5 और 6 मिन खसरा
नं० 421 मिन जो विजय नगर, अमृतसर में स्थित है जैसा
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के सेलबीड नं० 6218
दिनांक 14-9-80 में दर्ज है।

आनन्द सिंह

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 15-5-81

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एम. एस. -----

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मई 1981

सं० ए० एस० आर०/81/82/53—यतः मुझे,
आनन्द सिंह, आई० आर० एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक पैकट्री शैड है तथा जो तरन तारन रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1980

को पूँजीगत संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूँजीगत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरवर्तों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हार्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वध-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

श्री महिन्द्र सिंह मुतबना पुत्र श्री किशन सिंह श्रीमती
शाम कौर बिधवा श्री किशन सिंह, अजायब सिंह पुत्र
सन्त सिंह, श्रीमती रछपाल कौर बिधवा सन्त सिंह,
इन्द्रपाल सिंह, गुरशरण सिंह, हरदीप सिंह, रजिन्द्र
पाल सिंह, पुत्रान अजायब सिंह, वासी चौक मोनी,
अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री मुरारी लाल बत्तारा पुत्र श्री मदन लाल, वासी
चाटीविण्ड गेट के बाहर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. प्रसाकि ऊपर सं० नं० 2 और किरायेदार यदि कोई हो ?

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को जपान को दिए
कार्यवाहीयां करता हूँ ।

जब्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्त्री व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में अग्रजान की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ऊपर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

1/2 हिस्सा आफ़ प्रापर्टी नं० 2392 / 1617 मिन खाना
शुमारी नं० 3157 / 14-25 जो बैसम खाटी पिण्ड गेट में
स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सेल डीड नं०
1708 दिनांक 1-9-80 में दर्ज है।

आनन्द सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर प्राध्वस्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 3 चम्प्रपुरी, टेलर रोड,

अमृतसर ।

तारीख : 15-5-81

मोहर :

प्रकाश: प्रती: दी: एके एके—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर सचिव

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मई 1981

सं० ए० एस० आर०/81-82/54—यतः, मुझे,
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे
इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
को धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एक फीट्टी गैड है तथा जो तरन तरन रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रयुक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि उपाध्यक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वांछित रूप से वर्णित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री महिन्द्र सिंह मुतवन्त आका श्री किशन सिंह,
श्रीमती शाम कौर विधवा श्री किशन सिंह, श्री
अजायब सिंह पुत्र श्री सन्त सिंह, श्रीमति रत्नपाल
कौर विधवा सन्त सिंह, इन्द्रपाल सिंह, गुरशरण
सिंह, हरदीप सिंह, और रजिन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री
अजायब सिंह वासी चौक मौनी, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिमला बतरान पत्नी श्री मुरारी लाल,
वासी बैखन चाटविण्ड गेट, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० नं० 2 और किरायेदार यदि कोई हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),
और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्तकारी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितग्रह है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तकारी के पक्ष
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रमाण 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिए गए हैं।

अनुसूची

1/2 हिस्सा आका प्रापटी नं० 2399/1617 मिन
खाजा शुमार नं० 3157/14-25 मिन जो बैखन चाटविण्ड
गेट, में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी से सेल डीड
नं० 1709 दिनांक 1-9-80 में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, 3, चन्द्रपुरी, डेलर रोड, अमृतसर

दिनांक : 15-5-81

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-III/9-80/

1333—अतः मुझे बिमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव नैव सराय तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्पू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जेल सिंह पुत्र ठोक राम० (1/3), हरकरन चन्द्र सुपुत्र कैन्या 1(1/3) रिषपाल सिंह तथा तारा चन्द्र मै० श्रीचन्द पुत्र खूबा अलिभारा (1/3,) निवासी गांव नैव सराय नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अरुणा मैथी चाकू पुत्र स्वर्गीय श्री वोमैथी चाकू निवासी-82, उदय पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 सेर कृषि भूमि इलाके का 5 बीगा और 5 बिशवा, किस्ता नं० 255(1-9), 256 (3-16) जो गांव नेम सराय, तहसील महरोली नई दिल्ली में है।

बिमल वशिष्ठ,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली-110002

तारीख 21-5-1981

मोहर :

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई 1981

सं० धाई० ए० सी/एक्यू/1/एस आर-III/9-80/1334:—

अतः मुझे बिल बशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव नेम सराय तहसील महरोली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी अन्न या ग्रन्थ धास्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

4—106GI/81

1. श्री जेल सिंह पुत्र श्री ठोक राम (1-3) हर करण चन्द्र पुत्र श्री कनैया (1-3) रिचपाल सिंह तार चन्द मेंचन्द पुत्र खूबा अलिआश (1-3) निवासी गांव नेम सराय नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अरुणा मैथी चाक पुत्र स्वर्गीय श्री वी० मैथी निवासी-82, उदय पार्क नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 सेर कृषि भूमि इलाके का 5 बीगा, और 5 बिसवा किला नं० 255 (1-9), 256 (3-16) जो गांव नेम सराय तहसील महरोली नई दिल्ली।

बिल बशिष्ठ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, दिल्ली।

तारीख 21-5-1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/एस० आर०-39-80/
1241—प्रतः मुझे, बिमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव महरोली
तहसील महरोली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर,
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चगुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिना तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री राम प्रसाद सुपुत्र राम मोहर निवासी लाडो
सराय नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री महिन्द्र प्रताप सिंह सुपुत्र स्वर्गीय सरदार प्रताप,
सिंह निवासी पंचशीला पार्क नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आधा भाग कृषि भूमि का जिस का क्षेत्रफल 12 बिगहा
और 12 बिसवा, एम० नं० 78, किल्ला नं० 1(4-16),
10(4-16) 11(3-0) गांव महरोली, तहसील महरोली,
नई दिल्ली में स्थित है।

बिमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, I दिल्ली

तारीख 23-5-81
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन०एत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू/एस० आर०-3/9-80/

1242 अतः मुझे बिमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव महरोली
तहसील महरोली नई दिल्ली है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर
1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. श्री राम प्रभाव सुपुत्र श्री राम मेहर निवासी गांव
लाडो सराय तहसील महरोली नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री महिन्द्र प्रताप सिंह सुपुत्र स्वर्गवासी सरदार
प्रताप सिंह निवासी पंचशील पार्क नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा भाग कृषि भूमि का जिस का क्षेत्रफल 12 बिगहा
और 12 बिसवा और जो एम० नं० 78, किला नं० 1
(4-16), 10(4-16) 11 (3-0) गांव महरोली तहसील
महरोली नई दिल्ली में स्थित है।बिमल वशिष्ठ
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I दिल्ली।

तारीख 23-5-1981

मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/एस० आर०-3/9-80/
1214 अतः मुझे बिलाल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव बिजवासन
तहसील महारौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्गीकरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:-

1. सर्वश्री लाल चन्द, श्री चन्द, शयो चन्द सुपुत्र श्री
चमन लाल निवासी गांव कापसहेरा, तहसील
महारौली नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री परवीन जैन सुपुत्र मानक चन्द जैन निवासी
सी-2/54 सफरजंग विकास एरिया, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/4 भाग जिसका क्षेत्रफल 26 बिघा,
और 1 बिसवा है और जो कि खाता नं० 186 पुराना
खसरा नं० 114 और नया खसरा नं० 193 मिन, गांव
बिजवासन तहसील महारौली, नई दिल्ली।

बिलाल वशिष्ठ,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली

तारीख: 23-5-81

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 मई 1981.

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ एस० आर०-3
/9-80-1216. -अतः सुझे, विमल वसिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा
जो गांव बिजवासन, तहसील महरोली नई देहली है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री लाल चन्द, श्री चन्द, शयो चन्द
सुपुत्र चमन लाल निवासी गांध कापसहेरा तहसील
महरोली नई देहली (अन्तरक)
2. श्रीमती मंजू जैन पत्नी रमेश जैन निवासी सी-2/54,
एस०डी० एरिया, नई देहली (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आधा भाग कृषि भूमि में जिस का क्षेत्रफल 13 बिघा
और 10 बिसवा खाता नः 375, पुराना खसरा न० 113,
नया खसरा न० 193 मिन, गांव बिजवासन, तहसील महरोली,
नई देहली

विमल वसिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-5-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- I,

नई दिल्ली, तारीख 23 मई 1981.

निर्देश सं०आई०ए०सी०-एक्यू०-एस०आर०-3/9-80/

1215.—अतः मुझे, विमल वसिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव बिजवासन तहसील महरोली नई देहली है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अंश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री लाल चन्द, श्री चन्द, शयो चन्द सुपुत्र चमन लाल निवासी गांव कापस हेरा नई देहली

(अन्तरक)

2. श्री रमेश जैन सुपुत्र श्री मानक चन्द निवासी सी-2-54. सफदरजंग विकास एरिया नई देहली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथापूर्वोक्त तारीख के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/4 भाग जिसका क्षेत्रफल 26 बिगहा और 1 बिसवा है खातानं० 186, पुराना खसरा नं० 114 और नया खसरा नं० 193 मिन, गांव बिजवासन तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है।

विमल वसिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-5-1981.

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 मई, 1981

निर्देश-सं० आई० ए० सी० /एन्यू०/एस० आर०-3/ 9/ 80-1382.—अतः मुझे, विमल वसिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव खानपुर तहसील महारौली नई देहली में है (और इससे उपावय अनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

1. श्री एम० के० जैन सुपुत्र श्री फतह चन्व जैन निवासी सी-41, ग्रीन पार्क, नई देहली

(अन्तरक)

2. श्री जे० सी० खनडेलवाल सुपुत्र श्री गौरी शहजी, सी-1/33 एस०डी०ए० नई देहली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 4 बीघा और जो कि खसरा नं० 231 मिन, गांव खानपुर, तहसील महारौली, नई देहली में स्थित है।

विमल वसिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-5-81

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई 1981.

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-एस० आर०-3
9-80-1344—अतः मुझे, विमल वसिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं०

कृषि भूमि है तथा जो गांव आया नगर नई देहली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1980.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था रिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत अधिनिः—

1. श्री खजान सुपुत्र छाजवा निवासी गांव आया नगर तहसील महरीली नई देहली

(अन्तरक)

2. वी विल्लेज हट, एच-39, ग्रीन पार्क एक्स-टैनशन नई देहली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अति-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 कृषि भूमि का भाग, क्षेत्रफल 28 बिगहा और एक बिसवा खसरा नः 1792/1(1-17), 1793/1 मिन (3—15), 1848/3(0—4), 1820/1 (1—18), 1821/2 (3—11), 1844/2(3—11), 1845/2 (2—9), 1552/3(1—6), 1553/1 (2—4), 1554/1 (2—4), 1555/2 (1—3), 1884/1 (2—4), 1885/3 (0—12), 1883/3 (1—3) और 1/4 भाग 1871 मिन (4—0), में जो कि गांव आया नगर नई देहली में स्थित है।

विमल वसिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 21-5-1981.

मोहर -

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, तारीख 21 मई 1981.

निर्देश नं० आई०ए०सी०/एक्यू०/एस०आर०-3-9-80/

1247—अन: मुझे, विमल वसिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं०

कृषि भूमि, है तथा जो गांव आयातनगर तहसील महरौली
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में पूर्ण रूप
वर्णित है), रजिस्ट्रीगर्त अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन तारीख सितम्बर, 1980

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-106GI/81

1. श्री मुनो राम व मूल चन्द सपुत्र श्री भगत निवासी
गांव आया नगर तहसील महरौली नई देहली।
(अन्तरक).

2. दी विल्लेज हट, एच-39 गरीन पार्क, एक्सटेंशन
नई दिल्ली जरीये श्री एम०सी०गुप्ता।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 1 बिगहा खसरा नं०
1863/1 (3-0), 1870/3 मिन (1-0) गांव आया
नगर, तहसील महरौली नई देहली।

विमल वसिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 21 मई 1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एच० ब्लॉक० (आई०पी०ईस्ट)

नई दिल्ली, तारीख 21 मई 1981

निर्देश सं० आई०ए०सी० एचयू० एस० आर०-3 9-80

1251 अतः मुझे, विमल वसिष्ठ और

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०

कृषि भूमि है तथा जो गांव आया नगर तहसील महरोली नई देहली है (और इससे उपाय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरगत की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री-मुनी राम व मूल चन्द सुपुत्र श्री मंगत निवासी गांव आया नगर तहसील महरोली नई देहली।
(अन्तरक)।

2. दी विल्लेज हट, एच० 39, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई देहली जिरये श्री एम० सी० गुप्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 4 बिगहा खसरा नं० 1858(3—18), 1864-2 मिन (0—2), गांव आया नगर तहसील महरोली, नई देहली।

विमल वसिष्ठ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 21 मई 1981।

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एच० बनाफ०, (आई०पी०ईस्टेट)

नई दिल्ली, तारीख, 21 मई 1981

निर्देश सं०आई०ए०सी०-एक्य०-एस०आर०-3, 9-80-1407.--प्रतः मुझे, विमल वसिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं०

कृषि भूमि है तथा जो गांव आया नगर तहसील महरोली नई देहली है (और इससे उपायध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री सोहन लाल सुपुत्र यादु निवासी गांव आया नगर नई देहली। (अन्तरक)

2. श्री, श्रीमती मारी दी विल्लेज हट, एच-39, ग्रीन पारक एक्सटेंशन नई देहली।

(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 3 बिगहा 1 बिसवा खसरा नं० 770-1-(1-11), 772-2 (1-10), जो कि गांव आया नगर तहसील महरोली नई देहली में स्थित है।

विमल वसिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।
दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों बर्थात:--

तारीख: 21 मई 1981।

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एच ब्लॉक, विकास भवन (आई०पी०ईस्टेट)

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश सं० आई०ए०सी०-एक्यू-एस०आर०-3, 9-80-

1408.—प्रतः मुझे, विमल वसिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं०

कृषि भूमि है तथा जो गांव आया नगर नई देहली में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुमूर्त्ति में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री- सोहन लाल सुपुत्र श्री यादु निवासी गांव आया नगर तहसील महरोली नई देहली।

(अन्तरक)

2. दी विल्लेज हट, एच०-39, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन शन, नई देहली।

(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 5 बिगहा और 5 बिसवा है खसरा नं० 771-2, गांव आया नगर, नई देहली।

(विमल वसिष्ठ)

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

तारीख : 21-5-81

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, एच० ब्लॉक०, विशाल भवन (आई०पी०ईस्टेट)

नई दिल्ली, तारीख 21 मई 1981।

निर्देश-सं०आई०ए०सी०/एक्यू०-I-एस०आर०III- 9-9
80/1393.-प्रतः मुझे, विमान वशिष्ठ.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी

संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव आया नगर, तहसील मह-
रौली नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमची
में पूर्व रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री गन्नी सुपुत्र श्री याद राम निवासी गांव आया-
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. गांव हट, एच०-39, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन
नई दिल्ली जरीया श्री एम०सी० गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ऐरिया 5 बिघा और 12 बिस्वा खसरा
नं० 1584/3 (1-2), 1810/1 (3-8), 1883/
1 (0-12) स्थित गांव में आया नगर, तहसील महरौली,
नई दिल्ली।

विमान वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली

तारीख : 21 मई 1981।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, 21 मई 1980।

निर्देश सं० आई०ए०सी०-एक्यू०-एस०आर०-3 9-80-

1248.—अतः मुझे, विमल वसिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं०
कृषि भूमि है तथा जो गांव आया नगर तहसील महरोली
नई देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख सितम्बर 1980.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए व्यतिरिक्त की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त प्रकार लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मुनी राम व मूल चन्द सुपुत्र श्री मंगत निवासी
गांव आया नगर तहसील महरोली नई देहली।

(अन्तरक)

2. दी विल्लेज हट, एच० 39। गरीन पारक एक्सटेंशन
नई देहली जरीये श्री एम०सी० गुप्ता।

(अन्तरिती।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रमाण 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रमाण में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 4 बिगहा खसरा नं०
1857 मिन दक्षिण दिशा (3—5), 1864—2, मिन
(0—15) गांव आया नगर तहसील महरोली नई देहली।

विमल वसिष्ठ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख, 21 मई 1981।

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच०ब्लाक०, बिक्राम भवन (आई०पी०ईस्टेट)।

नई दिल्ली, तारीख 21 मई 1981।

निर्देश सं०आई०ए०सी०-एक्यू०-1-एस०आर०111-9-

80-1345.—अतः मुझे, विमल वसिष्ठ, और जिसकी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव आया नगर महारौली नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीप्रियी पु क्षोछज्वा गांव आया नगर नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. दी विलैज हट एच०-39, ग्रीन पार्क एक्सटेन्शन,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक कृषि भूमि 1/6 शेयर जिसका क्षेत्रफल 28 बिघा
पिस्वा खसरा नं० 1792/1 (1/17) 1793/1
मिन (3/15), 1848/3 (0—4), 1820/1 (1—
18) 1821/2 (2—11), 1844/2 (3—11)
1845/2 (2—9), 1552/3 (1—6) 1553/1
(2—4), 1554/1 (2—4) 1555/2 (1—3)
1884/1 (2—4) 1885/3 (0—12), 1883/3
(1—3) और 1-4 शेयर में कृषि भूमि क्षेत्रफल 4 बिघा
खसरा नं० 1871 बिघा जो गांव आया नगर में स्थित है।

(विमल वसिष्ठ)

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख 21 मई 1981

मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच०ब्लॉक, विकास भवन (आई०पी०ईस्टेट)।

नई दिल्ली-110002 दिनांक 21 मई 1981।

निर्देश सं० आई०ए०सी०-एक्यू०-I-एस०आर०-III-
9-80-1249.-अतः मुझे, विमल वासिष्ठ और जिसकी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव आया नगर तहसील
महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1980.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री-मुनीराम और मूलचन्द सुपुत्र श्री मंगत गांव
आया नगर, तहसील महरोली नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. गांव हट, एच०-39, ग्रीन पार्क ऐक्सटेन्शन
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ऐरिया 4 विद्या खसरा नं० 1862-1
(3-0), 1864-2 मीन (0-12), 1870-3 (0-8),
गांव आया नगर, तहसील, महरोली नई दिल्ली।

विमल वासिष्ठ)

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002.

तारीख 21-5-1981।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I एच० ब्लाक, विकास भवन,
(आई० पी० ईस्टेट)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एच०/1/एस० आर०-III/9-80/
1250—अतः, मुझे, विमल वसिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है, और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो
गांव आया नगर

तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की जाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—
6—106GI/81

1. श्री मुनीराम और मूलचन्द सुपुत्र श्री मंगत, गांव आया
नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. गांव हट, एच०—39, ग्रीन पार्क एक्सटेन्शन,
नई दिल्ली, के ज़रिये एम० सी० गुप्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निविदा में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि एरिया 4 बीघा, खमरा नं० 1867 (3-18)
1870/3 सीन (0-2), गांव आया नगर, तहसील महरौली,
नई दिल्ली ।

विमल वसिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-5-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एच० ब्लाक, विकास भवन

(आई० पी० इस्टेट)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/एस० आर० III/9-80/1391—अतः मुझे, विमल वसिष्ठ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आय नगर, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ... में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हुकम सिंह पुत्र श्री चेताराम, निवासी ग्राम आय नगर, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विल्लेज हट, एच०-39, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली, थरु श्री एम० सी० गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि 7 बीघा और 6 विसवा के० नं० 1552/2 (1,11), 1553/2, (2-12), 1554/2 (2-12) 1555/ (0-11) ग्राम आयनगर, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

विमल वसिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-5-1981

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एच० ब्लाक, विकास भवन
(आई० पी ईस्टेट)

अर्जन रेंज-I नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/एस० आर०-3/9-
80/1363—अतः मुझे, विमल वसिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव ताजपुल नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक पितम्बर, 1980, को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन करने के अन्तरक के बायिल्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मनोरमा पत्नी अमरित लाल, निवासी आ
डी०-14, एन० डी० एस० ई०-II नई देहली
और चंचल रानी पत्नी श्री हरबन्स लाल, निवासी
एफ०-41, एन० डी० एस० ई०-I, नई देहली
और यश रानी पत्नी रमेश्वर, नाथ निवासी ए०—
271, डिफेंस कालोनी, नई देहली

(अन्तरक)

2. श्री रामस्वरूप जैरथ (एच० यू० एफ०) सुपुत्र श्री अचर
राम, निवासी 389, बसंत एवेन्यू, अनूपसर (पंजाब)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना दी जायेगी कि उक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वाितम किसी
अन्य व्यक्ति या अग्रोहस्वाधारी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—द्वयमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/3 भाग जिस का क्षेत्रफल 5 बीघा और
जो कि खसरा नं० के० नं० 113/1 (1-10), 121/2 (3-10),
गांव ताजपुल, नई देहली में स्थित है।

विमल वसिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 23-5-1981

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, एच० ब्लाक, विकास भवन नई दिल्ली-
110002 (आई०पी० ईस्टेट)

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/क्यू०एफ्यू०/I/एस० आर०-
II/9-80/1364—अतः मुझे, विमल वसिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव ताज पुल,
नई दिल्ली, में स्थित है (क और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रांशिन दिनांक सितम्बर, 1980,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्रीमती मनोरमा पत्नी अमृतलाल, निवासी 59-14,
एन० डी० एस० ई० II नई दिल्ली तथा चंचल रानी
पत्नी हरबन्स लाल, निवासी एफ०-41, एन० डी०
एस० ई० I, नई दिल्ली, यशरानी पत्नी रामेश्वर नाथ,
निवासी ए०-271, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्री राम स्वरूप जैरथ (एच० यू० एफ०) सुपुत्र अचरू
राम, निवासी 389, बसन्त एवन्यू, अमृतसर (पंजाब)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/3 भाग कृषि भूमि में जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा खसरा
नं० 113/1(1-0) 121/2 (3-10) जो ताजपुल गांव में
स्थित है।

विमल वसिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 23-5-81
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I एच० ब्लाक, विकास भवन

नई दिल्ली-110002 (आई० पी० इस्टेट)

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू/I/एस० आर०-III/9-80/

1365—अतः मुझे, विमल वासिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव ताजपुल तहसील महारौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1—श्रीमती मनोरमा पत्नी श्री अमृतलाल निवासी डी० 14, एल० डी० एस० ई०—II नई दिल्ली, श्रीमती चंचल रानी, पत्नी हरबन्स लाल निवासी एफ०-41, एन० डी० एस० ई०—I, नई दिल्ली और यशरानी पत्नी रमेश्वर-नाथ निवासी ए०-271, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2—श्रीमती जनक जेरथ पत्नी रामस्वरूप जेरथ निवासी 389, बसंत एवेन्यू, (श्रमोत्तर, पंजाब)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/3 शेयर एरिया 5 बीघा खसरा नं० 113/1 (1-10), 121/2 (3-10), जो कि स्थित गांव ताजपुल तहसील महारौली, नई दिल्ली।

विमल वासिष्ठ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 23-5-1981

मोहर :

प्ररूप जारी टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, डी० एल० एफ० रोहतक

रोहतक, दिनांक 20 मई 1981

निर्देश सं० जी० आर० जी०/20/80-81—अतः मुझे, गो० सिंह गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 659 है तथा जो गुड़गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विनोद कुमार महेन्द्र कुमार पुत्र श्री ज्ञानी राम, बैंक कालोनी, गुड़गांव

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री सुरिन्द्र सिंह, गुड़गांव छावनी

(अन्तरि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 659/10 जो कि गुड़गांव में स्थित है और जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री क्रमांक 3036 दिनांक 5-9-80 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 21-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, डी० एल० एफ०, रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश सं० हिसार /36/80-81—अतः मुझे, गो० सिंह,
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्नलिखित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संप्लाट रकबा 1480 वर्ग गज है तथा जो हिसार
में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर,
1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उपधारा 4 उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किन्हीं आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री किशन मुरारी

2. बलराज राजेन्द्र प्रसाद

3. श्रीमति कमला देवी विधवा श्री जगन्नाथ निवासी
हिसार । (अन्तरक)

(2) श्री शिव मन्दिर ट्रस्ट, हिसार

मार्फत श्री प्यारेलाल सैक्रेटरी हिसार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट रकबा 1480 वर्ग गज जो कि डी०एन० कालेज
हिसार के नजदीक है और जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
हिसार के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2826 दिनांक
30-9-80 में दिया गया है ।

(गो० सिंह गोपाल)

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक 21-5-1981

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, डी० एल० एम० कालोनी रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश सं० अम्बाला/71/80-81—अतः मुझे, गो० सिंह गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 108, गीता नगरी, अम्बाला शहर है तथा जो अम्बाला शहर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृजिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृजिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमती शान्ता सेठी पत्नी श्री राम आसरा क्षेत्रीय होस्टल मकान नं० 11-12 थर्सल पावर कालोनी सैक्टर 22, एच० एस० ई० बी० फरीदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री राम सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह गांव एवं डाकघर काकस तह जिला अम्बाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतः सूची

सम्पत्ति मकान नं० 108 गीता नगरी, अम्बाला में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2926 दिनांक 20-9-1980 में दिया गया है।

(गो० सिंह गोपाल)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 21-5-1981
मोहरः

प्रमुख कार्य: टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 मई, 1981

निदेश सं० बल्लभगढ़/60/80-81—अतः मुझे, गो० सि०
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 801, सैक्टर 7-सी है, तथा जो
फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो
पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-106GI/81

1. श्री एच० के० मेहता पुत्र एल० ए० आर० मेहता,
5डी/84, एन० आई० टी० फरीदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला कमरा पत्नी श्री टी० डी० कमरा,
256, डेनिंग रोड, साउथ सिविल लाइन्स,
जबलपुर (यू० पी०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 801, सैक्टर 7-सी, फरीदाबाद में
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 7134, दिनांक 23-9-80
पर दिया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 14-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 मई 1981

निदेश सं० रोहतक/14/80-81—अतः मझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 747 वार्ड नं० 16 (हाल संख्या 932 वार्ड नं० 18 है तथा जो हरी नगर, रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहतक, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. गोसिन धमन लाल पुत्र गोसिन गोकल चन्व
मार्फत बीर आटो स्टोर, जी० टी० रोड, करनाल
इन्डस्ट्रीयल एरिया, आजाद पुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री चौधरी राम पुत्र श्री ठाकुर बास,
मकान नं० 747, वार्ड नं० 16 (न्यू नं० 932/
वार्ड नं० 18), हरी नगर, रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 747, वार्ड नं० 16 (न्यू नं० 932/
वार्ड नं० 18) जोकि हरी नगर, रोहतक में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता रोहतक के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2653, दिनांक 8-9-1980 में किया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 14-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 मई 1981

निदेश सं० जगाधरी/64/80-81—अतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 140-ए, माडल टाउन, है तथा जो यमुना नगर में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री चमन लाल दुग्गल पुत्र श्री ज्ञान चन्द माडल टाउन, यमुना नगर।
(2) सुभाष दुग्गल पुत्र श्री चमन लाल दुग्गल, माडल टाउन, यमुना नगर।

(अन्तरक)

2. श्री बज मोहन पुत्र श्री रामेश्वर दास मार्फत फर्म रमेश मेटल इन्डस्ट्रीज, जगाधरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति मकान नं० 140-ए/एल माडल टाउन, यमुना नगर में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या 3610, दिनांक 24-9-80 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 14-5-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 मई 1981

निदेश सं० छाछरौली/4/80-81—अतः मुझे, गो० सि० गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 193 कनाल 8 मरला है तथा जो छाछरौली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय छाछरौली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण भिन्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कृपाल सिंह पुत्र श्री शिव चरण सिंह,
निवासी छाछरौली अश्व म० नं० 433,
सैक्टर 35-ए, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री परदीवेन्दर पाल सिंह एवम् कमलजीत सिंह
पुत्रान श्री तेजिन्दर सिंह, निवासी छाछरौली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त पत्राति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्वोद्स्थाक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 193 कनाल 8 मरले छाछरौली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय छाछरौली में रजिस्ट्री संख्या 839 दिनांक 22-9-80 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 19-5-1981

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 मई, 1981

निवेश सं० करनाल/83/80-81—अतः मुझे, गो० सि०
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० सी-685, जी० टी० रोड है
तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐन अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रेमलता विधवा श्री रमेश चन्द्र
मकान नं० 1540, सैक्टर, 13, अरबन स्टेट, करनाल
(अन्तरक)
2. (1) श्री विजय कुमार सुनिल कुमार सर्व पुत्र
श्री हरी शरन दास
मकान नं० 619, चैशटीयन मोहल्ला, करनाल
(2) श्री पवन कुमार, अनिल कुमार सर्व पुत्र
स्व० श्री सन्त राम, मकान नं० 301,
खत्रियन मोहल्ला, करनाल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० सी-685, जी० टी० रोड, करनाल में
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
करनाल में रजिस्ट्री संख्या 3060 दिनांक 15-9-80 पर दिया
है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 मई, 1981

निदेश सं० पानीपत/38/80-81—अतः मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री दरबारा सिंह पुत्र श्री ईश्वर दास,
(2) श्री गोविन्द सिंह श्री दरबारा सिंह निवासी (अन्तरक)
2. श्री प्रभु दयाल पुत्र श्री मांगे राम,
निवासी 118, राम नगर, तह० कैम्प पानीपत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान जो कि पानीपत में स्थित है और जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2701, दिनांक 8-8-1980 में दिया गया है ।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 21-5-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जैन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 मई, 1981

निर्देश सं० हिसार/31/80-81--अतः मुझे, गो० सि०
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डबल स्टोरी, दुकान कम-प्लॉट नं० बी०
15-267, पुरानी अनाज मंडी है तथा जो हिसार में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर,
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री रूली राम पुत्र श्री राम सरूप अग्रवाल
निवासी कृष्णा मण्डी, हिसार।

(अन्तरक)

2. श्री मोहिन्द्र कुमार पुत्र श्री खजान चन्द
निवासी बी-15, 267, पुरानी मन्डी, हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति नं० बी-15/267 जो कि पुरानी अनाज मंडी,
हिसार में स्थित है और जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
हिसार के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2690, दिनांक
19-9-1980 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 21-5-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 मई, 1981

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/939—अतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० डी-73 है, तथा जो जयपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-9-80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम गोपाल एवं श्री बंसी लाल, पुत्रान, श्री वृद्धि चन्द
यादव, प्लॉट नं० डी-73, मंगल मार्ग, जयपुर ।
(अन्तरक)

2. श्री रतन लाल पुत्र गूजर मल जैन,
प्लॉट नं० डी-38, ज्योति मार्ग, बापू नगर, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० डी-73, मंगल मार्ग, उत्तरी लाइन में, बापूनगर,
जयपुर का भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या : 2358
दिनांक 10-9-1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है ।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 21-5-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 मई 1981

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/940—अतः मझे,
एम० एल० चौहान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० डी-73 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-9-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—106GI/81

1. श्री राम गोपाल एवं बन्सी लाल पुत्रान, श्री वृद्धि चन्द यादव
प्लॉट नं० डी-73, मंगल मार्ग, जयपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री रतन लाल पुत्र गुजर माल जैन,
निवासी प्लॉट नं० डी-38, ज्योती मार्ग, बापूनगर,
जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायदाद्वितीय करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वकोटकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 73, मंगल मार्ग, बापूनगर, जयपुर जो उप
पंजिक, जयपुर क्रम संख्या 2367, दिनांक 10-9-1980 पर
पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 21-5-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 मई 1981

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जन/944—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी०-6 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देणबन्धु खेड़ा पुत्र श्री सुन्दर दास खेड़ा, प्लॉट
नं० वी—1, आदर्श नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) डा० महेश उपाध्याय पुत्र स्व० श्री वी० डी० उपाध्याय
741 गांधी नगर, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट आफ लण्ड जिसके शौरभ नम्बर डी-6, बर्फ खाना,
आदर्श नगर, जयपुर जो उप पंजियक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2331
दिनांक 9-8-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 21-5-1981

सोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश संख्या: राज/सहा आ० अर्जन/94—यतः

मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 17 है तथा तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-9-1980,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत :—

- (1) श्रीमती सरदार कुमारी, 17, कल्याण कुंज जयपुर (अन्तरक)
- (2) श्री मुखजीत सिंह पुत्र श्री रणबीर सिंह ग्राम चक उत्तम सिंह वाला जिला श्री गंगानगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयुक्त होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आवासीय भूमि (खुली जमीन) जिसमें बाउण्ड्री वाल बनी हुई है तथा जो 17 कल्याण कुंज, सिविल लाईन्स जयपुर में स्थित है और उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2360 दिनांक 10-9-80 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 21-5-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 मई 1981

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन /942—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० बी० 108 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण-अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-10-1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती स्नेहलता पति श्री पुष्पेन्द्र सिंह, प्लॉट नं० ई०—39 शास्त्री नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आनन्द कँवर पति श्री चन्द्रमौली सिंह, परशुराम मार्ग जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पार्ट आफ शोप नं० 3, एस० बी० 108, टॉक रोड, लालकोठी, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2819 दिनांक 30-10-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 21-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 मई, 1981

आदेश संख्या : र सहा० आ० अर्जन/943—यत
मुखे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3 है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (2908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-11-1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने
में सुविधा के लिए;

मतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती स्नेहलता पति श्री पुष्पेन्दर सिंह, प्लॉट
नं० ई-39 शास्त्री नगर, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आनन्द कैवर पति श्री चन्द्रमौली सिंह, परशुराम
मार्ग, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 3, एस० बी० 108, टॉक फाटक, लाल कोठी,
जयपुर का भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2938
दिनांक 11-11-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है ।

एम० एल० चौहान

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

दिनांक 21-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मई 1981

आदेश सं० राज०-सहा०आ० अर्जन/948—यतः सुखे,
एम० एल० चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि

भूमि है तथा जो रामगंजमंडी में स्थित है, (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रामगंजमंडी में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
19-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री मोती लाल पुत्र राम लखन लक्षरी, सह०
रामगंजमंडी

(अन्तरक)

(2) श्री नारायण लाल पुत्र अमर लाल बैरवा, सह०
रामगंजमंडी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

16 बीघा 14 बिस्वा कृषि भूमि जो ग्राम सलीस
खेड़ा तहसील रामगंजमंडी (कोटा) में स्थित है और उप
पंजियक, रामगंजमंडी (कोटा) द्वारा क्रम संख्या 6 दिनांक
19 सितम्बर 1980 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 23 मई, 1981.

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन०, एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मई 1981

आदेश संख्या राज०-सहा० आ० अर्जन/949—यतः

मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है

तथा जो रामगंजमंडी में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिका-री के कार्यालय रामगंजमंडी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः; अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुवालाल नानगा मोतीलाल पिता भूरा लश्करी (अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रा पुत्र देवबख्त लश्करी, सातल खेड़ा (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

25 बीघा 2 बिस्वा कृषि भूमि जो ग्राम सातल खेड़ी तह० रामगंजमंडी (कोटा) में स्थित है और उप पंजियक, रामगंजमंडी, कोटा द्वारा क्रम संख्या 7 दिनांक 19 सितम्बर 1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 23 मई, 1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई 1981

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन-945—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा

जो रामगंजमंडी में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
रामगंजमंडी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 23 सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्तिओं
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात्:-

(1) श्री काशी राम पुत्र मोती, दुर्जनपुरा, रामगंजमंडी
जिला कोटा ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स ए० एस० आई० लिमिटेड, रामगंजमंडी, कोटा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

10 बीघा कृषि भूमि जो दुर्जनपुरा, तह० रामगंजमंडी,
कोटा जो उप पंजियक, रामगंजमंडी द्वारा पंजिबद्ध विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 22 मई, 1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

जयपुर, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश संख्या : राज०/सहा०आ० अर्जन/ 946—यतः

मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

जिसकी सं० कृषि भूमि है

तथा जो रामगंजमंडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय रामगंजमंडी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19 सितम्बर,
1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

9—106GI/81

(1) श्री काशी राम पुत्र मोती, दुर्जन पुरा, रामगंज-
मंडी, कोटा

(अन्तरक)

(2) मैसर्स ए०एस०आई० लिमिटेड, रामगंजमंडी,
कोटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 बीघा 3 बिस्वा कृषि भूमि जो ग्राम दुर्जनपुरा तहसील
रामगंजमंडी, कोटा में स्थित है और उपपंजियक, रामगंज-
मंडी, कोटा में द्वारा क्रम संख्या 10 दिनांक 19 सितम्बर,
1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 23 मई 1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बूली चन्द पुत्र श्री नम्बराम, दुर्जनपुरा तह०,
रामगंजमंडी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) मैसर्स ए०एस०आई० कं० लिमिटेड, रामगंजमंडी
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंजको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

जयपुर, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश संख्या राज०/सहा०आ० अर्जन/951—यतः मुझे,
एम०एल० चौहान,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा

जो रामगंजमंडी में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय रामगंजमंडी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19 सितम्बर, 1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राम दुर्जनपुरा तहसील रामगंजमंडी (कोटा) में स्थित
कृषि भूमि जो उप पंजीयक, रामगंजमंडी, द्वारा क्रम संख्या
8 दिनांक 19 सितम्बर, 1980 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र
में और विस्तृत रूप से विवरणित है।एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुरतारीख : 23 मई 1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/950—अतः मुझे,
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रामगंज मंडी में
स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामगंज मंडी
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 1-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भवानी सिंह पुत्र बापू सिंह निवासी कुंभ
कोट, रामगंजमंडी

(अन्तरक)

(2) मैसर्स ए० एस० आई० कम्पनी लिमिटेड, रामगंज
मंडी (कोटा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

9 बीघा 14 बिस्वा कृषि भूमि जो ग्राम कुम्भा कोट,
रामगंजमंडी (कोटा) में स्थित है और उप पंजियक, रामगंज
मंडी द्वारा क्रम संख्या 86 दिनांक 1-9-1980 पर पंजिबद्ध
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 23-5-1981

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/947—मत: मुझे,
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रामगंज मंडी में,
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामगंजमंडी
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 1-9-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
अर्जित :—

(1) श्री भंवर लाल निवासी दुर्जनपुरा, तहसील रामगंज
मंडी (कोटा)

(अन्तरक)

(2) श्री मैसर्स ए० एस० आई० लिमिटेड, रामगंजमंडी
(कोटा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

9 बीघा 4 बिस्वा कृषि भूमि जो ग्राम कुम्भकोट के
पास स्थित है और उप पंजियक, रामगंजमंडी, कोटा द्वारा
क्रम संख्या 9 दिनांक 19-9-1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र
में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 23-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 मई, 1981

सं० पी० आर० नं० 1369 एक्सी०/23-1/81-82—अतः

मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 462 है तथा जो रैया रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैसर्स रामानी मणीयार एन्ड कं०, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री अंजनी को० आप० हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका माप 2 एकड़ 25 गूँठा है और एस० नं० 462 से रैया रोड, राजकोट में स्थित है, ये जमीन रजिस्ट्री नं० 5428 से तारीख 6-9-1980 से रजिस्ट्री की गई है और बिक्रीखत में संपूर्णतः वर्णित है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 2-5-1981

मोहर :

प्रख्य बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1368, एक्वी०-23/I/81-82---

अतः मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2581, सी० नं० 1651/1-2-2, खाड़ीया-I है तथा जो रायपुर, कापडीवाड़, सीन्ती खांची, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-9-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती भानुमती जीवराम खेमचंद, श्रीनान कृपा सोसायटी, बंगला नं० 37, उत्तमनगर के पास, मणीनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती उर्मिलादेवी राजेन्द्रप्रसाद गुप्ता

2. सावित्रीबेन लक्ष्मीनारायण अग्रवाल

डी-59, मुक्ताराम बासु स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 58 वर्गज जमीन पर एस० नं० 2581 सी० नं० 1651-1651/1-2-3 से खाड़ीया बोर्ड नं० 1, कापडीवाड़, रायपुर, अहमदाबाद में स्थित है और विक्रीखत नं० 12356/80/19-9-80 से रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्री किया गया है, यह मकान विक्रीखत संपूर्णतः वर्णित किया गया है।

जी० सी० गर्ग,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 30-4-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 13 मई 1981

निदेश सं० III-485/अर्जन/81-82—अतः मुझे, भी०

एन० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी तौजी सं० 5-753/18232 थाना सं० 3, खाता सं० 67, खेसरा सं० 751, 752 है तथा जो राजापुर हुसन, थाना दीघा, पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर 6 (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री भुनेश्वर प्रसाद सिंह, के मंगनेश्वर प्रसाद सिंह दोनों वलद श्री महादेव शरण सिंह साकिन तेउस थाना बरबिघा जिला मंगेर वर्तमान महल्ला कंकड़बाग कालोनी, पटना-16।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दिरा अग्रवाल जौजै श्री राधे प्रसाद अग्रवाल एवं पिता का नाम श्री विन्देश्वरी प्रसाद अग्रवाल निवासी दौलतगंज छपरा शहर छपरा वर्तमान निवासी कंकड़बाग कालोनी, पटना-20।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घरारी जमीन का रकबा 4 कट्ठा 1 घूर 1 घूरकी जो मौजा राजापुर हुसन थाना दीघा जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से बसिका नम्बर 6753 दिनांक 9-9-80 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

भी० एन० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 13-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 15 मई, 1981

निदेश सं० II/486/अर्जन/81-82—अतः मुझे भी०
एन० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं० 471 एम० एस० प्लॉट नं०
1358 है, तथा जो मौजा लालपुर, थाना रांची, जिला
रांची में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 12-9-1980

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती मंजु वनर्जी जोशै श्री प्रियरंजन वनर्जी
निवासी 13 चारु चन्द्र मुखर्जी रोड, आदमपुर
जिला भागलपुर द्वारा उसके प्रियरंजन वनर्जी।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा रानी राठी जोशै श्री रघुवीर सिंह
राठी, निवासी बर्दवान कम्पाउण्ड रांची, थाना
लालपुर, जिला रांची।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 4 कट्ठा 9 छटांक और 37 वर्गफीट
दो मंजिल मकान सहित मौजा लालपुर, जिला रांची में स्थित
है। तथा पूर्णरूप से वसिका नम्बर 7255 दिनांक 12-9-80
में वर्णित है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदा-
धिकारी रांची द्वारा सम्पन्न है।

भी० एन० श्रीवास्तव

सक्षम पदाधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 15-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 15 मई 1981

नि. सं. III-487/अर्जन/81-82—अतः मुझे वी०

एन० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे प्लॉट नं० 628, खाता नं० 1192, बार्ड नं० 5 है, तथा जो मैन रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-9-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

अनुलग्न-अ

अन्तरक के नाम

- (1) 1. श्री जगन्निवाश शर्मा पिता का नाम श्री उमा नाथ शर्मा
2. श्री उमानाथ शर्मा पिता का नाम स्वर्गीय गोपाल नाथ शर्मा
3. श्रीमती भवानी देवी धर्मपत्नी श्री हरि बल्लभ मिश्र

4. श्रीमती मशानी देवी धर्मपत्नी श्री दयानन्द शर्मा

5. श्रीमती दक्षायानी देवी धर्मपत्नी श्री प्रानेश्वर पाठक

पता : ग्राम भन्डारा, थाना लोहरदगा जिला रांची। वर्तमान थाना भन्डारा।

पता सं० 3 : ग्राम दड़ामू थाना चन्दवा जिला पलामू।

पता सं० 4 : ग्राम दानेकेरा थाना लायुग,

पता सं० 5 : ग्राम मरुरा थाना घघरा

जिला रांची हाल मोराम रांतु रोड, रानी मनी मन्दिर लेन, रांची। (अन्तरक)

अन्तरिती के नाम

- (2) श्री आनन्द स्वर्ण गुप्ता, वकील, पिता का नाम स्वर्गीय जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता, दिवासी मेन रोड, रांची, लीवर बाजार, थाना लीवर बाजार रांची पोस्ट अफिक्त लीवर बाजार रांची, जिला रांची। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 2 कट्ठा 1 छटांक जो मौजा मेन रोड, रांची में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से बसिका नम्बर 6989 दिनांक 3-9-1980 में वर्णित है एवं जिसका पंजीकरण जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी रांची द्वारा सम्पन्न हुआ।

वी० एन० श्रीवास्तव

सक्षम पदाधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 15-5-1981

मोहर :

प्रकृप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 20 मई, 1981

निर्देश सं० अबोहर/2637—यतः मुझे आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1980 को को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) की बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बग्गा बाई, राजकिशन, शेर बहादुर, गणेश कांत, श्रीमती आशा रानी वासी अबोहर तहसील फाजिलका।

(अन्तरक)

(2) श्री वनश्याम दाम पुत्र हंस राज वासी अबोहर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समाप्ति जैसा कि विलेख नं० 2006, दिनांक सितम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

आर० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख : 20-5-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मई 1981

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2638—यतः मुझे, आर०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो
नवांशहर में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री दीपक केरपाल पुत्र जसवंत राय वासी 31,
इन्डसटरीज एरिया, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमरजीत कौर पत्नी डा० गुरबखश सिंह
वासी नवांशहर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि बिलेख नं० 2326
दिनांक सितम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर
में लिखा गया है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 20-5-1981

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2639—यतः मुझे, आर०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
कबुलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शाम लाल पुत्र रूप लाल बासी-13, सुभाष
नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री अवदेश कुमार श्रीवास्तव पुत्र बसंत लाल,
बासी 562, माडल टाऊन, जालन्धर।

(अन्तरितो)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन से अधिक जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संश्लोकण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही
प्रयुक्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3913 दिनांक
सितम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने
लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 22-5-1981
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2640—यतः मुझे, आर०

गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कबुलपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री शाम लाल पुत्र रूप लाल वासी 13, सुभाष नगर, जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मन्जु श्रीवास्तव पत्नी श्रवदेश कुमार, वासी 562 माडल टाऊन, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख सं० 4057 दिनांक सितम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 22-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री सी० सुरेन्द्र

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
289-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती फरीदा रहमान

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

कोच्चिन, दिनांक 14 मई 1981

निर्देश सं० एल० सी० 507/81-82—यतः मुझे, बी०

(न) इस सूचना के गवारा में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
289-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कालीकट
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेस्ट हिल
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 24-9-1980

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में द्रिस्तबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्यादेशाधिकार के पास निश्चिन
में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त स्यावर के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :--

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्वय में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अन्वय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

अनुसूची

3/4th right over 39.23 cents of land as per schedule attached
to Doc. No. 1886/80 dated 24-9-1980.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

बी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम
कोच्चिन

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-ग के अनु-
करण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-ग की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 14-5-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन, दिनांक 14 मई 1981

निवेश सं० एन० सी० 506/81-82—यतः मुझे वी०

मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो कालीकट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चालपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-9-80, 3-11-80 और 3-12-80

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का समूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसा अन्तरण के लिये तय राखा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आन या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री ई० पी० महम्मद और दो

(अन्तरक)

(2) श्री ए० अब्दुल्ला हाजी और तीन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद हिसब अन्य व्यक्ति द्वारा पधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

(प्रमाणपत्र):-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2.68 acres of land with a building in Sy. R. S. No. 10-2-47 of Nagaraon Amsoon, desoon in Calicut district.

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, एरणाकुलम।
कोचीन

तारीख : 14-5-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

(1) श्रीमती अम्मुकुट्टी तम्पुराट्टी और छबह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मनर सुपीरियर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन, दिनांक 14 मई 1981

निवेदन सं० एल० सी० 505/81-82—यतः सुप्ते वी०
मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो शृंगपुरम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोड्ड-
ल्लूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 5-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

44.75 cents of land with two buildings in Sy. No. 79 of
Methala Village.

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम
कोच्चिन

तारीख : 14-5-1981

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सी० पी० जोस

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बेबी मलाई

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन, दिनांक 19 मई 1981

निवेश सं० एल० सी० 510/81-82—यतः मुझे, बी०

मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणा-
कुलम में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 3-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

II-106GI/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताभारी के मास
विज्ञापन में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:--इसमें प्रयुक्त सव्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

6-1/2 cents of land with building in Sy. No. 2603/21 of
Ernakulam Village.

बी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम
कोच्चिन

तारीख: 19-5-1981
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सी० पी० नोस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती बेबी मनाई

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 19 मई 1981

निदेश सं० एल० सी०-511/81-82—यस: मुझे, बी०

मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 3-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

6-1/2 cents of land with building in Sy. No. 2603/21 of Erna-
kulam village.

बी० मोहनलाल.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 9-5-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री चन्द्रशेखर मेनोन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री के० जे० जोर्ज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 19 मई 1981

निदेश सं० एन० सी० 512/81-82—यतः मुझे वी०
मोहनलाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 16-9-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
का जिनमें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी प्रथम बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरखीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

4 cents of land in Sy. No. 898/2 of Ernakulam Village.

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 19-5-1981

मोहर :

प्रारूप धर्मा. टी. एम्. एम्.—

(1) श्री चन्द्रशेखर मेनोन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के. जे. जोर्ज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

एरणाकुलम, दिनांक 19 मई 1981

निदेश सं० एल० सी० 513/81-82—यतः मुझे वी०

मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रक्षेपण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, संघोद्देशाधिकारी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

3 cents of land in Sy. No. 1374/2 and 898/2 of Ernakulam village.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के धनुसरेण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

तारीख : 19-5-1981

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री चन्द्रशेखर मेमोन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० जे० जोर्ज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 19 मई 1981

निदेश सं० ए० सी०-514/81-82—यतः मुझे वी०

मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या धन्य वास्तुओं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5 cents of land is Sy. No. 898/2 of Ennakulam village.

वी० मोहनलाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 19-5-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस. -----

(1) मजूरा कोट्स लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) पी० मुत्तुलक्ष्मी प्रम्माल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई, 1981

निदेश सं० 23/सितम्बर/80—यतः मुझे आर० रवि-
चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 4255, 4257, 4258/1
और 4262/1, पोलनाथक्कनपेट्टे है, जो डूटीकोरिन में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-
II डूटीकोरिन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 30-9-1980 (डाकुमेंट सं० 2316/
80)।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 5--

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(भूमि टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 और
4262/1 पोलनाथक्कनपेट्टे, डूटीकोरिन डाकुमेंट सं० 2316/
80)।

आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख: 6-5-1981
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेजुरा कोट्स लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० कतिरवेल्

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1981

निदेश सं० 22/सितम्बर/81—यतः, मझे, आर० रवि-
चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 4255, 4257, 4258/1
और 4262/1, पोलनाथक्कनपेट्टे है, जो तृतीकोरीन में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०-11
तृतीकोरीन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 30-9-1980 (आकुमेंट सं० 2315/
80) को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शक्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(भूमि टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1
और 4262/1, पोलनाथक्कनपेट्टे, तृतीकोरीन—आकुमेंट सं०
2315/80)। चन्द्रन

आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, मद्रास।

तारीख : 6-5-1981
मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस. -----

(1) मजुरा कोट्स लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० परमसिवन कोजार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1981

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश सं० 21/सितम्बर/80—यसः, सुप्ते, आर० रवि-
चन्द्रनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
दिए गए शब्दों 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;और जिसकी सं० टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1
और 4262/1 पोलनाथकनपेट्टे है, जो तृतीकोरीन में स्थित
है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-II
तृतीकोरीन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 30-9-1980 (डाकुमेंट सं० 2276/
80)(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;(भूमि टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1
और 4262/1, पोलनाथकनपेट्टे, तृतीकोरीन डाकुमेंट सं०
2276/80)।आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, मद्रास।अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

(1) मेजूरा कोट्स लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) एस० अयथा पिल्लै

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1981

निदेश सं० 24/सितम्बर/80—यतः, मुझे, आर० रवि-
चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 4255, 4257, 4258/1
और 4262/1, पोल्नाथक्कनपेट्टे है, जो तृतीकोरीन में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०-II
तृतीकोरीन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 30-9-1980 को (डाकुमेंट सं० 2317/
80) ।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—106G1/81

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(भूमि टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 और
4262/1, पोल्नाथक्कनपेट्टे, तृतीकोरीन डाकुमेंट सं० 2317/
80) ।

आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख : 6-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 मई, 1981

निदेश सं० I /सितम्बर/80--यतः, मुझे आर० रविचन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 34, पेन्दीयन रोड, मद्रास-8 है, जो पेरियमेड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरियमेड, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-80 (डाकुमेंट सं० 1102/80)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

- (1) दि साउथ इन्डिया सलिषियन सोसायटी पारसन (अन्तरक)
- (2) पारसन फाउन्डेशन इन्जीनियरिंग कारपोरेशन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि और निर्माण अब डोर सं० 34, पेन्दीयन रोड, मद्रास-8 (डाकुमेंट सं० 1102/80)।

आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 14-5-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेजुरा कोट्स लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० अलगूलक्ष्मी अम्माल श्रीर अनंदर
(अन्तरिती)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई, 1981

निदेश सं० 26/सितम्बर/80 और 27/सितम्बर/80--

यतः मुझे, आर० रविचन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० 4255, 4257, 4258/1 और 4262/1, पोलेनायक्कनपेट्टे है, जो डूटीकोरीन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-II डूटीकोरीन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-9-1980 (डाकुमेंट सं० 2440/80 (ग्राह्टम सं० 249 और 250)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(अमि टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 और 4262/1, पोलेनायक्कनपेट्टे, डूटीकोरीन डाकुमेंट सं० 2440/80 ग्राह्टम सं० 249 और 250);।

आर० रविचन्द्रन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख : 6-5-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई, 1981

निदेश सं० 17/सितम्बर/80—यतः मुझे आर० रवि-
चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 4255, 4257, 4258/1
पार्ट और 4262/1 पार्ट, पोलनायकनपेट्टे है, जो
डूटीकोरीन में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जे० एस० आर०-II डूटीकोरीन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन (डाकुमेंट सं० 2272/
80) तारीख 30-9-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मेजुरा कोट्स लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री एस० पेरुमाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 पार्ट
और 4262/1 पार्ट, पोलनायकनपेट्टे, डूटीकोरीन (डाकुमेंट
सं० 2272/80)।

आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख : 6-5-1981

मोहर :

प्रारूप आई०टी० एस० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई, 1981

निर्देश सं० 18/सितम्बर/80—अतः मुझे आर० रवि-
चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० टी० एस० 4255, 4257, 4258/1 पार्ट,
और 4262/1 पार्ट, पोलनाथक्कनपेट्ट, है, जो डूटीकोरीन
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस०
आर-II, डूटीकोरीन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-1981 (डाकु-
मेंट सं० 2273/80)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेजुरा कोट्स लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री ए० एम० कोथिलपिच्चै नाठार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 पार्ट
और 4262/1 पार्ट, पोलनाथक्कनपेट्ट, डूटीकोरीन। (डाकु-
मेंट सं० 2273/80।)

आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख : 6-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मेजुरा कोट्स लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) कै० संकमारियप्पन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई, 1981

निदेश सं० 19/सितम्बर/80—यतः मुझे आर० रवि-

चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 और 4262/1 पार्ट पोलजायक्कजपेट्ट है, जो डूटीकोरीन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०-II (डूटीकोरीन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-1980 (डाकुमेंट सं० 2274/80)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में पुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 पार्ट, और 4262/1 पार्ट, पोलजायक्कजपेट्ट, डूटीकोरीन—डाकुमेंट सं० 2274/80)।

आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख : 6-5-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एस० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई, 1981

निदेश सं० 20/सितम्बर/80—यतः मुझे आर० रवि-
चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके तत्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1
और 4262/1 पार्ट, पोलनाथक्कनपेट्टे है, जो डूटीकोरीन
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०
एस० आर०-II डूटीकोरीन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 30-9-1980 (आकु-
मेंट सं० 2275/80)।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, उपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेजूरा कोटस लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) एस० अन्तररामन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसके बाद की अवधि में, जो भी
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोह-साक्षरों के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

साक्षरता:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

(भूमि टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 और
4262/1, पोलनाथक्कनपेट्टे, डूटीकोरीन—आकुमेंट सं० 2275/
80)।

आर० रविचन्द्रन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख: 6-5-1981

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1981

निदेश सं० 12/सितम्बर से 16/सितम्बर/80—यतः

मुझे आर० रविचन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 4255, 4257, 4258/1 पार्ट और 4262/1 पार्ट, पोलनाथक्कनपट्ट है, जो तृतीकोरीन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०-II तृतीकोरीन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-80 (आकुमेंट सं० 2271/80 आइटम सं० 223 से 227) को की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) मेजुरा कोटस लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला पीरिस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(भूमि टी० एस० सं० 4255; 4257, 4258/1 पार्ट और 4262/1 पार्ट, पोलनाथक्कनपट्ट, तृतीकोरीन, [आकुमेंट सं० 2271/80 (आइटम सं० 223 से 227)]

आर० रविचन्द्रन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 6-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेजूरा कोटस लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० शंकरन पिल्ले और अदर्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

मद्रास, दिनांक 6 मई 1981

निदेश सं० 8/सेण्डमबर/80 से 11/सेण्डमबर/80—यतः,

मुझे आर० रविचन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 4255, 4257, 4258/1 पारड
और 4262/1 पारड, पोलनायक्कनपेट्टे, जो तृतीकोरीन
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस०
आर०-II तृतीकोरीन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-1980 (डाकु-
मेंट सं० 2270/80 (इटम सं० 219, 220, 221 और
222) को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया हैः--

१) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(२) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

(भूमि टी० एस० सं० 4255, 4257, 4258/1 पारड
और 4262/1 पारड, पोलनायक्कनपेट्टे, तृतीकोरीन—डाकुमेंट
सं० 2270/80 (आइटम सं० 219 से 222)।

आर० रविचन्द्रन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

13--106GI/81

तारीख : 6-5-1981

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री डी० पलनियप्पन और अनवर।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० दरमराजन

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई, 1981

निर्देश सं० 48/सितम्बर/80—यतः, मुझे आर० रवि-
चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 39 और 40, ओरकशप रोड मदुरै है, जो
मदुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पनुमठपम, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-80 (आकुमेंट
सं० 1917/80)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि एट डोर सं० 39 और 40, ओरकशप रोड,
मदुरै आकुमेंट सं० 1917/80।

आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 7-5-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री डी० पलनियप्पन और अनवर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री आर० दरमराजन

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

अर्जन रेंज-I, मद्रास

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

मद्रास, दिनांक 7 मई 1981

निदेश सं० 49/सितम्बर/80—यतः, मुझे, आर० रविचन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 39 और 40, ओरकशाप रोड, मदुरै है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमठम, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-80 (डाकुमेंट सं० 1918/80)।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(भूमि एट डोर नं० 39 और 40, ओरकशाप रोड, मदुरै (डाकुमेंट सं० 1918/80)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

तारीख : 7-5-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

निदेश सं० 50/सितम्बर/1980—यतः मुझे आर०
रविचन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 39 और 40, है, जो ओरकशप
रोड, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, पुदुमठपम, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-1980
(डाकुमेंट सं० 1919/80)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री डी० पलनियप्पन और अन्तर

(अन्तरक)

(2) श्री आर० दरमराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एट डोर सं० 39 और 40, ओरकशप रोड,
मदुरै।

आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 7-5-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री डी० पलनियप्पन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती डी० सारवादेवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई 1981

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निदेश सं० 51/सितंबर/80—यतः मुझे आर० रवि-
चन्द्रन

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 39 और 40, ओरकशप रोड मदुरै
है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, पुदुमठपम, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
15-9-1980 (डाकुमेंट सं० 1920/80)

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

अनुसूची

भूमि एट डोर सं० 39 और 40, ओरकशप रोड, मदुरै
(डाकुमेंट सं० 1920/80)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आर० रविचन्द्रन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मदुरै।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख : 7-5-1981
मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री डी० पलनियप्पम और ग्रमहर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती डी० सारदा देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई, 1981

निदेश सं० 52/सितम्बर/80—यतः मुझे आर० रवि
चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और ज़िम्मे सं० डोर सं० 39 और 40, ओरकशप रोड,
है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय पुडुमठम, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-1980
(डाकुमेंट सं० 1921/80)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि एट डोर सं० 39 और 40, ओरकशप रोड,
मदुरै—डाकुमेंट सं० 1921/80।

आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 7-5-1981

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई, 1981

निर्देश सं० 53/सितम्बर/1980—यतः, मुझे आर० रविचन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० डोर सं० 39 और 40, ओरकण रोड, मदुरै में है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, पुदुमंठपम, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री डी० पलनियप्पन और अनंदर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डी० सारदा देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एट डोर सं० 39 और 40, ओरकण रोड, मदुरै—डकुमेंट सं० 1922/80)।

आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 7-5-1981
मोहर :

मूल्य आइ० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास-609006, दिनांक 7 मई 1981

निदेश सं० 54/सितम्बर/80—यतः, मुझे आर० रवि-
चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 39 और 40, ओरकशप रोड,
है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, पुदुमंठपम, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-80
को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हृदयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हृदयमान प्रतिफल से ऐसे हृदयमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डी० पलनियप्पन और अनवर

(अन्तरक)

(2) श्री आर० दरमराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि एड डोर सं० 39 और 40, ओरकशप रोड,
मदुरै—डायुमेंट सं० 1923/80।

आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 7-5-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री डी० पलनियप्पन, मदुरै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती डी० सारदा देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

मद्रास 600006, दिनांक 7 मई 1981

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

निश सं० 55/सितम्बर/1980—अतः मुझे, रविचन्द्रन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० डोर सं० 39 और 40, ओरकनाप रोड
है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, पुदुमंठपम, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-1980

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया हैः--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

भूमी एट डोर सं० 39 और 40, ओरकनाप रोड,
मदुरै—डाकुमेंट सं० 1924/80।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास।

अतः अद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 7-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 7 मई 1981

निवेश सं० 45/सितम्बर/80—यतः मुझे, आर० रवि-
चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 299/1, टिक्बोटीयर है रोड, है, जो मद्रास-21 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुरम, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित दी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री वी० पदमनाबन और अवसं

(अन्तरक)

(2) सुप्रीम स्टार शिपिंग कम्पनी लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण एट डोर सं० 299/1, टिक्बोटीयर है रोड, मद्रास—डकुमेंट सं० 1568/80।

आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 7-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई, 1981

निदेश सं० 59/सितम्बर/80—यतः मुझे आर० रवि-
चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 281/1, 282, 283/1 और 284
पिन्जा गांव (डर्मिलजाट्ट) है, जो नार्थ आरकाड जिला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वालाजापेट
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 15-9-1981 (डाकुमेंट सं० 2411/
80)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री ए० अब्दुल सरकायार और एनवर

(अन्तरक)

(2) श्री एम० जमील अहमद और अदस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अभि और निर्माण एट एस० सं० 281/1, 282, 283
और 284, पिन्जा गांव, नार्थ आरकाड जिला (तमिलनाडू)
डाकुमेंट सं० 2411/80।

आर० रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 7-5-1981
मोहर :

प्रकट आई०डी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मई, 1981

निदेश सं० 15765—यतः मुझे राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि आर० एस० 114 है, जो ओखियम
तोरपाटवम में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सैदापेड (डोकुमेंट सं० 2960/80) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम
(के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत वर्णितः—

(1) श्रीमती लक्ष्मी नात्थालिंगम

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० सुशीला देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरों
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
'अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि आर० एस० सं० 114, ओखियम तोरपाटवम
(डोकुमेंट सं० 2960/80)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख : 8-5-1981

सोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-16, कलकत्ता

कलकत्ता, 16 दिनांक 23 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० ए० सी०-16/रेंज-IV/कलकत्ता/1981-82—

यतः मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० वाग सं० 18 है, तथा जो मौजा स्वालिया जिला हाबड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हाबड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-9-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दिपेन्द्र नाथ चटर्जी

(अन्तरक)

(2) प्रेसीडान पाईपस और ट्यूब्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा स्वालिया, जिला हाबड़ा में स्थित 10 कनाल, 4 स्टोफ 42 वर्ग फुट जमीन का सब रु जैसे कि 1980 का बकिस सं० 3133 में और पूर्ण छप से वर्णित है।

के० सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 16/कलकत्ता।

तारीख : 23-4-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री कानाई लाल चटर्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) बेनुबन को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लि०; (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

कलकत्ता, दिनांक 19 मई 1981

निदेश सं० 902/एक्यू/आर०- /81-82—यतः मुझे आई० बी० एस० पुणेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 93/3 बी और 93/3 सी० है, तथा जो कानकुलिया रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-9-1980 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

अनुसूची

जमीन का ठिकाना :

93/3 बी० और 93/3 सी०, कानकुलिया रोड, कलकत्ता 5 कट्ठा, 8 छटांक जमीन। वदील सं० 4304।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आई० बी० एस० पुणेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 19-5-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री अशोक कुमार चटर्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) बेनुबन कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 मई, 1981

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 903/एक्यू आर०-III/81-82—यतः मुझे,
आई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 93/3 बी० और 93/3 सी० है, तथा जो
कानकुलिया रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-9-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
वही यथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

जमीन का ठिकाना : 93/3 बी० और 93/3 सी०,
कानकुलिया रोड, कलकत्ता। 5 कट्ठा 8 छटांक जमीन।
दलील सं० 4358।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

आई० बी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 19-5-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 मई 1981

निर्देश सं० 574/अर्जन/आर०-I/80-81—यतः, मुझे,
आई० बी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 223 है तथा जो जोरा चन्द रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 12-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री गौरी शंकर भट्टाचार्य और अन्य
(अन्तरक)

(2) श्री मृगेन्द्र किशोर सरकार
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

223 गोरा चांद रोड, कलकत्ता में अवस्थित 5 कट्ठा
11 छटांक, 9 बर्ग फिट, जमीन जो 12-9-80 तारीख में
डीड नं० 817 अनुसार एस० आर० शियालदह, दफ्तर में
रजिस्ट्री हुआ।

आई० बी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता।

तारीख: 20-5-1981
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 मई, 1981

निदेश सं० टी० आर०-394/80-81 एस० एल० नं० 572/अर्जन रेंज-I—यतः मुझे आई० टी० एन० जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मेजानाईन, फ्लोर है तथा जो 24 पार्क स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
15—106GI/81

(1) मैसर्स कलकत्ता क्रेडिट कारपोरेशन, 24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) 1. राजीव गांधी
2. सन्जीव गांधी

36/1, यतीन दास रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावधान :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में मंसिब का मेजानाईन फ्लोर, जो 2886 वर्ग फिट है और आई-9099 पी० डीड नं० अनुसार 30-9-80 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

आई० टी० एन० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता।

तारीख : 20-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 मई 1981

निदेश सं० टी० आर०-390/80-81-अर्जन रेंज-I--

अतः मुझे आई० बी० एस० जनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 31 है तथा जो सयार हरिराम गोयेष्का
स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--

(1) जयपुर इनवेस्टमेंट कम्पनी लिमिटेड, 31, नेताजी
सुभाष रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) आरगेनाइज्ड इनवेस्टमेंट कं० लि०, 18, नेताजी
सुभाष रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

31 सायर हरिराम गोयेष्का स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित
9 कट्ठा 14 छटांक (लगभग) जमीन पर मकान जो
25-9-1980 तारीख में I-5579 डीड नं० के अनुसार
रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेज के दफ्तर में रजिस्ट्र हुआ।

आई० बी० एस० जनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता।

तारीख: 20-5-1981

मोहर:

प्रकरण पाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 मई 1981

निर्देश सं० ए० सी०-13/आर०-II/कलकत्ता/81-82—

यतः मन्त्रों के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पी-502/6 है तथा जो बासुदेवपुर रोड,
पी० एस० बेहाला, कलकत्ता-61 में स्थित है (और इससे
उपायधन अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० एस० आर० अलीपुर
एट बेहाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 24-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गीता रानी बरमन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रत्नना नन्दी मजुमदार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करवा दूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एरिया, 3 कनाल, 14 छटांक 27 वर्ग फुट मोकाम
पी-502/6, बासुदेवपुर रोड, पी० एस० बेहाला, कलकत्ता-
61।

के० सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 20-5-1981
मोहर

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 मई, 1981

निर्देश सं० ए० सी०-12/रेंज-11/कलकत्ता/81-82—यतः

मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 84 है तथा जो सी० आई० टी० रोड, कलकत्ता-10 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० सियालबहा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-9-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बीरेन्द्र नाथ चौधरी और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री मजहरि साहा और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षेत्रफल 5 कनाल, 7 छटाक, 10 वर्ग फुट मोकाम
84, सी० आई० रोड, कलकत्ता-10।

के० सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 20-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

(1) श्रीमती रेनुका, मीरा गंगुली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) अजय इन्डस्ट्रीज लि०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 20 मई, 1981

निर्देश सं० ए० सी० 30/रेंज-II /कलकत्ता/1981-82—

यतः मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० 1047 है तथा जो मैदिनिपुर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
16) के अधीन, तारीख 12-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में संप्राप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तकृत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्षम
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रत्युत्पत्ति

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सापेक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मौजा भवानीपुर, थाना सुवाहाटा, जिला मेदिनिपुर में
2.45 एकड़ जमीन का सब कुछ 1980 का वलीस सं०
5284 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:--

तारीख : 20-5-1981

मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

(1) श्री कानिक चन्द्र खान और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश सं० ए० सी०-14/रेंज-II/कलकत्ता/81-82—

यतः मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो राम मोहन मल्लिक गार्डन लेन, कलकत्ता-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० सियालबहा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-9-1980

की पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(2) ईस्ट एण्ड पार्क कं० प्र० हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, कलकत्ता-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अक्षरफल 9 बीघा, 8 कनाल, 1 छटांक, 38 वर्ग फुट जो 5, राम मोहन मल्लिक गार्डन लेन, पी० एस० बेल्लेघाटा कलकत्ता-10 में अवस्थित है।

के० सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता।

तारीख : 21-5-1981

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) हिन्दुस्तान आउन बावेरी लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) भोम डेवलपमेंट प्रा० लि०

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मई, 1981

निर्देश सं० ए० सी० 34/रेंज-IV/कलकत्ता/1981-82---

प्रतः मुझे, के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 184 है तथा जो जे० एन० मुखर्जी रोड, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

184 जे० एन० मुखर्जी रोड, खालकिया, हावड़ा में 8 बीघा, 8 कठा, 5 छटाक जमीन का सब कुछ जैसा सं० 1980 का दलील सं० 5399 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता।

तारीख : 21-5-1981

मोहर :

प्रारूप भाग, टी. एम. एम. एम. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मई, 1981

निर्देश सं० ए० सी०-35/रेंज-IV/कलकत्ता/1981-82—

यतः मुझे, के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो बोलपुर, बीरभूम में
स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 23-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुलेखा भीमिक

(अन्तरक)

(2) एमको जनरल प्लास्टिक इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मोजा सुरुल, बोलपुर, बीरभूम में 17 छटांक जमीन का
साथ मकान का सब कुछ जसे सं० 1980 का दलील सं०
5507 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , कलकत्ता।

तारीख : 21-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मैसर्स एस० जी० इनवेस्टमेंट एण्ड इन्डस्ट्रीज लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स मेनका इनवेस्टमेंट लि०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मई, 1981

निदेश सं० 575/अर्जन रेंज-I/कलकत्ता/1980-81—

यतः मुझे आई० वी० एस० जुनेजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 26 है तथा जो बरतला स्ट्रीट में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 25-9-1980 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य न उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
16—106GI/81

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

26 बरतला स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित आंशिक
चार तल्ला और आंशिक पांच तल्ला मकान जो 11 क०
6 छटाक 27 वर्ग, मीटर जमीन पर अवस्थित है और जो
25-9-80 तारीख में डीड नं० 5578 के अनुसार रजिस्ट्रार
आफ एसुरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई० वी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता।

तारीख : 22-5-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सत्य रंजन कोनार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सोमेन घोष

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मई, 1981

निर्देश सं० ए० सी०-15/रेंज-II/कलकत्ता/1981-82—

यतः मुझे, के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 61 है तथा जो सी० आई० टी०
स्कीम नं० VII एम, बी० आई० पी० रोड, मानिकतला,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
एस० आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-9-1980
को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

क्षेत्रफल 6 कनाल, 7 छटांक, 18 वर्ग फुट, प्लॉट नं०
61, सी० आई० टी० VIII एम (एम०), बी० आई०
पी० रोड, पी० एस० मानिकतला, कलकत्ता।

के० सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 22-5-1981
मोहर :

प्रकृष भाई० डी० एन० एल०-----

(1) मेसर्स एस० जी० इन्वेस्टमेंट एण्ड इन्डस्ट्रीज लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) मेसर्स मेनका इन्वेस्टमेंट लि०

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मई, 1981

निवेश सं० 575/अर्जुन रेंज-1/कलकत्ता/1980-81—

यतः मुझे, भाई० डी० एन० जूनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 26 है तथा जो बरतल्ला स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उम्मेद बनने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

26 बरतल्ला स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित आंशिक चार तल्ला और आंशिक पांच तल्ला मकान जो 11 कट्टा 6 छटांक 27 वर्ग फिट जमीन पर अवस्थित और जो 2539 तारीख में डीड नं० 5578 अनुसार रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

भाई० डी० एन० जूनेजा

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज-I

54, रफीग्रहमच किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 22-5-1981

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 30th April, 1981

No. P/1415-Admn. I.—The President is pleased to permit Shri M. S. Pruthi, a permanent Selection Grade Officer of Central Secretariat Service Cadre and officiating as Joint Secretary (Rs. 2000-125/2-2250) in the office of Union Public Service Commission to retire from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th April, 1981.

H. C. JATAV,
Joint Secretary (Admn.),
Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 2nd May, 1981

No. A. 32014/1/81-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistant of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Sr. P.A. Grade B of CSSS in the same cadre in a purely provisional, temporary and ad-hoc capacity with effect from the dates mentioned below:

S.No.	Name	Period	Remarks
S/Shri			
1. P.P. Sikka	}	2-5-81 to 1-8-81 or until further orders whichever is earlier	Against 2 posts created by temporarily downgrading posts of Pri- vate Secretaries
2. O.P. Deora			
3. H.C. Katoch	.	Do.	Against resul- tant chain vacancy
4. T.R. Sharma	.	4-5-81 to 3-7-81 or until further orders whichever is earlier.	Do.
5. Sham Parkash	.	25-4-81 to 24-6-81 or until further orders whichever is earlier	Do.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) is purely temporary and on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that grade. Further, the aforesaid ad hoc appointments are also subject to the approval of the DOP&AR.

S. BALACHANDRAN
Deputy Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 13th May 1981

No. A. 35014/1/79-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri D. R. Madan, a permanent Section Officer of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis on deputation to the post of Section Officer (Special-Services) for a period from 12-5-1981 to 11-8-1981, or until further orders, whichever is earlier.

2. On his appointment to the post of Section Officer (Special-Services), the pay of Shri D. R. Madan will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure O. M. No. F. 10(24)-E. III dated 4-5-1961, as amended from time to time.

P. S. RANA,
Section Officer,
for Secretary,
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 14th April 1981

No. 10 RCT 3.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. N. Dhar, Executive Engineer of the Central Public Works Department, as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from 30-3-81 (FN), until further orders.

K. L. MALHOTRA,
Under Secretary (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 22nd May 1981

No. A-19036/3/79-AD. V.—The services of Shri K. Fariduddin, Dy. Superintendent of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Andhra Pradesh Police were placed back at the disposal of Andhra Pradesh Government with effect from 30-4-1981 afternoon.

the 25th May 1981

No. A-19021/4/81-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Dangwal, IPS (MP-1966) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, with effect from the afternoon of 16-5-1981.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 19th May 1981

CORRIGENDUM

No. 11/99/79-Ad. I.—The last line of this office Notification of even number dated 28-4-1981 may be read as under :

"from the afternoon of the 10th April, 1981".

K. C. SETH
Deputy Director

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 27th May 1981

No. Estt./Entt./VI/10-3.—Smt. Catheline Isaac, Accounts Officer of the office of the Accountant General, Kerala retired from service on superannuation on the afternoon of 30th April, 1981.

(Sd.) Illegible
Accountant General

MINISTRY OF LABOUR

(LABOUR BUREAU)

Simla-4, the 6th June 1981

No. 23/17/81-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by 7 points to reach 427 (Four hundred and twentyseven during the month of April, 1981. Converted to base : 1949=100 the index for the month of April, 1981 works out to 51 (Five hundred and nineteen).

A. S. BHARADWAJ
Director

PART III--SEC. 1]

THE GAZETTE OF INDIA, JUNE 13, 1981 (JYAISTHA 23, 1903)

7391

[illegible]

OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS (POSTAL) CALCUTTA
List of Promissory notes and Debenture kept in the Custody of Director General, Posts & Telegraphs on 31-3-80—Contd.
[Vide Para 139 (F) of the P & T Audit Manual Vol II]

1	2	18	19	20	21	22	23	24	
S. No.	Name of contractors	5-½% Moha- rash. 1980	5-½% 2003	6-½% 2000	5-½% W.B. 1982	6% Moha- rash. 1985	5½% 2002	3% 1896-97	Name of Pledgee
1.	Priyalal Mukherjee								P.M.G. Bengal and Assam (East Bengal).
2.	Civil and Military Gazette, Lahore								Punjab Telegraph Traffic Branch.
3.	The Trustees Tribune Press and non-Press Message Newspaper, Lahore								Do.
4.	M/s. Dhanuka Industries (P) Ltd.								Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
5.	M/s. J. K. Business Machines, Calcutta								Do.
6.	M/s. Paul and Co.								Controller of Telegraph Stores, Alipore.
7.	M/s. National Cable Works Ltd.								Manager Tele. work Shop Alipore.
8.	Press Trust of India Ltd., Bombay								Chief Supdt. C.T.O., Bombay.
9.	The Bharat Lime Limited.								Do.
10.	Balmer cantire and Co. Ltd., Bombay								Do.
11.	Narandas Rajaram & Co. (Pvt.) Ltd.								Do.
12.	Press Trust of India Ltd., (Bombay)								Do.
13.	Killick Nixon Ltd.								Do.
14.	Protos Engg. Co. (Pvt.) Ltd.								Do.
15.	Turner Morrison & Co. Ltd.								Do.
16.	Life Insurance Corporation of India, Central Office, Bombay								Do.
17.	Killick Nixon Ltd.								Do.
18.	M/s. South Indian Export Co. (Madras)								C. S. C.T.O. Madras.
19.	The Pioneer Ltd., Lucknow								Supdt. in-charge C.T.O. Lucknow
	Mathrabhmi Printing and Publishing Co. Ltd. Kozi Kode, Calicut								Supdt. C.T.O., Kozikode, Calicut.
21.	M/s. Rabindra Kumar Reshamwalla								Chief Supdt. C.T.O., New Delhi.
22.	The Daily Gazette Karachi								Supdt. in-charge Telegraph Office, Karachi.
23.	M/s. A. B. Pandit & Co., Karachi								Do.
24.	M/s. Cowasji and Sons, Karachi								Do.
25.	M/s. Louis Dreyfus & Co. Ltd., Karachi								Do.
26.	M/s. Eastern Steamship Private Ltd.								Telegraph Traffic Supervisor-III, D.T.O., Matunga, Bombay.
27.	Gannon Dunkerly and Co. Ltd.								Chief Supdt. C.T.O., Bombay.
28.	Hind Shipping Agencies								Do.
29.	M/s. Lionel Edwards Ltd.								Chief Supdt. C.T.O. Bombay, Calcutta.
30.	The Daily Gazette Press, Karachi								Supdt. in-charge Telegraph Office, Karachi.
31.	M/s. Burmah Shell Oil Storage and Distribution Co. of India Ltd.								Supdt. Telegraph Office, Karachi.
32.	M/s. Ralli Bros. Ltd.								Supdt. in-charge Telegraph Office, Karachi.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS (POSTAL) CALCUTTA
List of Promissory notes and Debenture kept in the Custody of Director General, Posts & Telegraphs on 31-3-80—*Contd.*
[Vide Para 139 (F) of the P & T Audit Manual Vol II]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	
33.	M/s. Burmah Shell Oil Storage and Distributing Co. of India Ltd., Lahore					200											
34.	M/s. Burmah Shell Oil Storage and Distributing Co. of India Ltd., Rawalpindi					200											
35.	The Daily Gazette and Press, Karachi							400									
36.	Herbartsons Ltd.												1400				
37.	R. R. Nabar & Co.												100				
38.	Harbartsons Ltd.										800						
39.	M/s. Cooper Engg. Ltd.										2500						
40.	The Indian Overseas Bank Ltd.								5000								
41.	M/s. Gannon Dunkerly & Co. Ltd.								500								
42.	M/s. Gannon Dunkerly & Co. Ltd.						1000										
43.	The Scindia Steam Navigation Co. Ltd.										35000						
44.	The Scindia Steam Navigation Co. Ltd.										15000						
45.	Reserve Bank of India										40000						
46.	Batliboy & Co. Ltd.												700				
47.	Mehta Vakil & Co.															300	
48.	Development Secretary (F) LIC of India																
49.	Indian Overseas Bank									5000							
50.	Indian Overseas Bank									10000							
51.	Indian Overseas Bank									5000							
52.	Indian Overseas Bank									500							
53.	United Bank of India, Calcutta													25000			
54.	M/s. Lionel Edwards Ltd.														6000		
55.	Machinon Mackenzie Co. (P) Ltd.													76700			
56.	M/s. Batliwala & Karani													1100			
57.	United Bank of India H. O. Calcutta													75000			
58.	Industrial Development Bank of India																
59.	M/s. Allahabad Bank Ltd. (Calcutta Branch)																
60.	United Bank of India H.O. Calcutta																
61.	Indian Overseas Bank																
62.	Indian Overseas Bank																
63.	Killick Nixon Ltd.																
64.	M/s. Lionel Edwards Ltd.														4000		
65.	Maharashtra State Co-operative Bank Ltd.																
	Total		150200	1300	400	3300	1000	400	5500	20500	90000	3300	700	1500	177800	10000	300

OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS (POSTAL) CALCUTTA

List of Promissory notes and Debenture kept in the Custody of Director General, Posts & Telegraphs on 31-3-80—Contd.

[Vide Para 139 (F) of the P & T Audit Manual Vol II]

1	2	18	19	20	21	22	23	24	Name of pledgee
33.	M/s. Burma Shell Oil Storage and Distributing Co. of India Ltd., Lahore								Chief Supdt. Telegraph C. T. O., Lahore.
34.	M/s. Burmah Shell Oil Storage and Distributing Co. Ltd., Rawalpindi								Chief Supdt. Telegraph C. T. O., Rawalpindi.
35.	The Daily Gazette and Press Karachi								Supdt. in-charge Telegraph Office, Karachi.
36.	Herbartsons Ltd.								Chief Supdt., C.T.O., Bombay.
37.	R. R. Nabar & Co.								Chief Supdt. C.T.O., Bombay.
38.	Herbartsons Ltd.								Chief Supdt. C.T.O., Bombay.
39.	M/s. Cooper Engg. Ltd.								Supdt. C.T.O. Poona.
40.	The Indian Overseas Bank Ltd.								Chief Supdt. C.T.O., Calcutta.
41.	The Gannon Dunkerly & Co. Ltd.								Chief Supdt. C.T.O., Bombay.
42.	M/s. Gannon Dunkerly & Co. Ltd.								Do.
43.	The Scindia Steam Navigation Co. Ltd.								Do.
44.	The Scindia Steam Navigation Co. Ltd.								Do.
45.	Reserve Bank of India								Do.
46.	Batliboy & Co. Ltd.								Do.
47.	Mehta Vakil & Co.								Do.
48.	Development Secretary (F) L.I.C. of India						9000		Telegraphist in-charge D.T.O. Santacruz, Bombay.
49.	Indian Overseas Bank								Chief Supdt. C.T.O., Madras.
50.	Indian Overseas Bank								Do.
51.	Indian Overseas Bank								Do.
52.	Indian Overseas Bank								Chief Supdt. C. T. O., Calcutta.
53.	United Bank of India, Calcutta								Do.
54.	M/s. Lionel Edwards Ltd.								Chief Supdt. C. T. O., Bombay.
55.	Machinon Mackenzie Co. (P) Ltd.								Chief Supdt. C. T. O., Bombay.
56.	M/s. Batliwala & Karani								Chief Supdt. C.T.O., Bombay.
57.	United Bank of India H.O. Calcutta								Chief Supdt. C.T.O., Calcutta.
58.	Industrial Development Bank of India			13500					Chief Supdt. C.T.O., Bombay.
59.	M/s. Allahabad Bank Ltd. (Calcutta Branch)				50000				Chief Supdt. C.T.O., Calcutta.
60.	United Bank of India H.O. Calcutta					25000			Chief Supdt. C.T.O., Calcutta.
61.	Indian Overseas Bank			20000					Chief Supdt., C.T.O., Madras.
62.	Indian Overseas Bank			28000					Supdt. in-charge D.T.O. Anna Road, Madras.
63.	Killick Nixon Ltd.	4000							Chief Supdt. C.T.O. Bombay.
64.	M/s. Lionel Edwards Ltd.								Do.
65.	Maharashtra State Co-operative Bank Ltd.					25000			Do.
TOTAL		4000	48000	13500	50000	25000	25000	9000	

Regd No. Publication/G.S.-327 dated 21-5-1981

Sd/- Illegible
Accounts Officer
(Postal) Calcutta.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

N. F. RAILWAY

Gauhati-781011, the 22nd January 1981

S. O. O. No. 81.—Shri S. K. Bhattacharjee, SRAS Section Officer of this office, at present working as Accounts Officer on Foreign Service in the Central Inland Water Transport Corporation Ltd., Gauhati, has been granted proforma promotion in the Audit Officers' Grade in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1-1200/- under the Next Below Rule with effect from 29-8-80 (AN) until further orders.

The 27th January 1981

S. O. O. No. 83.—Consequent on his permanent absorption in the Food Corporation of India/Calcutta, the lien of Shri G. Rambin, a permanent member of the SRAS cadre and Officiating as Audit Officer, is terminated under FR-14(A) (d) with effect from 25-4-1979.

S. CHANDRASEKHAR
Director of Audit

Gauhati-781011, the 17th February 1981

S. O. No. 89.—Late S. K. Mukherjee, Audit Officer of this office who was on Foreign Service with Aligarh Muslim University, Aligarh, expired on 11-9-1980.

2. Late N. C. Dutta, Audit Officer of this office, who was on Foreign Service with the Bharat Heavy Electricals Ltd., Santaldih, expired on 18-11-1980.

N. N. GOPAL SIKDAR
Audit Officer/Admn.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
SOUTHERN RAILWAY

Madras, the May 1981

S/Shri P. A. Muniswamy and M. C. Varadarajan permanent/Officiating members of the SRAS cadre, in the Office of the Director of Audit/Southern Railway/Madras are promoted by the Director of Audit to officiate as Audit Officers in the scale Rs. 840-1200 with effect from 9-4-1981 FN and 6-4-1981 FN until further orders.

Promotions made in these cases are purely on an ad-hoc basis and shall be subject to the final orders of the Supreme Court.

C. S. MENON
Director of Audit

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 20th May 1981

No. ADMN. I/O.O./67—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints substantively the following officiating Audit Officers of this office against the permanent posts of Audit Officers, in the time scale of Rs. 840-1200, with effect from the dates shown against them:—

Sr. No.	Name	Date of Substantive appointment as audit Officers
1	2	3
	S/Sh.	
1.	H.R. Kapur	1-7-1979
2.	G.C. Tuli	1-7-1979
3.	K.C. Sharma	1-7-1979

17-106G1/81

1	2	3
4.	C.B. Mullick	1-7-1979
5.	J.S. Sawhney	1-7-1979
6.	P.C. Mullick	1-7-1979
7.	B.D. Saigal	1-7-1979
8.	M.V. Ramakrishnan	1-7-1979
9.	K.S. Verma	1-7-1979
10.	M.M.L. Bakshi	1-7-1979
11.	P.S. Jain	1-7-1979
12.	U.S. Mathur	1-7-1979
13.	Ravinder Kumar	1-7-1979
14.	D.P. Sharma	1-7-1979
15.	R.K. Uppal	20-7-1979
16.	D.P. Devgun	29-7-1979
17.	D.R. Malhotra	21-9-1979
18.	P.L. Wali	1-10-1979
19.	P.C. Gupta	1-11-1979
20.	J.S. Gandhi	1-3-1980
21.	Amar Nath II	1-4-1980
22.	P.S. Talwar	4-5-1980
23.	R.C. Malik	1-6-1980
24.	T.R. Kapoor	1-7-1980
25.	S.L. Bansil	1-8-1980
26.	Dev Raj II	9-9-1980

(Sd.) ILLEGIBLE

Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 29th April 1981

No. 496/A-Admn/130-74-81—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint Shri P. S. Dewan, substantive member of subordinate Accounts Service, to officiate as Audit Officer in the Office of the Audit Officer, Defence Services, Allahabad, with effect from 31-3-81 (FN), until further orders.

I. P. SINGH,
Joint Director of Audit, D. S.

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 20th May 1981

No. 37/81/G—On attaining the age of superannuation (58 years), the undermentioned officers retired from service with effect from the dates shown against each:—

- (1) Shri K. Bishnoi, Addl. DG/CEF 28-02-1981 (AN)
(Substt. & Permt. Dy. DGOF)
- (2) Shri H. P. Asthana, Manager 30-09-1980 (AN).
(Substt. & Permt. Dy. Manager)

V. K. MEHTHA,
Asstt. Director General,
Ordnance Fys.

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE GENERAL OF FACTORY ADVICE
SERVICE & LABOUR INSTITUTES

Bombay-400022, the 21st May 1981

No. 15-4-80-Estt.—The Director General is pleased to appoint Shri RG WAKADE, a permanent Head Clerk as Administrative Officer in the Directorate General of Factory Advice Service

& Labour Institute in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15th May, 1981.

A. K. CHAKRABARTY,
Director General

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 14th May 1981

No. 12/64/71-Admn. (G)—The President is pleased to appoint Shri G. P. Agrawal, Director (Gr. II) (Electrical), Small Industries Service Institute, Jaipur as Director (Gr. I) (Electrical) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Jaipur with effect from the forenoon of 4th May, 1981.

No. 12/219/61-Admn. (G)—The President is pleased to permit Shri B. N. Bhattasali, Director (Grade I) (Industrial Management & Training) in Small Industry Development Organisation to retire from Government service on attaining the age of superannuation on the afternoon of 31-1-1981.

No. A. 19018(543)/81-Admn. (G)—The President is pleased to appoint Shri H. V. Lalringa, IAS (MT: 72) and Under Secretary in the Union Public Service Commission New Delhi as Director (Gr. I) (Assistance to Engineering Entrepreneurs) in the Office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 15th April, 1981, until further orders.

C. C. ROY,
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 25th May 1981

No. A-1/1(1011)—Shri B. K. Behal, permanent Superintendent and officiating Assistant Director (Gr. II) in the office of the Director of Supplies (Textiles) Bombay, retired from Government service w.e.f. the afternoon of 30-4-1981 on attaining the age of superannuation.

P. D. SETH,
Deputy Director (Administration),
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 13th May 1981

No. A-6/247(368)—The President has been pleased to appoint Shri A. K. Chatterjee, Assistant Inspecting Officer

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF FILMS FESTIVALS

New Delhi-3, the 16th April, 1981

No. 1/4/81-FFD—It is hereby notified that in pursuance of Rule 9 of the Rules for the National Film Festivals, 1981 published in the Directorate of Film Festivals Notification No. 1/1/81-FFD dated 21-2-81 the Central Government on the basis of the recommendations submitted by the two National Juries have decided to give awards to the following films/ producers /directors/artists/ technicians, etc. namely:—

Sl. No.	Title of the Film and language	Name of the Award Winner	Award
1	2	3	4
I—FEATURE FILMS			
1. Award for the Best Feature Film :			
AAKALER SANDHANE (Bengali)		PRODUCER (i) Sh. Dhresh Kumar Chakraborty C/o D.K. Film Enterprise, P-36, Indian Exchange Place, Calcutta-1	'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 50,000/- (Rupees Fifty thousand only)
		DIRECTOR Shri Mrinal Sen 14 Beltola Rd., Calcutta-26	'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 25,000/- (Rupees Twenty five thousand only)

(Met.) in the office of Director of Inspection (Met.), Jamshedpur as Assistant Director of Inspection (Met.) (Grade III of IIS Met. Branch Group 'A') in the same office with effect from the forenoon of 28th April, 1981 until further orders.

2. Shri Chatterjee relinquished the charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Met.) and assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Met.) on the forenoon of 28th April, 1981.

P. D. SETH,
Deputy Director (Administration).

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-700016, the 16th May 1981

No. 2408B/A-19012 (LMM)/19A—Shri L. M. Mackenzie, Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government Service voluntarily with effect from 1-9-1980 (F.N.).

The 26th May 1981

No. 2398B/A-19012(2-AG/AK)/198—The resignation tendered by Shri Ashwani Kumar, Assistant Geophysicist, Geological Survey of India, has been accepted w.e.f. 3-6-80 (F.N.).

V. S. KRISHNASWAMY,
Director General

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 25th May 1981

No. 5 (12) 68-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri T. R. Gopalakrishnamachar, TREX AIR, Hyderabad as a Programme Executive, All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity with effect from 2nd May, 1981 and until further orders.

No. 5 (26) 68-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri S. K. Sharma, TREX, AIR, New Delhi as a Programme Executive, All India Radio Rowa in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from 27th April, 1981 and until further orders.

No. 5 (50) 68-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. Roy Chaudhuri, TREX, AIR, Calcutta as Programme Executive, CBS, All India Radio, Calcutta in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from 4th May, 1981 and until further orders.

H. C. JAYAL
Dy. Director of Administration
for Director General

1	2	3	4
2. Award for Second Best Feature Film :			
OPPOL (Malayalam)	PRODUCER		
	Smt. Rosamma George Chitra Gomwuthi, Bldg., Arangath Cross Rd., Cochin-18		Rajat Kamal (Silver Lotus) and cash prize of Rs. Rs. 30,000/- (Rupees Thirty thousand only)
	DIRECTOR		
	Sh. K.S. Sethumadhavan 3, Kanniah Naidu St., Madras-17		Rajat Kamal (Silver Lotus) and cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fifteen thousand only)
3. Award for the Best Feature Film on National Integration :			
BHAVNI BHAVAI (Gujarati)	PRODUCER		
	M/s Sanchar Film Cooperative Society Ltd., Nehru Foundation for Development, Vastrapur Road, Thaltaj Tekra, Ahmedabad-380 054		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 30,000/- (Rupees Thirty thousand only)
	DIRECTOR		
	Sh. Ketan Mehta, 6-A, Kumkum Society Near Sardar Patel Colony Usamanpura, Ahmedabad-380 014.		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fifteen thousand only)
4. Award for Best First Film of a Director :			
MAINA TADANTA (Bengali)	DIRECTOR		
	Shri Utpalendu Chakraborty 32, Rani Hanshmukhi Rd., Calcutta-700 002.		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
5. Award for Best Direction :			
AAKALER SANDHANE (Bengali)	Shri Mrinal Sen		
	14 Beltola Road, Calcutta-26.		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 20,000/- (Rupees Twenty thousand only)
6. Award for Best Screen play :			
AAKALER SANDHANE (Bengali)	Shri Mrinal Sen		
	14 Beltola Road, Calcutta-26		Rajat Kamal (Silver Lotus) and cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
7. Award for the Best Acting :			
Best Actor			
OPPOL (Malayalam)	Shri Balan K. Nair		
	C/o Smt. Rosamma George Chitra Gomwuthi Bldg., Arangath Cross Rd., Cochin-18.		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
Best Actress :			
CHAKRA (Hindi)	Km. Smita Patil		
	Summit House, Forgett Road Tardeo, Bombay-34		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
Best Child Actor			
OPPOL (Malayalam)	Master Arvind		
	C/o Shri M.R. Parameswaran Natham's House, Chittor Road, Cochin-682 001.		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)
8. Award for Best Cinematography (Colour)			
NENJATHAI KILLATHE (TAMIL)	Shri Ashok Kumar		
	19, Tirumurthy St., Madras-17		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
9. Award for Best Cinematography (Black & white):			
YASAM (Malayalam)	Shri Sivans Studio		
	Trivandrum (Kerala)		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)

1	2	3	4
10. Award for Best Audiography :			
NENJATHAI KILLATHE (Tamil)	Shri S. P. Ramanathan 14 I Cross St. Dr. Subbaya Nagar, Madras-24		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees Seven thousand and five hundred only)
11. Award for Best Editing :			
AAKALER SANDHANE (Bengali)	Shri Gangadhar Naskar, C/o Mrinal Sen 14, Beltola Rd., Calcutta.		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees Seven thousand and Five hundred only)
12. Award for Best Art Direction :			
BHAVNI BHAVAI (Gujarati)	Smt. Meera Lakhia, C/o Sanchar Film Cooperative Society Ltd., Nehru Foundation for Development, Vastrapur Road, Thaltaj Tekra, Ahmedabad.		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees Seven thousand and five hundred only)
13. Award for Best Music Direction :			
HIRAK RAJAR DESHE (Bengali)	Shri Satyajit Ray 1/1 Bishop Lefroy Rd., Calcutta-20		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
14. Award for Best Male Playback Singer :			
HIRAK RAJAR DESHE (Bengali)	Shri Anup Ghosal C/o Shri Satyajit Ray 1/1, Bishop Lefroy Rd., Calcutta-20		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
15. Award for Best Female Playback Singer :			
OPPOL (Malayalam)	Smt. S. Janaki, 49, 3rd St., Seethamma Colony, Madras-7		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
16. Award for the Best Feature Film in each regional language :			
(a) ANIRBAN (Assamese)	PRODUCER Smt. Preeti Saikia, Bungalow No. T-29 Station Road, Gauhati-1 DIRECTOR Shri B.N. Saikia Bungalow No. T-29 Station Road, Gauhati-1		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fifteen thousand only)
(b) HIRAK RAJAR DESHE (Bengali)	PRODUCER Department of Information & Cultural Affairs, Govt. of West Bengal Writers Building, Calcutta-1 DIRECTOR Shri Satyajit Ray 1/1 Bishop Lefroy Rd., Calcutta-20		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees Seven thousand and five hundred only)
(c) AAKROSH (Hindi)	PRODUCER Shri Devi Dutt Krsna Movies Enterprise 9, Little Gift, 19th Road, Khar, Bombay-52 DIRECTOR Shri Govind Nihalani, 139, 6th Floor, 'Aaradhana', Behind Bhavishya Nirvan Nidhi Bhavan Bandra (E), Bombay-51		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fifteen thousand only)
(d) YAGAM (MALAYALAM)	PRODUCER Smt. B. Chandramani Bai Sivans Building Pongummood, Trivandrum (Kerala) DIRECTOR Shri Sivan Sivan Studio Trivandrum (Kerala)		Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fifteen thousand only)
			Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees Seven thousand and five hundred only)

1	2	3	4
(e) CHANN PARDESEE (Punjabi)	<p>PRODUCER Smt. Swarn Sedha 2118, Sector 15-C, Chandigarh.</p> <p>Shri J.S. Cheema, (same as above) Shri Baldev Gill (same as above)</p> <p>DIRECTOR Shri Chitrartha Singh 'Tudor', 19-3rd St., Santacruz (E) Bombay-55.</p>	<p>Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fifteen thousand only) to be shared jointly)</p> <p>Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees Seven thousand and five hundred only)</p>	
(f) NENJATHAI KILLATHE (Tamil)	<p>PRODUCER Shri K. Rajagopal Chetty C/O Devi Films Pvt. Ltd. 234, Mint Street, Madras-3</p> <p>DIRECTOR Shri J. Mahendran 12V, Main Road, Madras-28</p>	<p>Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fifteen thousand only)</p> <p>Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees Seven thousand and five hundred only)</p>	
(g) HARISHCHANDRUDU (Telugu)	<p>PRODUCER Shri U.D. Murali Krishna, 14, IIIrd Street Habibullah Road T. Nagar, Madras-17</p> <p>DIRECTOR Shri U. Visweswara Row (same as above)</p>	<p>Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fifteen thousand only)</p> <p>Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees Seven thousand and five hundred only)</p>	
II—SHORT FILMS			
1. BEST INFORMATION FILM (DOCUMENTARY)			
DALDAL (Quicksand) (Hindi)	<p>PRODUCER Smt. Krystyna Khote C/o Durga Khote Productions India House, Opp. G. P. O., Ist Floor, Bombay-1</p> <p>DIRECTOR Shri Pradeep Dixit 5 "Shankar", Shirole Road, Shivaji Nagar, Pune 4</p>	<p>Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)</p> <p>Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand only)</p>	
2. BEST EDUCATIONAL/INSTRUCTIONAL FILM			
MARICULTURE (English)	<p>PRODUCER Film Division, Govt. of India, "Film Bhavan", 24, Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-26</p> <p>DIRECTOR Shri C.J. Paulose, C/O Films Division "Film Bhavan", 24, Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-26</p>	<p>Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)</p> <p>Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)</p>	
3. BEST PROMOTIONAL FILM (Non-commercial/Commercial):			
OIL OFFSHORE (English)	<p>PRODUCER Shri Prem Prakash Asian Films 72, Janpath, New Delhi</p> <p>DIRECTOR Shri Satya Prakash Asian Films 72, Janpath, New Delhi</p>	<p>Rajat Kamal (Silver Lotus)</p> <p>Rajat Kamal (Silver Lotus)</p>	

1	2	3	4
4. BEST EXPERIMENTAL FILM ARRIVAL (English)	PRODUCER Film Division, Govt. of India, "Film Bhawan", 24, Dr. G. Deshmukh Marg Bombay. DIRECTOR Shri Mani Kaul, 21, 'Chitrakoot' Altamount Road, Bombay-26	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)	
5. BEST NEWSREEL CAMERAMAN TRAGEDY OF GENDI (INR No. 1657)	CAMERAMAN (i) Shri Rajgopal Rao & (ii) Shri M.P. Sinha Film Division, Govt. of India "Film Bhawan", 24, G. Deshmukh Marg, Bombay-26	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only) to be shared jointly.	
6. BEST INDIAN NEWS REVIEW DAY OF THE DARK SUN (English)	PRODUCER Film Division Govt. of India, "Film Bhawan", 24, G. Deshmukh Marg, Bombay-26	Rajat Kamal (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)	
7. SPECIAL COMMENDATION OF THE JURY THE CHOLA HERITAGE (English)	PRODUCER & DIRECTOR Shri Adoor Gopalakrishnan Darshanam Productions Trivandrum 17.		
PAMPA (English)	PRODUCER Film Division Govt. of India "Film Bhawan" 24, G. Deshmukh Marg, Bombay-26 DIRECTOR Shri P.C. Sharma Film Division Govt. of India, "Film Bhawan", 24, G. Deshmukh Marg, Bombay-26		
1	2	3	4

III. DADA SAHEB PHALKE AWARD

Shri P. Jairaj,
393, 19th Road,
Khar, Bombay-52.

Swaran Kamal
(Golden Lotus) and a cash prize of
Rs. 40,000 (Rupees Forty thousand only)
and a shawl.

D. MUKHOPADHYAY
Deputy Director.

The 21st April, 1981

No. 4/21/81-FFD.—It is hereby notified that according to the decision of the Central Government to institute a new award for the best book on Cinema of 1980, it has been decided to give the award to the following person:—

S. No.	Title of the Book and language	Name of the Award Winner	Award
1.	Chalachitra Samaj O Satyajit Ray	Sh. Amitabha Chattopadhyaya Film Study Centre Asansole West Bengal	Rajat Kamal (Silver Lotus) & cash prize of Rs. 5,000/- (Rs. Five thousand only)

D. KRISHNA RAO
Deputy Director.
Directorate of Film Festival

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 19th May 1981

No. A-12011/26/80-Exh. (A).—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri J. L. Sharma as Senior Artist in this Directorate in a temporary capacity w.e.f. the forenoon of 27th April, 1981, Until further orders.

J. R. LIKHI,
Deputy Director (Admn.),
for Director of Advertising & Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 6th May, 1981

No. A-19018/5/81-CGHS-I—Consequent upon his transfer from CGHS Allahabad to CGHS Delhi Dr. M.B. Singh, Ayurvedic Physician relinquished charge of the post of Ayurvedic Physician under CGHS Allahabad with effect from the afternoon of 8-4-1981 and assumed charge of the post of Ayurvedic Physician under CGHS Delhi, with effect from the afternoon of 10-4-81.

The Director of Health Service is pleased to appoint Dr. M. B. Singh to the post of Ayurvedic Physician in the CGHS on temporary basis with effect from the afternoon of 10-4-81.

T. S. RAO,
Dy. Director Admn. (CGHS. I)

New Delhi, the 20th May, 1981

No. 6-35/79-DC.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri C. L. Chowdhury, Research Assistant (Pharmaceutical Chemistry) General Drugs Laboratory Calcutta to the post of Technical Officer (Pharmaceutical Chemistry) in the same laboratory, with effect from the forenoon of 25th April, 1981 on an *ad-hoc* basis and until further orders.

Smt. Papiya Bhattacharya relinquished the charge of the post of Technical Officer (Pharmaceutical Chemistry), Central Drugs Laboratory, Calcutta, on the same day.

SHIV DAYAL,
Deputy Director Administration (Stores)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 16th May, 1981

No. A. 19025/5/81-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri V. Balakrishnan has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Gr. II) in this Directorate at Madras w.e.f. 10-4-81 (A.N.) until further orders.

No. A. 19027/2/80-A-III.—The ad-hoc appointment of Sh. D. P. Bandooni to the post of Hindi Officer in this Directorate at Faridabad has been extended upon 31-5-1981.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser.
to the Govt. of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay, 400085 the 15th May 1981

No. PA/76(3)/80-R-III (I).—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Narayana Damodara Pai officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of March 7, 1981 until further orders.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer.

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORE

Bombay-400001, the 14th May, 1981

No. DPS/2/15/80-Est/100/80.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. Unnikumar, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35, 850-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from the forenoon of April 6, 1981 until further orders.

K. P. JOSEPH,
Administrative Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 20th May, 1981

No. AMD-1/35/80.—Rectt. Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. Rajagopal as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of May 13, 1981 until further orders.

M. S. RAO,
Sr. Administrative & Accounts Officer.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION (INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

The 20th May 1981

No. A. 32014/4/81-E.I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants, India Meteorological Department as Assistant Meteorologists in an officiating capacity in the same Department with effect from 15-4-1981 and until further orders:—

1. Shri S. Venkataramani
2. Shri R.P. Kapoor
3. Shri Y.N. Kanitkar
4. Shri V.M. Mathew
5. Shri R.N. Zalpuri
6. Shri G. Rakshit
7. Shri V. Rama Rao
8. Shri A.K. Das
9. Shri R.D. Agnihotri
10. Shri K.V. Krishnamurthi
11. Shri P. Manickam
12. Shri M. Venkataramani
13. Shri H.C. Malhotra
14. Shri N.N. Tandon

15. Shri C.R. Chatterjee
16. Shri C.K. Mani
17. Shri M. Das
18. Shri Harbans Singh-I
19. Shri S.M. Rudra
20. Shri Gurbax Singh
21. Shri G. Krishnamurthy
22. Shri S.R. Sawhney
23. Shri Y.H. Joshi
24. Shri V. Nagar
25. Shri V. Natarajan
26. Shri Harbans Singh-II
27. Shri K.S. Krishnamurthy
28. Shri S. Govindarajan
29. Shri R. Lakshminarayanan
30. Shri S. Venkataraman
31. Shri J.R. Banerjee
32. Shri N.C. Biswas
33. Shri K. Sundaram
34. Shri K.C. Pant
36. Shri K.S. Krishnaswamy
37. Shri S.N. Saxena
38. Shri L.H. Patterson
39. Sh. G.R. Swaminathan
40. Shri B.S. Nagar
41. Shri K. Gopalan
42. Shri Wazir Singh
43. Shri J.C. Sharma
44. Shri Mirza Nawab
45. Shri Lawrence Joseph
46. Shri P.A. Kamble
47. Shri R. Ramasubramanian
48. Shri B.B. Das Sarma
49. Shri P.G. Gawal
50. Shri P.M. Gondole
51. Shri Rattan Lal
52. Shri R. Ashok Raj
53. Shri N.R. Wadnap
54. Shri H. Dhan
55. Shri N. Tigga
56. Shri E. Raju
57. Shri I.M. Naik

K. MUKHERJEE
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 13th May 1981

No. A-32013/14/79-E.I.—The President has been pleased to appoint the following Dy. Director/Controller of Aeronautical

Inspection, to the post of Director of Aircraft Inspection/Aeronautical Inspection on regular basis with effect from 13-03-81.

S. No.	Name	Station of Posting.
1.	Shri K.N. S. Krishnan	Director of Aircraft Inspection, Head Quarters.
2.	Shri S.P. Marya	Director of Aeronautical inspection, Regional Director office, New Delhi.
3.	Shri S.N. Sharma	Director of Aeronautical Inspection, H. qrs.

New Delhi, The 15th May 1981

No. A-19011/7/80-E.I.—The President is pleased to grant ex-officio status of Deputy Director General of Civil Aviation to Deputy Director, Civil Aviation Security.

2. Accordingly Shri M. L. Bhanot, Deputy Director, Civil Aviation Security shall also be ex-officio Deputy Director General in the Civil Aviation Department.

The 16th May 1981

No. A. 12025/3/71-E. I. (Vol. II).—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the *ad-hoc* appointment of Shri K. K. Sharma to the post of Hindi Officer in the Civil Aviation Department on *ad-hoc* basis upto 31-12-81 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

THE 22nd May 1981

No. A. 32013/7/80-E. I.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/7/80-E.I. dated the 5th September, 1980 the President is pleased to continue the *ad-hoc* appointment of Shri Jagdish Chandra to the post of Regional Director in the Civil Aviation Department from 16-2-81 to 17-3-81.

S. GUPTA,
Dy. Director of Administration.

New Delhi, the 21st May 1981

No. A. 32013/10/80-EC—The President is pleased to appoint the following two Communication Officers to the grade of Senior Communication Officer on *ad-hoc* basis for a period of six months w.e.f. the date indicated against each or till the vacancies are available in the grade whichever is earlier and to post them to the station indicated against each:—

No.	Present stn. of posting	stn. to which posted	Date of taking over charge
S/Shri			
1. D.V.S. Dahlya	Aero. Comm. Station, Agartala.	Aero. Comm. Comm. Stn. Calcutta.	31-3-81 (FN)
B. M. Barari	Regional Office Calcutta.	Aero. Comm. Stn. Calcutta	16-3-81 (FN)

The 23rd May, 1981

No. A. 32013/2/80-EC—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis upto 30-6-81 w.e.f. the date indicated against each and to post them to the station indicated against each:—

S. No.	Name	Present Stn. of posting	Stn. to which posted.	Date of taking over charge
S/Shri				
1.	C.N. Mahadev	Aero. Comm. Stn, Palam	Aero. Comm. Stn, Palam	8-4-81 (FN)
2.	R. Ramamurthy	Aero. Comm. Stn, Palam	Aero. Comm. Stn, Palam	8-4-81 (FN)
3.	K.G. Louis	Aero. Comm. Stn, Hyderabad.	Aero. Comm. Stn, Hyderabad	14-4-81 (FN)
4.	M.G. Sudershan	Civil Aviation Trg. Centre, Allahabad	Civil Aviation Trg. Centre, Allahabad	10-4-81 (FN)
5.	M.V. Ramanan	Aero. Comm. Stn, Madras	Aero. Comm. Stn, Madras	16-4-81 (FN)
6.	A. Rajagopalan	Aero. Comm. Stn, Bombay	Aero Comm. Stn, Bombay	16-4-81 (FN)
7.	Mukhtiar Singh	Aero. Comm. Stn, Lilabari	Aero. Comm. Stn, Gauhati.	23-4-8 (FN)

The 25th May, 1981

No. A-31014/1/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Officers in the grade of Assistant Technical Officer in a substantive capacity in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department w.e.f. 1-4-81:—

Sl. No.	Name	Station of posting
1	2	3
S/Shri		
1.	K.G. Louis	Aero. Comm. Stn., Hyderabad
2.	M.V. Ramanan	Aero. Comm. Stn, Madras.
3.	A. Rajgopalan	Aero. Comm. Stn, Bombay.
4.	Mukhtiar Singh	Aero. Comm. Stn, Gauhati.
5.	R. Ramamurthy	Aero. Comm. Stn, Palam
6.	C.N. Mahadev	Aero. Comm. Stn, Palam.
7.	M. Raghavan	Aero. Comm. Stn, Bombay.
8.	M.A. Rao	Aero. Comm. Stn, Calcutta.
9.	Sarjit Singh	Aero. Comm. Stn, Nagpur.
10.	Cyril Herman	Aero. Comm. Stn, Hyderabad.
11.	M.P. Sama	Civil Aviation Trg Centre, Allahabad.
12.	S.K. Bhattacharya	Aero. Comm. Stn, Agartala.
13.	H.S. Sarma	Radio Const. & Dev. Units, N. Delhi.
14.	N.S. Apte	Aero. Comm. Stn, Bhavnagar.
15.	J.M. Krishnan	Aero. Comm. Stn, Madurai.
16.	K.C. Devgun	Radio Const. & Dev. Units, N. Delhi.
17.	V.P. Narang	Controller, C.R.S.D., New Delhi
18.	S.S. Nepalli	Aero. Comm. Stn, Calcutta.
19.	A.K. Dey	Aero. Comm. Stn, Calcuta.
20.	R. Vittal Singh	Aero. Comm. Stn, Bangalore.
21.	T.N. Viswanathan	Aero. Comm. Stn, Coimbatore
22.	P.C. Jain	Stock Taking Party c/o Controller, Central Radio Stores Depot, N. Delhi.

1	2	3
23.	V.K. Sharma	Aero. Comm. Stn, New Delhi.
24.	Harbhagvan	Aero. Comm. Stn, Bombay.
25.	T.D. Sharma	Aero. Comm. Stn, Palam.
26.	M.K. Chatterjee	Aero. Comm. Stn, Calcutta.
27.	P.K. Sengupta	Aero. Comm. Stn, Ranchi.
28.	G.D. Kulkarni	Aero. Comm. Stn, Bombay.
29.	Rai Chand	Radio Const. & Dev. Units, N. Delhi.
30.	Plara Singh	Aero. Comm. Stn, Amritsar.
31.	Indarjit Sharma	Aero. Comm. Stn, Gaya.
32.	T.R. Menon	Aero. Comm. Stn., Calcutta.
33.	G.S. Kochikar	Aero. Comm. Stn, Imphal.
34.	K.S. Balasubramaniam	Aero. Comm. Stn, Bombay.
35.	Manohar Singh	Aero. Comm. Stn, Ahmedabad
36.	P.N. Nayar	Controller, C.R.S.D., New Delhi
37.	M.D. Ranganathan	Aero. Comm. Stn, Tirupathy.
38.	H.L. Sharma	Aero. Comm. Stn, Palam.
39.	Y.P. Bhatia	Aero. Comm. Stn, Lucknow.
40.	B.R. Rao	Aero. Comm. Stn, Bombay.
41.	V. Krishnamurthy	Aero. Comm. Stn, Madras
42.	S.N. Singh	Aero. Comm. Stn, Varanasi.
43.	M.K. Gore	Aero. Comm. Stn, Bombay.
44.	D.N. Biswas	Aero. Comm. Stn, Calcutta
45.	A.K. Misra	Civil Aviation Trg. Centre, Allahabad.
46.	R. Srinivasan	Aero. Comm. Stn, Madras.
47.	K.G. Joseph	Aero. Comm. Stn, Cochin.
48.	H.C. Tewari	Civil Aviation Trg. Centre, Allahabad.
49.	K.B. Kriplani	Aero, Stn, Bombay.
50.	B.K. Mukherjee	Aero. Comm. Stn, Calcutta.
51.	A.C. Dutta	Aero. Comm. Stn, Calcutta.
52.	Kalidas Mukherjee	Aero. Comm. Stn, Calcutta.
53.	S.C. Ghosh	Radio Const. & Dev. Units, N. Delhi.

1	2	3
54. S.S. Parashar	.	Aero. Comm. Stn, Nagpur.
55. T.V. Gopalakrishnan	.	Aero. Comm. Stn, Calcutta.
56. C.R. Dasgupta	.	Aero. Comm. Stn, Calcutta.
57. M.K. Chakravorty	.	Aero. Comm. Stn, Calcutta.
58. S.P. Chakravorty	.	Aero. Comm. Stn, Calcutta.
59. M.B. Gajbhiye	.	Aero. Comm. Stn, Gauhati.
60. N.S. Sapre	.	Aero. Comm. Stn, Bombay.
61. B.S. Bakshi	.	Controller, C.R.S.D., New Delhi.
62. C.P. Rao	.	Aero. Comm. Stn, Keshod.

PREM CHAND.
Assist. Dir. of Admn.
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 23rd May 1981

No. A. 32014/2/80-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri R. G. Sinc, Superintendent as Administrative Officer (Group 'B' post) on ad-hoc basis, in the office of the Regional Director, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay, for a period of 6 months with effect from the forenoon of the 1st April, 1981.

J. C. GARG,
Asstt. Director of Administration.

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 23rd May 1981

No. 7/81.—Shri L. C. Bhatia, lately posted as Assistant Narcotics Commissioner, Gwalior, on transfer to the Headquarters office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi vide Department of Revenue order No. 41/81 (F. No. A-22012/33/81-Ad. 11) dated 24-3-81, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' on 1-5-81 (Forenoon).

S. B. SARKAR,
Director of Inspection.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 20th May, 1981

No. A-19012/904/81-Estt. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of E.A.D./A.E. (Engg.) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier with effect from the dates shown against their names:—

S. No.	Name of Officer with designation	Date of assumption of charge as EAD/AE	Where posted
	S/Shri		
1.	V. U. Koundanya Design Assistant	10-3-1981(FN)	C.S.M.R.S.
	Kamal Madnani, Design Assistant	11-3-1981(FN)	H.C.D. II Directorate, New Delhi.

The 22nd May 1981

CORRIGENDUM

No. A-19012/891/80-Adm. V.—The date of assumption of charge as E.A.D./A.E. in respect of Shri Rajender Prasad, Supervisor viz. 10-11-80 (F.N.) appearing at Sl. No. 4 of Notification No. A-32014/1/80-Adm. V dated 29th December, 1980 may be read as 3-11-80.

A. BHATTACHARYA
Under Secretary,
Central Water Commission.

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 21st May, 1981

No. 79/EB-I/1500/8.—It is hereby notified for general information that Guntakal (exclusive)—Nandyal (inclusive) Section has been transferred from the jurisdiction of Vijayawada Division of the South Central Railway to the Guntakal Division of that Railway with effect from 1-2-1981. The jurisdiction of Guntakal Division will now extend upto Nandyal (inclusive) with corresponding reduction in the jurisdiction of Vijayawada Division.

The adjustment has been made in the interest of the Railway's day-to-day administration for improving the operational efficiency in the area.

HIMMAT SINGH,
Secretary, Railway Board
and Ex-officio Joint Secretary
to the Government of India.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Delhi Machine Syndicate Private Limited

Delhi, the 20th May, 1981

No. 603/9903—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Delhi Machine Syndicate Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Rashtriya Sahitya Niketan Limited

Delhi, the 20th May, 1981

No. 1060/9899—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Rashtriya Sahitya Niketan Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. P. C. Khurana and Brothers Private Limited

Delhi, the 20th May, 1981

No. 1377/9894—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s P.C. Khurana and Bros. Pvt. Limited has this

day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

D. N. RAGU
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s.
Galaxy Finance & Chit Fund Pvt. Limited.*

Delhi, the 19th May 1981

No. 3827/9662—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Galaxy Finance & Chit Fund Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

HAR LALL
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s
Simca Auto Private Ltd.*

Delhi, the 19th May 1981

No. H/6730/9804—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Simco Auto Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s
Gurnama Private Ltd.*

Delhi, the 19th May 1981

No. 7276/9639—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Gurnama Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Vasant Tea Company Private Ltd.*

Delhi, the 19th May, 1981

No. 7455/9609—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Vasant Tea Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Yamuna Tea Company Private Ltd.*

Delhi, the 19th May, 1981

No. 7456/9646—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Yamuna Tea Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Ready Press of India Private Ltd.*

Delhi, the 20th May 1981

No. H-2506/9890—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that

at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ready Press of India Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. B. SAXENA
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

*"In the matter of Companies Act, 1956 and of
Raj & Raj Limited."*

Kanpur, the 19th May, 1981

No. 7836/4184-LC—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of the Companies Act, 1956 that the name of the Raj & Raj Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

V. P. KAPOOR
Registrar of Companies
U.P., Kanpur.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Orient Minerals and Traders Private Ltd.*

Orissa, the 14th May, 1981

No. SO/563/81—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Orient Minerals and Traders Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. SEAL
Registrar of Companies,
Orissa.

*In the matter of Companies Act, 1956 of
M/s. National Chit Fund Private Ltd.*

Madras-600 006, the 7th May, 1981

No. DN 1774/560(5)/81—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. National Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies,
Tamil Nadu, Madras.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

Ranchi, the 1st April, 1981

F. No. Adm./GL-30/78-79—In modification of this Office Notification of even no. dated 21-4-1979 the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Special Range, Ranchi will henceforth be known as "Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Assessment Range", Ranchi.

C. B. RATHI
Commissioner of Income-tax,
Ranchi.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th May 1981

Ref. No ASR/81-82/53—Whereas I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A Factory Shed situated at Taran Taran Road, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in September, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohinder Singh adopted
s/o Shri Kishan Singh
Smt. Sham Kaur
d/o Shri Kishan Singh,
Sh. Ajaib Singh
s/o Sh. Sant Singh
& Smt. Rashpal Kaur
wd/o Sant Singh,
S/Shri Inderpal Singh,
Gusharan Singh, Hardip Singh, Rajinder Singh,
ss/o Sh. Ajaib Singh,
r/o Chowk Moni, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Murari Lal Batra
s/o Sh. Madan Lal
r/o o/s Chatiwind Gate, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. overleaf & Tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other
[Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property No. 2392/1617 min, Khana Shumari No. 3157/14-25 situated at o/s Chatiwind Gate, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1708 dated 1-9-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar-3 Chanderpuri, Taylor Road,
Amritsar.

Date : 15-5-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th May 1981

Ref. No. ASR/81-82/54.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A Factory Shed situated at Taran Taran Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer — at Amritsar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Mohinder Singh adopted son of Sh. Kishan Singh, Smt. Sham Kaur wd/o Sh. Kishan Singh and Ajaib Singh s/o Sant Singh,
Smt. Rashpal Kaur wd/o Sh. Sant Singh,
S/Shri Inderpal Singh,
Gursharan Singh,
Hardeep Singh
& Rajinder Pal Singh
ss/o Sh. Ajaib Singh,
r/o Chowk Moni, Amritsar.

(Transferors)

- (2) Smt. Bimla Batra
w/o Shri Murari Lal
r/o outside Chatiwind Gate,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No.2 overleaf & Tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property No. 2399/1617 min Khana Shumari No. 3157/14-25 min situated at o/s Chatiwind Gate, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1709 dated 1-9-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Amritsar
3-Chanderpuri, Taylor Road Amritsar.

Date :15-5-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st May 1981

Ref No. Iac/Acq-I/SR-III/9-80/1333—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Neb sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Zile Singh
s/o Tokh Ram (1/3),
Har Karan, Chander
s/o Khubi alias Khuba (1/3),
r/o Vill. Neb Sarai, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Mathai Chacko
s/o Late Sh. Vallyakalayil Mathai Chacko
r/o 82, Uday Park,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land area 5 bighas and 5 biswas, K. No. 255/(-9), 256(3-16), situated in village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 21-5-81
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1981

Ref. No. IAC/Acq.—I/SR-III/9-80/1241—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill, Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ram Pershad
s/o Ram Mehar
r/o Lado Sarai, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Mahinder Partap Singh
s/o late Sardar Partab Singh
r/o Panchshila Park,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in age. land area 12 bighas and 12 biswas M. No. 78, Killa No. 1 (4-16), 10(4-16), 11 (3-0) Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Dated : 23-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1334—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Neb sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Zile Singh
s/o Tokh Ram (1/3) Har Karan, Chander
s/o Kanahya (1/3), Richpal Singh,
Tara Chand, Mai Chand
s/o Khubi alias Khuba (1/3),
r/o Neb Sarai, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Arun Mathai Chacko
s/o Late Sh. Vallyakalayi Mathai Chacko
r/o 82, Uday Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land area 5 bighas and 5 biswas K. No. 255 (1-9), 256(3-16), Situated in village Neb Sarai Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, New Delhi.

Date : 21-5-81
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1981

Ref : No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1242—Whereas I,
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—106GI/81

- (1) Sh. Ram Pershad
s/o Shri Ram Mehar
r/o Village Lado Sarai,
Tehsil Mehrauli,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Mahinder Partap Singh
s/o late Sardar Partab Singh,
r/o Panchshila Park,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land area 12 bighas and 12 biswas M. No. 78, Killa No. 1 (4-16), 10 (4-16), 11(3-0) Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Dated : 23-5-81

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi the 23rd May 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1214—Whereas I. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Lal. Chand,
Siri Chand Sheo Chand
sons of Chaman Lal of
village Kapashera,
Tehsil Mehrauli,
New Delhi

(Transfereor)

(2) Sh. Parveen Jain
s/o Manak Chand Jain
r/o C-2/54,
Safdarjang Development Area,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agr. land area 26 bighas & 1 biswas Khata No. 186 old K. No. 114 and New K. No. 193 min, Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner or Income-Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Dated : 23-5-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1981

Ref: No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1216—Whereas I,
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill, Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Sept 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Lal Chand,
Siri Chand,
Sheo Chand
son of Chaman Lal of
Village Kapashera,
Tehsil Mehrauli,
New Delhi

(Transferor)

(2) Mrs. Manju Jain
w/o Ramesh Jain
r/o C-2/54,
S.D.A.
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land area 13 bighas & 10 biswas Khata No. 375, old K. N9. 113, New K. No. 193 min, village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Dated : 23-5-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1981

Ref: No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1215—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Lal Chand,
Siri Chand,
Sheo Chanda sons of
Chaman Lal, of
Village Kapashera,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Ramesh Jain
s/o Shri Manak Chand
r/o C-2/54,
Safdarjang Development Area,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agr. land area 26 bighas & 1 biswas Khata No. 186, old K. No. 114 and New K. No. 193 min, village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner or Income tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Dated : 23-5-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1981

Ref: No IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1382—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. M. K. Jain
s/o Shri Fateh Chand Jain
r/o C-41,
Green Park,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. J. C. Khandelwal
s/o Gaurishaji,
C-1/33, S.D.A.
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas K. No. 231 min, situated in village Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Dated : 23-5-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/ 9-80/1344 – Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Sept. 1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Khazan,
s/o Chhajwa
r/o Village Aya Nagar,
Tehsil Mehrauli,
New Delhi.

(Transferor)

(2) The Village Hut.
H-39,
Green Park Extn.
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/6th share in agr. land area 28 bighas and 1 biswas K. No. 1792/1 (1-17), 1793/1 min (3-15), 1848/3 (0-4), 1820/1 (1-18), 1821/2 (3-11), 1844/2 (3-11), 1845/2, (2-9), 1552/3 (1-6), 1553 1 (2-4), 1554/1 (2-4), 1555/2 (1-3), 1884/1 (2-4), 1885/3 (0-12), 1883/3 (1-3), & 1/4th share in 1871 min (4-0), situated in Village Aya Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

Dated : 21-5-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

New Delhi, the 21st May 1981

Ref : No. IAC/Acq/SR-III/9-80/1247—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Sept. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Muni Ram and Mool Chand
son of Mangat of
Village Aya Nagar,
Tehsil Mehrauli,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. The Village Hut,
H-39,
Green Park Extn.,
New Delhi.
through Shri M. C. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas K. No. 1863/1 (3-0), 1870/3 mi
(1-0) Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Dated : 21-5-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. IAC Acq-I/SR-III/9-80/1251—Whereas I
VIMAL VASISHT,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. Agr. land situated at Vill. Aya Nagar, Tehsil Mehrauli,
New Delhi.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
on Sept. 1980for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

(1) Sh. Muni Ram and Mool Chand sons of Mangat of
Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.
(Transferor)

(2) Sh. The Village Hut,
H-39, Green Park Extn.
New Delhi,
Through M. C. Gupta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas K. Nos. 1858 (3-18), 1864/2
min (0-2) Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

Dated : 2-5-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I

New Delhi, the 21st May 1981

Ref : No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1407—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at.....on Sept. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—106GI/81

(1) Sh. Sohan Lal
s/o Yadu
r/o village Aya Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) The Village Hut.
H-39, Green Park Extn.
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 3 bighas and 1 biswas K. No. 770/1 (1-11), 772/2 (1-10) situated in Vill. Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range I
Delhi/ New Delhi

Dated : 21-5-81
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I

New Delhi, the 21st May 1981

Ref. : No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1408—Whereas I,
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Aya Nagar, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Sohan Lal
s/o Yadu
r/o Vill. Aya Nagar,
Tehsil Mehrauli,
New Delhi.

(Transferor)

(2) The Village Hut,
H-39,
Green Park Extn.
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 5 bighas and 5 biswas K. No. 771/2,
Village Aya Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range I
New Delhi/New Delhi

Dated : 21-5-81
Seal : .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1393—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Sept. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ganni
s/o Yaad Ram
r/o Village Aya Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) The Village Hut,
H-39,
Green Park Extn.,
New Delhi
through Shri M. C. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 5 bighas and 12 biswas K. No. 1584/3 (1-2), 1810/1 (3-8), 1883/1 (0-12), situated in Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 21-5-81
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1248—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Muni Ram and Mool Chand sons of Mangat of Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) The Village Hut, H-39, Green Park, Extn., New Delhi through M. C. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas K. No. 1857 min South side (3-5), 1864/2 min (0-15), Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ranges-I
Delhi/New Delhi

Date : 21-5-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1345—Whereas I VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (4) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

- (1) Sh. Prithi
s/o Chhajwa
r/o Village Aya Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) The Village Hut, H-39, Green Park Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in agr. land area 28 bighas and 1 biswa K. No. 1792/1 (1-17), 1793/1 min (3-15), 1848/3 (0-4), 820/1 (1-18), 1821/2 (3-11), 1844/2 (3-11), 1845/2 (2-9), 1552/3 (1-6), 1553/1 (2-4), 1554/1 (2-4), 1555/2 (1-3), 1884/1 (2-4), 1885/3 (0-12), 1883/3 (1-3) & 1/4th share in agr. land area 4 bighas K. No. 1871 min situated in Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 21-5-81
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI,**

New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/79-80/1249—whereas I,
VIMAL VASISHT,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, Tehsil
Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in Sept. 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Sh. Muni Ram Mool Chand,
son of Mangat of Village Aya Nagar,
Tehsil Mehrauli,
New Delhi.

(Transferor)

(2) The Village Hut,
H-39,
Green Park Extn.,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas K. Nos. 1862/1 (3-0), 1864/2 min
(0-12, 1870/3 min (0-8), Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli
New Delhi

VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 21-5-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/9-80/1250.—Whereas I,
VIMAL VASISHTbeing the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. Agricultural land situated at Village Aya Nagar, Tehsil
Mehrauli, New Delhi(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Delhi in September, 1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons
namely :—(1) Shri Muni Ram and
Shri Mool Chand
sons of Mangat
r/o Village Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) The Village Hut,
H-39, Green Park Extn.,
New Delhi,
through M. C. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas K. No. 1867 (3-18), 1870/3
min. (0-2), Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.Date : 21-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 21st May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1391.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hukam Singh
s/o Shri Chet Ram
r/o Village Aya Nagar,
Tehsil Mehrauli,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. The Village Hut,
H-39, Green Park Extn.,
New Delhi through
Shri M. C. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 7 bighas and 6 biswas K. No. 1552/2 (1-11), 1553/2 (2-12), 1554/2 (2-12), 1555/1 (0-11) situated in Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 21-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/9-80/1363.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Tajpul, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—106GI/81

- (1) Smt. Manorama
w/o Amrit Lal
r/o D-14, NDSE-II,
New Delhi and
w/o Chanchal Rani
r/o Harbans Lal
r/o F-41, NDSE-I, New Delhi and
Yash Rani
w/o Rameshwar Nath
r/o A-271, Defence Colony,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Ram Sarup Jerath (H.U.F.),
s/o Achhru Ram
r/o 389, Basant Avenue,
Amritsar (Punjab). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

1/3rd share in agricultural land area 5 bighas, K. No. 113/1 (1-0), 121/2 (3-10), Village Tajpul, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 23-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-1/S. R.-III/9-80/1364.—Whereas I,
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ag. Land situated at Vill Tajpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Manorma
w/o Anrit Lal
r/o D-14, N.D.S.E.-II, New Delhi and
Chanchal Rani
w/o Shri Harbans Lal
r/o F-41, N.D.S.E.-I, New Delhi,
Yash Rani
w/o Rameshwar Nath
r/o A-271, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Sarup Jerath
(H.U.F.),
s/o Achhru Ram
r/o 389, Basant Avenue,
Amritsar (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agricultural land area 5 bighas K. No. 113/1 (1-0), 121/2 (3-10), situated in Village Tajpuri, New Delhi.

VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 23-5-1981
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1365—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Tajpul, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Manorma
w/o Shri Amrit Lal
r/o D-14, N.D.S.E.-II,
New Delhi
Smt. Chanchal Rani
w/o. Shri Harbans Lal
r/o F/41 N.D.S.E.I.,
New Delhi &
Yash Rani
w/o Rameshwar Nath
r/o A-271, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Janak Jerath
w/o Ram Sarup Jerath,
r/o 389, Basant Avenue,
Amritsar (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agricultural land area 5 bighas K. No. 113/1 (1-10), 121/2 (3-10), situated in Village Tajpul, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 23-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 20th May 1981

Ref. No. GRG/20/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 659, situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vinod Kumar
Mohinder Kumar
sons of Shri Giani Ram,
Bank Colony, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur
w/o Shri Surender Singh,
Gurgaon Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 659/10 situated at Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3036 dated 5-9-80 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 21-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st May 1981

Ref. No. HSR/36/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 1480 sq. yards situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Krishan Murari,
2. Shri Balraj Rajinder Parshad,
3. Smt. Kamla Devi
Wd/o Shri Jagan Nath
r/o Hissar.

(Transferor)

- (2) Shiv Mandir Trust, Hissar
through Shri Pyare Lal,
Secretary,
Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 1480 sq. yards situated near D.N. College, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2826 dated 30-9-1980 with the Sub-Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 21-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st May 1981

Ref. No. AMB/71/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 108, Geeta Nagri, Ambala City situated at Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shanta Sethi
w/o Shri Ram Asra Sethi,
Field Hostel H. No. 11-12,
Thermal Power Colony,
Sector 22, H.S.E.B.,
Faridabad.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Singh
s/o Shri Bhagwan Singh,
V. & P. O. Kakru,
Teh. & District Ambala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 108 Gecta Nagri, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2926 dated 20-9-1980 with the Sub-Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 21-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th May 1981

Ref. No. BGR/60/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 801, Sector 7-C, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in September, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri H. K. Mehta
s/o L. A. R. Mehta,
5D/84, N.I.T., Faridabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Shakuntla Kamra
w/o Shri T. D. Kamra,
256, Denning Road,
South Civil Lines,
Jabalpur (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being House No. 801, Sector 7-C, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7134 dated 23-9-1980 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

G. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 14-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th May 1981

Ref. No. RTK/14/80-81.--Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 747/Ward No. 16 (New No. 932/Ward No. 18) situated at Hari Nagar, Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gasian Chaman Lal
s/o Gosian Gokal Chand,
c/o M/s Beer Auto Store, G. T. Road,
Karnal Industrial Area, Azadpur, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Chaudhary Ram
S/o Shri Thakur Dass
H. No. 747/Ward No. 16 (New No. 932/Ward No. 18),
Hari Nagar, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 747/Ward No. 16 (New No. 932/Ward No. 18, situated at Hari Nagar, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2853 dated 8-9-1981 with the Sub-Registrar, Rohtak.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 14-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th May 1981

Ref. No. JDR/64/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 140-A, Model Town, situated at Yamunagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

22—106 GI/81

- (1) 1. Shri Chaman Lal Duggal
s/o Shri Gian Chand Duggal,
Model Town,
Yamunanagar.
2. Subhash Duggal
s/o Chaman Lal Duggal,
R/o Model Town,
Yamunanagar.

(Transferor)

- (2) Shri Brij Mohan
s/o Shri Rameshwar Dass,
C/o M/s. Ramesh Metal Inds,
Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 140-A/L, Model Town, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3610 dated 24-9-1980 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 14-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th May 1981

Ref. No. Chhachhroli/5/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 193 kanals 8 marlas situated at Chhachhroli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chhachhroli in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kripal Singh
s/o Shri Shiv Charan Singh,
R/o Chhachhroli
Now House No. 433,
Sector No. 35-A,
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) S/Shri Perdeepender Pal Singh and
Kamaljit Singh
sons of Shri Tejinder Singh,
R/o Chhachhroli

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 193 kanal 8 marla situated at Chhachhroli and as more mentioned in the sale deed registered at No. 839 dated 22-9-1980 with the Sub-Registrar, Chhachhroli

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 19-5-1981
Seal :

FORM NO. LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th May 1981

Ref. No. KNL/83/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. C-685, G. T. Road, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Prem Lata
wd/o Shri Ramesh Chandra
H. No. 1540, Sector 13,
Urban Estate, Karnal.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vijay Kumar,
Sunil Kumar
sons of
Hari Sharan Dass,
H. No. 619, Chashtian Mohalla,
Karnal.

(2) Shri Pawan Kumar,
Anil Kumar
Ss/P. Late Sant Ram,
H. No. 301, Khatrian Mohalla,
Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given by that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Shop No. C-685, G. T. Road, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3060, dated 15-9-1980 with the Sub-Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 15-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

New Delhi, the 15th May 1981

Ref. No. Panipat/38/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House at situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Darbara Singh
S/o Shri Ishar Dass,
2. Shri Gobind Singh
s/o Darbara Singh,
R/o 170-171, Sector 14,
Rishi Colony,
Panipat.

(Transferor)

- (2) Shri Prabhu Dayal
s/o Shri Mange Ram,
R/o 118, Ram Nagar,
Teh. Camp, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2701 dated 8-8-1980 with the Sub-Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rang Rohtak.

Date : 15-5-1981
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st May 1981,

Ref. No. Hissar/31/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Double Storeyed shop-cum-flat No. B. XV-267, Purani Anaj Mandi situated at Hissar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ruli Ram
s/o Shri Sarup Aggarwal
R/o Krishna Mandi,
Hissar.

(Transferor)

(2) Mohinder Kumar
S/o Shri Khazan Chand,
R/o B. XV-267, Purani Mandi,
Hissar.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being B-XV/267 situated at Purani Anaj Mandi, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2690 dated 19-9-1980 with the Sub-Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 21-5-1981
Seal :

FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./939.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. D-73 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 10-9-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Gopal and
Shri Banshi Lal
sons of Shri Vradhi Chand Yadav,
Plot No. D-73,
Mangal Marg,
Jaipur.

(Transferor)

- (2) Shri Ratan Lal
S/o Shri Gujar Mal Jain,
Plot No. D-38,
Jyoti Marg,
Bapu Nagar,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-73 situated at Mangal Marg (Northern Line) Bapunagar, Jaipur and morefully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his No. 2358 dated 10-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 21-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./940.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-73 situated at Jaipur

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Gopal and
Banshi Lal
sons of Shri Vradhi Chand Yadav,
Plot No. D-73,
Mangal Marg,
Jaipur.

(Transferor)

- (2) Shri Ratan Lal
s/o Gujar Mal Jain,
Niwasi Plot No. D-38,
Jyoti Marg,
Bapu Nagar,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 73, Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his registration No. 2367 dated 10-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 21-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st May, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-6 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 9-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Desh Bandhu Kheda
S/o Shri Sunder Das Kheda,
Plot No. B-1,
Adrash Nagar,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Dr. Mahesh Upadhaya
S/o Late Shri B.D. Upadhaya
741, Gandhi Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land of Show Room No. D-6, Baraf Khana, Adrash Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his No. 2331 dated 9-9-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 21-5 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st May, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—106 GI/81

- (1) Shrimati Sardar Kumari,
17, Kalyan Kunj,
Jaipur.

(Transferor)

- (2) Shri Sukhjeet Singh
S/o Shri Ranveer Singh
Village Chak Uttamsingh Wala,
District Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot of land with Boundary wall situated at 17, Kalyan Kunj, Civil Lines, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his No. 2360 dated 10-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 21-5-1981
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st May, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. B. 108 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 30-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Snehlata
W/o Shri Pushpendra Singh,
Plot No. E-39,
Shastri Nagar,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Anand Kanwar
W/o Shri Chandra Moli Singh,
Parshuram Marg,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Shop No. 3, S. B. 108, Tonk Road, Lal Kothi, Jaipur and morefully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 2819 dated 30-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 21-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st May, 1981

Ref. No. I.A.C./A-7q.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 3 situated at Jaipur

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Jaipur on 11-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Snehlata
W/o Shri Pushpendra Singh,
Plot No. E-39,
Shastri Nagar,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Anand Kanwar
W/o Shri Chandramoli Singh,
Parshuram Marg,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Shop No. 3, S. B. 108, Tonk Road, Lal Kothi, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his No. 2938 dated 11-11-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 21-5-1981
Seal

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./948.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Ramganjmandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramganjmandi on 19-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Moti Lal
s/o Ram Lakhan Lakshari,
Tehsil Ramganjmandi

(Transferor)

(2) Shri Narain Lal
s/o Amar Lal Berwa,
Tehsil Ramganjmandi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16 Bigha 14 Biswa of Agricultural land at village Sali Kheda Tehsil Ramganjmandi District Kota and more fully described in the sale deed registered by S. R. Ramganjmandi (Kota) vide his No. 6, dated 19-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 23-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./949.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Ramganjmandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramganjmandi on 19-9-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Suwa Lal Nagla,
Shri Motilal
sons of Bhura Lashkari.

(Transferor)

(2) Shri Chandra
s/o Shri Dev Bux Lashkari,
Satal Kheda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

25 Bigha 2 Biswa of Agricultural land at village Satal Khedi Teh. Ramganjmandi District Kota and more fully described in the sale deed registered by S. R., Ramganjmandi (Kota) vide his registration No. 7 dated 19-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 23-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./945.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Ramganjmandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ramganjmandi on 23-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kashi Ram
S/o Moti,
Durjanpura,
Ramganjmandi, District Kota.

(Transferor)

(2) M/s. A. S. I. Limited,
Ramganjmandi, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 Bigha Agricultural land situated at Durjanpura, Teh. Ramganjmandi, Kota and morefully described in the sale deed registered by S. R., Ramganjmandi.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 22-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./946.—Whereas, I. M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Ramganjmandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramganjmandi on 19-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kashi Ram
s/o Moti,
Durjanpura,
Ramganjmandi (Kota).

(Transferor)

(2) M/s. A. S. I. Limited,
Ramganjmandi, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8 Bigha 3 Biswa Agricultural land situated at Village Durjanpura, Tehsil Ramganjmandi, Kota and morefully described in the sale deed registered by S. R., Ramganjmandi, Kota vide his No. 10 dated 19-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 23-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./951.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Ramganjmandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramganjmandi on 19-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Duli Chand
S/o Shri Nand Ram,
Durjanpura,
Tehsil Ramganjmandi.

(Transferor)

(2) M/s. A. S. I. Co. Limited,
Ramganjmandi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Durjanpura, Tehsil Ramganjmandi District Kota and more fully described in the sale deed registered by S. R., Ramganjmandi vide his No. 8, date 19-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-5-1981

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./950.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Ramganjmandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramganjmandi on 1-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—106 GI/81

(1) Shri Bhawanl Singh
S/o Bapu Singh Niwasi
Kumbhot,
Ramganjmandi.

(Transferor)

(2) M/s. A. S. I. Company Limited,
Ramganjmandi (Kota).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9 Bigha 14 Biswa Agricultural land situated at village Kumbha Kot, Ramganjmandi (Kota) and morefully described in the sale deed registered by S. R. Ramganjmandi vide hls No. 86 dated 1-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 23-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./947.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Ramganj Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramganjmandi on 19-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Bhanwar Lal
Niwasi Durjanpura,
Tehsil Ramganjmandi (Kota).

(Transferor)

(2) M/s. A. S. I. Limited,
Ramganjmandi (Kota).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9 Bigha 4 Biswa Agricultural land situated near Village Kumbhkot and morefully described in the sale deed registered by S. R. Ramganjmandi (Kota) vide his registration No. 9 dated 19-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 23-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-350009, the 2nd May 1981

Ref. No. P. R. 1369/Acq.-23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 462 situated at Raiya Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 6-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ramani Maniar & Co.
Rajkot.

(Transferor)

- (2) Shree Anjani Coop. Housing Society Ltd.,
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2 Acre 25 Gunthas bearing S. No. 462, situated at Raiya Road, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 5428 dated 6-9-1980.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 2-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM
HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th April, 1981.

Ref. No. P. R. No. 1368/Acq./23-I/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2581 C. No. 1651/1-2-2, Khadia-I situated at Raipur, Kapadiwad, Soni's Khancho, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bhanumatiben Jivram Khemchand;
Srinath Kripa Society,
Bungalow No. 37,
Near Uttamnagar, Maninagar,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Urmiladevi Rajendraprasad Gupta;
2. Savitriben Laxminarayan Agrawal;
D-59, Mukta Ram Babu Street,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 58 sq. yds. bearing S. No. 2581—C. No. 1651-1651/1-2-3, Khadia Ward-I, situated at Kapadiwad, Raipur, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 12356/80/19-9-80 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-4-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 13th May, 1981

Ref. No. III-485/Acq./81-82.—Whereas I, V. N. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Touzi No. 5753/18232 Thana No. 3, Khuta No. 67, Khcsara No. 751, 752 situated at Rajapur Hassan P. S. Digha, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna, on 9-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhuneshwar Pd. Singh and Shri Magneshwar Pd. Singh both sons of Shri Mahadeo Sharan Singh of Village Teus, P. S. Barbiga, District Monghyr at present Mohalla Kankarbagh Colony, Patna-16.

(Transferor)

- (2) Smt. Indira Agrawal W/o Shri Radhey Pd. Agarwal and d/o Shri Bindeshwari Pd. Agarwal resident of Daulatganj, Chapra Town, Chapra at present residing at Mohalla Kankarbagh Colony, Patna-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Homestead land measuring 4 Katha 1 dhur 1 dhurki situated at Mohalla Rajapur Hassan, P. S. Digha District Patna more fully described in deed No. 6753, dated 9-9-80 registered with D.S.R., Patna.

V. N. SHRIVASTAVA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 13-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 15th May 1981

Ref. No. III-486/Acq./81-82—Whereas, I, V. N. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 471, M. S. Plot No. 1358 situated at Mouza Lalpur P. S. Ranchi, District Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Manju Banerjee,
W/o Sri Priya Ranjan Banerjee,
resident of 13, Charu Chandra Mukherjee Road,
Adampur,
District Bhagalpur,
through her attorney Priya Ranjan Banerjee.
(Transferor)

- (2) Smt. Usha Rani Rath,
W/o Shri Raghunath Singh Rath,
resident of Burdwan Compound,
Ranchi, Police Station Lalpur,
District Ranchi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Kathas 9 Chhataks and 37 sq. ft. alongwith double storeyed building situated at Lalpur District Ranchi more fully described in deed No. 7255 dated 12-9-1980 registered with D.S.R. Ranchi.

V. N. SRIVASTAVA

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 15-5-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 15th May 1981

Ref. No. III-487/Acq./81-82.—Whereas, I, V. N. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 628, Khata No. 1192, Ward No. 5 situated at Main Road, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ranchi on 3-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Jagniwas Sharma,
S/o Shri Uma Nath Sharma,
2. Shri Uma Nath Sharma,
s/o Late Gopal Nath Sharma,
3. Smt. Bhawani Devi,
w/o Shri Hariballab Mishra,

4. Smt. Rudrani Devi,
w/o Shri Dayanand Sharma,

5. Smt. Dakyani Devi,
w/o Shri Praneshwar Pathak,
Address : Village Bhandara, P. S. Lohardaga,
District Ranchi 2 at Present P. S. Bhandara.
Address S. No. 3. Village Dharmu, P. S. Chandwa,
District Palamu.
Address Sl. No. 4. Village Danaikera, P. S. Lalyag.
Address Sl. No. 5. Village Makra P. S. Dhadhra
District Ranchi, at present Ratu Road Rani Satti
Mandir Lane, Ranchi.

(Transferor)

(2) Shri Anand Swarup Gupta,
Advocate,
s/o Late Jagannath Prasad Gupta,
R/o Main Road, Ranchi,
Lower Bazar,
P. O./P.S. Lower Bazar,
District Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 2 Ktha 1 Chatak with building situated at Main Road, Ranchi morefully described in deed No. 6989 dated 3-9-80 registered with D. S. R. Ranchi.

V. N. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 15-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th May, 1981

Ref. Nol A. P. No. 2637.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Abohar on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bagha Bai,
Raj Kishan,
Shri Sher Bahadur,
Shri Shashi Kant,
Smt. Asha Rani,
R/o Abohar Teh. Fazilka.

(Transferor)

- (2) Shri Ghansham Dass
S/o Shri Hans Raj
R/o Abohar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2006 of September, 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur.

Date : 20-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th May, 1981

Ref. No. A. P. No. 2638.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Nawanshehr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehr on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—106 GI/81

(1) Shri Deepak Keapal
s/o Shri Jaswant Rai,
r/o 31, Industrial Area,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Kaur
W/o Dr. Gurbax Singh
R/o Nawan Shehr.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2326 of September, 1980 of the Registering Authority, Nawan Shehr.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 20-5-1981

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd May, 1981

Ref. No. A. P. No. 2639.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kabool Pura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sham Lal
s/o Shri Roop Lal
r/o 13, Subash Nagar,
Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Avdesh Kumar Shrivastva,
s/o Shri Basant Lal
r/o 652, Model Town, Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 3914 of September, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd May, 1981

Ref. No. A. P. No. 2640.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at V. Kabool Pura

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sham Lal
s/o Roop Lal
r/o 13, Mohalla Subash Nagar,
Jullundur. (Transferor)
- (2) Shrimati Manju Shrivastva
W/o Shri Avdesh Kumar
R/o 562, Model Town,
Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4057 of September, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 22-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Ernakulam, the 14th May, 1981

Ref. No. L. C. 507/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Kozhikode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at West Hill on 24th September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri C. Surendran,
S/o Kunhikutty,
Cholappurath House,
Chevayur,
Kozhikode.

(Transferor)

(2) Smt. K. A. Fareeda Rahiman,
D/o Ahamed Haji,
Kalathilkunnu House,
Kozhikode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4 right over 39.23 cents of land as per schedule attached to document No. 1886/80 dated 24th September, 1980.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 14-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Cochin-682016, the 14th May 1981

Ref. L. C. No. 506/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Chalappuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalappuram on 2-9-1980, 3-11-1980 and 3-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri M. N. Syed Alavi,
S/o Moldeenkutty Hajee,
Tirurangadi Amson & Desom,
Tirur Taluk,
Malappuram District.
2. Shri E. P. Mohammed,
S/o Kunhayamu,
Eangapadiyil House,
Venmukam Amson, Tirur Taluk.
3. Smt. K. V. Juvalriya,
D/o K. A. Ummer Haji,
Kandoth Vattakulam House,
Kalathinkunnu Amson & Desom,
Kozhikode Taluk.

(Transferors)

- (2) Shri A. K. Abdulla Haji,
Smt. Kunhayisha,
Jameela and minor Sakeena
C/o Shallimar Hotel, S. M. Street,
Calicut.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6.72 cents of land with a building in Sy. No. 69/4B of Calicut Desom.

V. MOHANLAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 14-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 14th May 1981

Ref. L. C. No. 505/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S6. No. as per Schedule situated at Sringapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodungallur on 5th September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Kunjilakshmy Thampuratty for Smt. Ammukutty Thampuratty
2. Shri Ramavarma Raja
3. Smt. Ganga Thampuratty for self and minor
4. Ambika
5. Smt. Sreedevi Thampayi for self & for minors
6. Anitha and
7. Arun
8. Smt. Kunjilakshmi Thampayi for self & for minors
9. Krishnakumar and
10. Kavitha
11. Smt. Kavukutty Thampayi for self & for minors
12. Dhirish
13. Mahesh and
14. Durga
15. Smt. Padmaja Thampuratty for self & for minors
16. Anup and
17. Ambili
- Puthenkovilakom, Methala Village & Desom, Kodungallur Taluk.
18. Smt. Easwari, Amma alias Ammini Amma, D/o Smt. Kavamma, Easwari Vilasom, Methala Village & Desom, Kodungallur. Tq.

(Transferor)

- (2) The Mother Superior, Christuraj Convent, Methala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

44.75 cents of land with two buildings in Sy. No. 79 of Methala Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 14-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 19th May, 1981

Ref. L. C. No. 510/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 3rd September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri C. P. Jose,
S/o Cherpanath Porinchu,
Annamanada Desom,
Mukundapuram.

(Transferor)

(2) Smt. Baby Mathai,
W/o Thekkanath Mathai,
Perumanoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

6½ cents of land with building in Sy. No. 2603/21 of Ernakulam Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 19th May 1981

Ref. L. C. No. 511/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 3rd September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri C. P. Jose
S/o Cherpanath Porinchu,
Annamanada Desom,
Mukundapuram.

(Transferor)

(2) Smt. Baby,
W/o Thekkenath Mathal,
Perumanoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6½ cents of land with building in Sy. No. 2603/21 of Ernakulam Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 19th May, 1981

Ref. L. C. No. 512/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 16th September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—106GI/81

- (1) Shri Chandrasekhara Menon,
S/o Smt. Lakshmikutty Amma alias
Ammu Amma,
Thekke Marayil,
Karithala.

(Transferor)

- (2) Shri K. J. George,
S/o Shri K. V. John,
Karukappillil House,
29/1261 B, Kadavanthara

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 cents of land in Sy. No. 898/2 of Ernakulam Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 19th May 1981

Ref. L. C. No. 513/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 22nd September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) ~~Shri Chandrasekhara Menon,~~
S/o Lakshmikutty Amma alias
Ammu Amma,
Thekkomarayil,
Marithala,
Ernakulam.

(Transferor)

(2) Shri K. J. George,
C/o Shri C. V. John,
Karukappillil,
29/1261B, Kadavanthara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 cents of land in Sy. No. 1374/2 and 898/2 of Ernakulam Village,

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-5-1981
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 19th May 1981

Ref. L. C. No. 514/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 22nd September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandrasekhara Menon,
S/o Lakshmikutty Amma
alias Ammu Amma,
Thekkemmarayil,
Karithala.

(Transferor)

(2) Shri K. J. George,
S/o Shri K. V. John,
Karukappillil House,
29/1261B, Kadavanthara,
Ernakulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 cents of land in Sy. No. 898/2 of Ernakulam Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 6th May, 1981

Ref. No. 23/Sep./80.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part & 4262/1 Part, (Plot No. 23 & 24) situated at Polnayakanpettai, Tuticorin and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.-II, Tuticorin (Document No. 2316/80—item No. 237) on 30-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Madura Coats Ltd.,
10/4, Kasturba Road,
Bangalore.

(Transferor)

- (2) Mrs. P. Muthulakshmi Ammal,
W/o Sri Potrivelu,
No. 28, East Renganathapuram Street,
Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part, Polnayakanpettai, Tuticorin—Document No. 2316—Item No. 237.)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 6-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 6th May 1981

Ref. No. 22/Sep./80.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part, situated at Polnayakanpettai, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.-II Tuticorin (Document No. 2315/80—on 30-9-1980 item No. 236)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Madura Coats Ltd.,
10/4, Kasturba Road,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri P. Kathirvel,
S/o Sri Perumal Naicker,
No. 61, Kaliappa Pillai Street,
Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at T. S. No. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part, Polnayakanpettai, Tuticorin—Document No. 2315/80—Item No. 236.)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 6-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 6th May, 1981

Ref. No. 21/Sept./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part, situated at Polnayakanpetta, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R.-II, Tuticorin on 30-9-1980 (Document No. 2276/80—item No. 232)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Madura Coats Ltd.,
10/4, Kasturba Road,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shr P. Paramasivan Konar,
S/o Shri Pulamada Konar,
29, Diraviapuram Street,
Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1, Polnayakanpettai, Tuticorin.
(Document No. 2276/80—item No. 232).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 6-5-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS**

Madras, the 6th May, 1981

Ref. No. 24/Sep./80.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part (Plot No. 41), situated at Polnayakkanpetta, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the registering officer at J. S. R.-II, Tuticorin on 30-9-1980 (Document No. 2317/80—item No. 238) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Madura Coats Ltd.,
10/4, Kasturba Road,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri S. Ayya Pillai,
S/o Senthinayagam Pillai,
Chillanatham Village,
Ottapidaram Taluk,
Tirunelveli District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part (Plot No. 41) Polnayakkanpettai, Tuticorin.
(Document No. 2317/80—item No. 238.)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 6-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 14th May, 1981

Ref. No. 111/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 34, Pantheon Road, Madras-8, situated at Pantheon Road, Madras-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Periamet, Madras on 15-9-1980 (Document No. 1102/80). for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The South India Sales and Society,
No. 12, Landon's Road,
Madras-10

(Transferor)

- (2) M/s. Parsn Foundation & Engineering Corporation,
No. 601 Anna Salai
(Old No. 121)
Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and Building at Door No. 34, Pantheon Road, Madras-8—Document No. 1102/80.

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras

Date : 14-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 6th May 1981

Ref. No. 26/Sep./80 and 27/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVI-
CHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T. S. No. 4255, 4257, 4258/1 Part and 5262/1 Part situated at Polnayakkanpettai, Tuticorin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.-II, Tuticorin on 30-9-1980 (Document No. 2440/80—item) Nos. 249 & 250)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
27—106 GI/80

- (1) Mudura Coats Ltd.,
10/4, Kasturba Road,
Bangalore-1.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. S. Alagulakshmi Ammal,
W/o Sri Sankaranarayanan,
No. 26, Kanagasabapathy Pillai Street,
Tuticorin.
2. Smt. Meenakshiammal,
W/o Sri Muthulappa Pillai,
No. 26, Kanagasabapathy Pillai, Street,
Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part, Polnayakkanpettai, Tuticorin—Document No. 2440/80 (Item Nos. 249 & 250).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 6-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Ref. No. 17/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part, Plot No. 37, situated at Polnayakanpettai, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R.-II, Tuticorin on 30-9-1980 (Document on 2272/80—Item No. 228).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) MADURA COATS LTD'
10/4, Kasturba Road,
Bangalore.

(Transferor)

- (2) Shri S. Perumal,
S/o Sri Subba Naicker,
67/A-4, Vannar 1st Street,
Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at T. S. Nos. 5255, 5257, 5258/1 Part, 5262/1 Part Plot No. 37, Polnayakanpettai, Tuticorin.—Document No. 2272/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 6-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 6th May 1981

Ref. No. 18/Sep./80.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part, Plot No. 40, situated at Polnayakanpettai, Tuticorin and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.-II, Tuticorin on 30-9-1980 (Document No. 2273/80—item No. 229).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Madura Coats Ltd.
10/4, Kasturba Road,
Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Shri A. M. Koilpitchai Nadar,
S/o A. Manuel Nadar,
149, Sivan Koll Street,
Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. Nos. 5255, 5257, 5258/1 Part and 5262/1 Part, Plot No. 40, Polnayakanpettai, Tuticorin.

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 6-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrass, the 6th May 1981

Ref. No. 19/Sept./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. No. 4255, 4257, 4258/1 Part and 5242/1 Part, situated at Polnayakanpettai, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. II/Tuticorin on 30-9-1980 (Document No. 2274/80—item No. 230)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Madura Coats Ltd.,
10/4, Kasturba Road,
Bangalore.
- (2) Sri K. Thangamariappan,
S/o Sri Karmega Nadar,
48, T. R. Naidu Street,
Tuticorin.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. Nos. 4251, 4257, 4258/1 Part and 4242/1 Part, Polnayakanpettai, Tuticorin—Document No. 2274—item No. 230).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 6-5-1981
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madrass, the 6th May, 1981

Ref. No. 20/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part, Plot No. 33, situated at Polnayakanpettai, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II, Tuticorin on 30-9-1980 (Document No. 2275/80 item No. 231)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Madura Coats Ltd.,
10/4, Kasturba Road,
Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Sri S. Anantharaman,
S/o Sri Subramania Iyer,
No. 30, Kanagasabapathy Pillai Street.,
Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1, Part, Plot No. 33, Polnayakanpettai, Tuticorin—Document No. 2275/80—item No. 23).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras

Date : 6-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrass, the 6th May, 1981

Ref. No. 12/Sep./80 to 16/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part—Plot Nos. 34 & 35, situated at Polnaickenpettai, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R.-II, Tuticorin on 30-9-1980 (Document No. 2271/80—item Nos. 223 to 227)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Madura Coats Ltd.,
10/4, Kasturba Road,
Bangalore-1.
- (2) 1. Mrs. Kamala Pecris,
Dr. No. 46, Periakadai St.,
Tuticorin.
2. Sri J. Gerald Fernando
Periakadai St.,
Tuticorin.
3. Sri J. Terrence Fernando
Periakadai St., Tuticorin.
4. Sri J. Isanower Fernando
Periakadai St., Tuticorin.
5. Sri J. Linus Fernando
Periakadai St., Tuticorin.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part (Plot Nos. 34 & 35), Polnaickenpettai, Tuticorin Town. Document No. 2271/80—item 223 to 227).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 6-5-1981
Seal :

FORM FTNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madrass, the 6th May, 1981

Ref. No. 8/Sep./80 to 11/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T. S. No. 4255, 4257, 4258/1, Part, 4262/1 Part—Plot No. 37, situated at Polnaickenpettai, Tuticorin Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.-II, Tuticorin on 30-9-1980 (Document No. 2270/80 (Item Nos. 219, 220, 221 & 22)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Madura Coats Ltd.,
No. 10/4, Kasturba Road,
Bangalore-1.

(Transferor)

- (2) 1. Shri A. Sankaran Pillai
2. Sri S. Arunachalam,
S/o Sri A. Sankaran Pillai
3. Sri S. Subramanian,
S/o Sri A. Sankaran Pillai
4. Sri S. Ganesan,
S/o Sri A. Sankaran Pillai
No. 54, North Car Street, Extension,
Tuticorin-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at T. S. Nos. 4255, 4257, 4258/1 Part and 4262/1 Part Plot No. 36 at Polnaickenpettai, Tuticorin-2—Document No. 2270/80 (Item Nos. 219 to 222).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 6-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 7th May 1981

Ref. No. 48/Sep./80.—Whereas, I, . RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Dr. No. 39 & 40, situated at Workshop Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam, Madurai on 15-9-1980 (Document No. 1917/80).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri D. Palaniappan,
2. Sri D. Kandasamy,
Sons of Late S. V. Duraisamy Chettiar,
No. 52, Chellathamman Koil Street,
Madurai.

(Transferor)

- (2) Shri R. Dharmarajan,
S/o Sri C. Ramahandran Chettiar,
5/369, Ellaipura Gandhi Street,
Paramakudi
(Ramnad District).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, Madurai Document No. 1917/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 7-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 7th May 1981

Ref. No. 49/80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. No. 39 & 40, situated at Workshop Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam, Madurai (Document No. 1918/80) at 15-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

28—106GI/81

(1) 1. Sri D. Palaniappan
2. Sri D. Kandasamy,
Sons of Late Sri S. V. Duraisamy Chettiar,
No. 52, Chellathamman Koil Street,
Madurai.

(Transferor)

(2) Sri. R. Dharmarajan,
S/o Sri C. Ramachandran Chettiar,
5/369, Ellaipura Gandhi Street,
Paramakudi (Ramanad District).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at Dr. No. 39 & 40, Workshop Road, Madurai—
Document No. 1918/80).

R. RAVICHANDRAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 7-5-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 7th May 1981

Ref. No. 50/Sept./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pudumandapam, Madurai on 15-9-1980 (Document No. 1919/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri D. Palaniappan
2. Shri D. Kandasamy,
Sons of Late Sri S. V. Duraisamy Chettiar,
No. 52, Chellathamman Koil Street,
Madurai.

(Transferor)

- (2) Shri R. Dharmarajan,
S/o Sri C. Ramachandran Chettiar,
5/369, Ellaipura Gandhi Street,
Paramakudi (Ramanad District).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site at Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, Madurai—
Document No. 1919/80.

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 7-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrass, the 7th May 1981

Ref. No. 51/Sept./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

at Pudumandapam, Madurai on 15-9-1980 (Document No. 1920/80).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

(1) 1. Sri D. Palaniappan

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

2. Sri D. Kandasamy,
Sons of Late Sri S. V. Duraisamy Chettiar,
No. 52, Chellathamman Koil Street,
Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. D. Saradha Devi
W/o Sri R. Dharmarajan,
No. 52, Lakshmipuram 6th Street,
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, Madurai
—Document. 1920/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 7-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras, the 7th May, 1981

Ref. No. 52/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapan, Madurai on 15-9-1980 (Document No. 1921/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri D. Palaniappan,
2. Sri D. Kandasamy,
Sons of Late Sri S. V. Duraisamy Chettiar,
No. 52, Chellathamman Koil Street,
Madurai.

(Transferor)

- (2) Smt. D. Saradha Devi,
W/o Sri R. Dharamarajan,
No. 52, Lakshmipuram 6th Street,
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, Madurai—Document No. 1921/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 7-5-1981
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 7th May, 1981

Ref. No. 53/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. Nos. 39 & 40 situated at Workshop Road, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Pudumandapam, Madurai on 15-9-1980 (Document No. 1922/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Sri D. Palaniappan,
2. Sri D. Kandasamy,
Sons of Late Sri S. V. Duraisamy Chettiar,
No. 52, Chellathamman Koil Street,
Madurai.

(Transferor)

- (2) Smt. D. Saradha Devi,
W/o Sri R. Dharmarajan,
No. 52, Lakshmipuram, 6th Street,
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, Madurai, Document No. 1922/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 7-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrass, the 7th May 1981

Ref. No. 54/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. Nos. 39 & 40, situated at Workshop Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam, Madurai on 15-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri D. Palaniappan,
2. Sri D. Kandasamy,
Sons of Late Sri S. V. Duraisamy Chettiar,
No. 52, Chellathamman Koil Street,
Madurai.

(Transferor)

- (2) Sri R. Dharamarajan,
S/o Sri C. Ramachandran Chettiar,
5/369, Ellaipura Gandhi Street,
Paramakudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, Madurai—Document No. 1923/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 7-5-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, MADRAS**

Madras, the 7th May 1981

Ref. No. 55/Sept./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. Nos. 39 & 40, situated at Workshop Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam, Madurai on 15-9-1980 (Document No. 1924/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri D. Palaniappan,
2. Sri D. Kandasamy,
Sons of Late Sri S. V. Duraisamy Chettiar,
No. 52, Chellathamman Koil Street,
Madurai.

(Transferor)

- (2) Smt. D. Saradha Devi,
W/o Sri R. Dharmarajan,
No. 52, Lakshmipuram 6th Street,
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Dr. Nos. 39 & 40, Workshop Road, Madurai—Document No. 1924/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 7-5-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 7th May 1981

Ref. No. 35/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dr. No. 299/1, Tiruvottriyur High Road, situated at Madras-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Royapuram, Madras on 30-9-1980 (Document No. 1568/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri V. Padmanabhan,
2. Sri V. Mohankumar,
3. Sri V. Krishnamurthy,
No. 33, Mettu Street,
Madras-21.

(Transferor)

- (2) Supreme Star Shipping Co. (Pvt.) Ltd.,
Vanguard House,
II Line Beach,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Dr. No. 299/1, Thiruvottriyur High Road, Madras-21—Document No. 1568/80.

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 7-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madrass, the 7th May, 1981

Ref. No. 59/Sep./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos. 282, 284, 281/1 and 283/1, situated at Pingi Village North Arcot District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Walajahpet on 15-9-1980 (Document No. 2411/80—Item No. 105)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
29—105GI/81

(1) Mr. A. Abdul Marayakrar,
S/o Mr. A. Md. Isaq.,
Savukar Street,
Melvishar (North Arcot District).

(2) Mrs. Noor Ajunnissa,
W/o A. E. Abdul Rahman,
Big Street,
Melvishar
(North Arcot District)

(Transferor)

- (2) 1. Mr. M. Jameel Ahmed
2. Mr. M. R. Zafeer Ahmed,
3. Mr. M. R. Iqbal Ahmed,
Partners in
M/s. M.J.S. Iqbal & Co.,
Melvishar
(North Arcot District)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. Nos. 281/1, 282, 283 and 284, Pingi Village, North Arcot District.—Document No. 2411/80)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 7-5-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass, the 8th May, 1981

Ref. No. 15765.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land R.S. 114 Okkiam, situated at Thorappakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Saidapet (Document No. 2960/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Lakshmi Nagalingam
223, IV Street, Abiramapuram,
Madrass-18.

(Transferor)

(2) C. Susheela Devi
1, Chinnayya Pillai Street,
Madrass-17.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 114 in Okkiam Thorappakkam (Document No. 2960/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 8-5-1981
Seal ;

FORM ITNS

(1) Sri Dwipendra Nath Chatterjee

(Transferor)

(2) M/s. Precision Pipes and Tubes Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd April, 1981

Ref. No. A.C.-16/D-IV/Cal./81-82.—Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khatian No. 17, Dag. No. 18 situated at Mouza Khalia, P. S. Liloah, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 8-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 10 Kh. 4 Ch. 42 Sq. ft., of land at Dog No. 78 Mouja-Khalia, Liloah, Howrah more particularly described as per Deed No. 3133 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Calcutta.

Date : 23-4-1981
Seal :

FORMS ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 19th May 1981

Ref. No. 902/Acq/R-III/81-82—Whereas I, I. V. S. Juneja,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 93/3B & 93/3C situated at Kankulia Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipur on 4-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kanai Lal Chatterji

(Transferor)

- (2) M/s. Benubon Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece and parcel of land measuring 5K-8Ch. being portion of land & situated at 93/3B and 93/3C, Kankulia Road, Calcutta, as covered by deed No. 4304.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date :19-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE III
Calcutta, the 19th May 1981

Ref. No. 903/Acq. R-III/81-82—Whereas, I, I. V. S. Juneja

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 93/3B and 93/3C situated at Kankulia Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipur on 8-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Ashoke Kr. Chatterjee

(Transferor)

(2) Benuban Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5K-8 Ch. bein portion of land and situated 93/3B and 93/3C, Kankulia Road, Calcutta as covered by deed No. 4358.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, Calcutta

Dated : 19-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Gouri Banker Bhattacharjee & Ors.

(Transferor)

(2) Sri Mrigendra Kishore Sarkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 20th May 1981

Ref. No. Sl. 574/Acqn. R-I/80-81—Whereas I, I.V.S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 223 situated at Gorachand Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 12-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land containing 5 Cottahs 11 chittacks 9 sft. being premises No. 223 Gorachand Road, registered under deed No. 817 dated 12-9-1980.

I.V.S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-5-1981
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 20th May, 1981

Ref. No, TR-394/80-81 Sl. No. 572 /Acq.-R-I—Whereas, I, I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mezzanine Floor situated at 24, Park St., Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Calcutta Credit Corporation
24, Park St. Calcutta.

(Transferor)

- (2) 1. Rajeev Daga
2. Sanjeev Daga of 36/1, Jatin Das Road,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat containing a covered area of 2886 sq. ft. on Premises No. 24, Park St. Calcutta registered vide deed No. I-9099P dated 30-9-80 in the office of Registrar of Assurance, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 20-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Jaipur Investment Company Limited,
31, Netaji Subhas Road, Calcutta. (Transferor)
- (2) Organised Investments Ltd.,
18, Netaji Subhas Road, Calcutta. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 20th May 1981

Ref. No.—TR-39)/80-81, Sl. No. 573/Acq. R-I—
Whereas, I, I.V.S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

31 situated at Hariram Goenka St. Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building situated on a land measuring 9 Cottah 14 Chittach more or less at +31 Sir Hariram Goenka St. Calcutta registered vide deed No. I-5579 on 25-9-1980 in the office of Registrar of Assurance at Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 20-5-81
Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Sm. Gita Rani Burman.

(Transferor)

(2) Ranjana Nandi Majumdar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE—II, CALCUTTA

Calcutta, the 20th May 1981

Ref. No. AC-13/R-II/Cal/81-82—Whereas, I, K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P. 502/6 situated at Basudeppur Road, Behala Calcutta-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. Alipur at Behala on 24-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises No. P-502/6, Basudippur Road, P.S. Behala, Calcutta-61 Area : 3 K—15 Ch. 27 sq. ft. (two stories Building). More particularly describe in deed No. 2466 P. of J.S.R. Alipore Behala of 1980.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—106GI/81

Date : 20-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 20th May 1981

Ref. No. AC-12/R-II/Cal/81-82—Whereas, J. K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 84, C.I.T. Road, Calcutta-10 situated at Schem No. IV M. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sealdah on 22-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Brendra Nath Chouhury and 8 others.

(Transferor)

- (2) (i) Bhaja Hari Saha and
(ii) Radhashyam Saha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5K-7ch. 10 sq. ft. at Premises No. 84, C.I.T. Road, Calcutta-10. Scheme No. IV M. More particularly described on deed No. 847 of S.R. Sealdah of 1980.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income -Tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 20-5-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 20th May 1981

Ref. No. AC-31/ACQ R-IV/Cal/81-82—Whereas I, K. Sinha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 1047 situated at Midnapore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Renuka Ganguly
Smt. Mira Ganguly
49-B, Bally gunge Gardens
Calcutta.

(Transferor)

(2) Ajoy Industries Ltd
23/24,
Radha Bazar Stret,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece and parcel of land measuring 2.45 acres situated at Mauja Bhabanipur P. S. Sutahata Dist Midnapore more Particularly described as per Deed No 5284 of 1980

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range No. IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700 016.

Date : 20-5-1981
Seal

FORM ITNS

(1) Kartick Chandra Khan and Orss.

(Transferor)

(2) East End Park Co-operative Housing Society Lt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,**

Calcutta-10, dated the 21st May 1981

Ref. No. AC-14/R-II/Cal/81-82—Whereas I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5 situated at Ram Mohan Mallick Garden Lane, Calcutta-10, P. S. Bellaghata.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S. R. Sealdah on 3-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 Bigha 8 Cottah 1 Ch. 38 sq. ft. at 5-Ram Mohan Mallick Garden Lane, P. S. Bellaghata, Calcutta-10, More particularly described in deed No. 792 of S. R. Sealdah of 1980.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 21-5-18.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQ. R. CALCUTTA

Calcutta, dated the 21st May 1981

Ref. No. AC-34/Acq. R-IV/81-82—Whereas I K. SINHA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 184 situated at J. N. Mukherjee Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Hindusthan Brown Boveri Ltd.
264/265 Annie Besant Road,
Bombay-40025.

(Transferor)

(2) Om Development Pvt. Ltd.
4-B. B. D. Bag (East),
Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 8 B. 8 Kh 15 Ch. situated at 184, J. N. Mukherjee Road, Salkia, Howrah more particularly described as per Deed No. 5399 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range
No. 54 Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700 016.

Date : 21-5-81.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQ. R-VI, CALCUTTA

Calcutta, the 21st May 1981

Ref. No. AC-35/R-IV/Cal/81-82—Whereas I K.

K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. at P. S. Bolepur, Dist-Birbhum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sulekha Bhowmik
32/31, Gariahat Road (South) Calcutta.
(Transferor)
- (2) Emco General Plastic Industries Pvt. Ltd.
P-35, C.I.T. Road,
Calcutta-14.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 17 satak including building situated at mouja—Surul, P. S. Bolepure, Birbhum, more particularly described as per Deed No. 5507 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
54, Raff Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700 016.

Date : 21-5-81.
Seal

FORM NO. I.T.N.S. _____

(1) Ms. S.G. Investments &
Industries Ltd.

[Transferor]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Menaka Investments Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-J, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd May 1981

Ref- No. Sl. 575/Acq'n, R-I/Cal/80-81—Whereas, I,
I. V. S. Juneja,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing -

No. 26 situated at Burtolla St., Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Calcutta on 25-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
Moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Partly four and partly five storeyed building with land
measuring 11 cottahs 6 Chittacks 27 sft. being premises No.
26, Burtolla St., Calcutta registered under deed No. 5578
dt. 25-9-80 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioners' of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Dated 22-5-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. Satya Ranjan Konar.

(Transferor)

(2) Sri Soumen Ghosh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQ. R.-II, CALCUTTA.

Calcutta, the 22nd May 1981

Ref. No. Ac.-15/R-II/Cal/81-82—Whereas, I, K. SINHA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 61 C.I.T. Scheme No. VII(M) situated at V.I.P. Road, P.S. Manikotla, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A. Calcutta on 30-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 K. 7 Ch. 16 Sq. ft. at Plot No. 61 C.I.T. Scheme No. VII (M), V.I.P. Road, Manikotla, Calcutta. More particularly described in deed No. 5691 of S.R.A. Calcutta of 1980.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 22-5-81.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s S.G. Investments & Industries Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Menaka Investments Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQ. Range-I, CALCUTTA

Calcutta. the 22nd May 1981

Ref. No. Sl, 575/Acqn R-1/Cal/80-81—Whereas, I,
I.V.S. JUNEJA,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding,

Rs. 25,000/- and bearing

No. 26 situated at Burtolla st., Calcutta.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Calcutta on 25-9-80for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly four and partly five storeyed building with land measur-
ing 11 cottahs 6 Chittacks 27 sft. being premises No. 26,
Burtolla St., Calcutta registered under deed No. 5578 dt.
25-9-80 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 22-5-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th May 1981

Ref No. Amritsar/81-82/52—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No situated at Vijay Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Garjit Singh
s/o Shri Sarmukh Singh
r/o Bazar Swank Mandi,
Amritsar gali Jamua, H.No. 1249/VI
(Transferor)
- (2) Sh. Jaswant Singh
s/o Sh. Gurbachan Singh
r/o Chowk Chabutra,
House No. 2163, Gajran Street, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. no. 2 and tenants if any
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other
[Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One old house on plot No.5 min & 6 min Khasra No. 421 min situated in Vijay Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 5218 dated 14-9-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 15-5-81
Seal :